कांग्रेस ने खाद्य सुरक्षा और गरीबों... 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

करीना कपूर ने दायरा को बताया... 11

वर्ष - 02, अंक - 152 | गाजियाबाद / शुक्रवार 04 सितंबर 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

पत्नी का हर जगह पति के साथ जाना जरूरी नहीं

तलाक केस में मद्रास हाईकोर्ट की टिप्पणी, गुजारा भत्ता देने के निर्देश

कहा-'वोडाफोन डॉग' की तरह पीछे चलने की उम्मीद नहीं कर सकते

चेन्नई (एजेंसी)। मद्रास हाईकोर्ट ने गुरुवार को कहा कि पत्नी से पति के पीछे वोडाफोन के एड वाले पग डॉग की तरह चलने की उम्मीद नहीं की जा सकती। कोर्ट ने कहा कि नौकरी या दूसरी वजहों से पति जहां जाए, पत्नी का हर बार उसके साथ जाना जरूरी नहीं है। यह मामला उस कपल से जुड़ा है, जो करीब 16 साल से अलग रह रहा था। दोनों की शादी 34 साल पहले, सितंबर 1992 में हुई थी। कपल के चार बच्चे भी हैं। अभी पति की उम्र 67 साल है। हाईकोर्ट ने कहा कि पति-पत्नी के बीच काफी कड़वाहट है और दोबारा साथ आने की कोई संभावना नहीं बची है। इसके बाद फैमिली कोर्ट के आदेश को पलटते हुए तलाक मंजूर कर लिया। हालांकि कोर्ट ने पति को पत्नी को 7 लाख गुजारा भत्ता देने का भी आदेश

दिया। पति ने अपनी तलाक याचिका में बताया था कि वह नौकरी के लिए तमिलनाडु के शिवगंगा से मुंबई चला गया था, लेकिन पत्नी उसके साथ नहीं गई। 2014 में पति ने शिवगंगा के फैमिली कोर्ट में तलाक की याचिका दाखिल की।

हाईकोर्ट ने माना-रिश्ते में गहरी दरार पड़ चुकी

पति-पत्नी करीब 16 सालों से अलग रह रहे थे और पत्नी की ओर से पति के पास लौटने की कोई औपचारिक कोशिश भी सामने नहीं आई। समझौते की संभावना तलाशने के लिए हाईकोर्ट ने दोनों पक्षों से बातचीत की, मगर बात नहीं बन सकी। हाईकोर्ट ने माना कि रिश्ते में गहरी दरार पड़ चुकी है। दोबारा साथ आने की संभावना नहीं बची। पीठ ने सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले का संदर्भ देते हुए कहा कि लंबे समय तक अलग रहना, वैवाहिक जीवन का खत्म हो जाना और रिश्ते का पूरी तरह टूट जाना परिस्थितियों के आधार पर मानसिक क्रूरता के दायरे में आ सकता है। इसके बाद अदालत ने तलाक की मंजूरी दे दी।

पति ने पत्नी पर अवैध संबंध के भी आरोप लगाए थे

पति ने अपनी तलाक याचिका में आरोप लगाया था कि पत्नी के किसी दूसरे व्यक्ति के साथ अवैध संबंध हैं। हालांकि, हाईकोर्ट ने अवैध संबंध के आरोप को स्वीकार नहीं किया। जस्टिस जीआर स्वामीनाथन और जस्टिस एमडी सुमति की बेंच ने कहा कि जिस व्यक्ति को पत्नी का प्रेमी बताया गया था, उसे मामले में पक्षकार ही नहीं बनाया गया। कोर्ट ने कहा कि ऐसे आरोप में प्रेमी को भी मामले में शामिल करना जरूरी है। ऐसा नहीं होने पर अवैध संबंध के आधार पर लगाया गया आरोप टिक नहीं सकता।

पाकिस्तानी जेट गिराने वाले अभिनंदन ने एयरफोर्स छोड़ी

बालाकोट स्ट्राइक के दौरान 60 घंटे पाकिस्तान की कैद में रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। बालाकोट एयरस्ट्राइक के दौरान 60 घंटे पाकिस्तान की कैद में रहे पूर्व ग्रुप कैप्टन अभिनंदन वर्तमान ने एयरफोर्स से रिटायरमेंट ले लिया है। उन्होंने गोवा की प्राइवेट एयरलाइन फ्लाई-91 जॉइन कर ली है। उनका सामान्य रिटायरमेंट 2037 में होना था, जब वे 54 वर्ष के होते। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, उन्होंने 31 मार्च 2026 को वायुसेना छोड़ी और अगस्त में प्राइवेट एयरलाइन जॉइन की। करीब दो दशक की सर्विस के बाद अब वे कॉमर्शियल यात्री विमान के पायलट होंगे। अभिनंदन वायुसेना में मिग-21 फाइटर उड़ाते थे।

संक्षिप्त समाचार

हल्द्वानी शुद्धिकरण पर खड़गे ने नड्डा को लिखा पत्र

हल्द्वानी (एजेंसी)। हल्द्वानी शुद्धिकरण मामले में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा को पत्र लिखकर मामले में एफआईआर दर्ज कराने की मांग की है। खड़गे ने पत्र में कहा कि घटना के 24 दिन बीत जाने के बावजूद जिम्मेदार व्यक्तियों और संगठनों के खिलाफ एफआईआर तक दर्ज नहीं हुई है। खड़गे ने लिखा कि 8 अगस्त को हल्द्वानी में उनकी

जनसभा के बाद रामलीला मैदान के मंच का शुद्धिकरण कराया गया। उन्होंने नड्डा से कहा है कि वे राज्यसभा में दिए अपने आश्वासन पर उत्तराखंड के मुख्यमंत्री को निर्देशित करें और रामलीला मैदान में हुए शुद्धिकरण में शामिल व्यक्तियों और संगठनों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराना सुनिश्चित करें। खड़गे ने कहा कि ऐसे लोगों को सबक देना जरूरी है। उनके मुताबिक, इस मामले में उनका रोष केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि उस मानसिकता के खिलाफ है, जिससे समाज का एक बड़ा तबका प्रभावित होता है।13 अगस्त को राज्यसभा में मुद्दा उठाते हुए खड़गे ने आरोप लगाया था कि उनके भाषण के बाद शुद्धिकरण किया।

टीएमसी दफ्तर में सुबह साढ़े चार बजे तोड़फोड़

कोलकाता (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस सांसद अभिषेक बनर्जी ने कोलकाता के कैमक स्ट्रीट स्थित उनके पार्टी ऑफिस में बीजेपी के लोगों पर तोड़फोड़ का आरोप लगाया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर सीसीटीवी फुटेज जारी कर बताया कि हमलावर गुरुवार सुबह करीब 4.30 बजे आए थे। उन्होंने दावा किया कि हथियारों के

साथ आए हमलावरों ने कर्मचारियों से मारपीट की, फोन छीने, फर्नीचर तोड़ा, दफ्तर में सामान बिखेर दिया और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को नुकसान पहुंचाया। अभिषेक के मुताबिक, टीएमसी कर्मचारियों और वकीलों ने पुलिस को सूचना दी, लेकिन करीब दो घंटे तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसी ऑफिस को लेकर कुछ दिन पहले भी विवाद हुआ था। कोलकाता नगर निगम ने 31 अगस्त को पुलिस की मौजूदगी में इमारत से टीएमसी का साइनबोर्ड हटाया था। इस दौरान अधिकारियों से झड़प के आरोप में तीन के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थीं।

यूपी चुनाव से पहले मायावती का आर-पार वाला दांव!

मेरठ (एजेंसी)। लगता है कि सियासत में बहुजन समाज पार्टी के नेशनल कोर्डिनेटर आकाश आनंद के सितारे गर्दिश से बाहर नहीं निकल पा रहे। आकाश आनंद 2017 में पहली बार सियासी मंच पर चढ़े और इसके बाद कई बार उसी मंच से नीचे उतार दिए गए। ये सब कोई और नहीं, बल्कि खुद उनकी बुआ और बीएसपी की अध्यक्ष मायावती ही कर रही हैं। गुरुवार को एक बार फिर मायावती ने

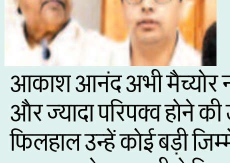

आकाश आनंद को जोर का झटका दे दिया। लखनऊ में बुलाई गई राष्ट्रीय स्तर की बैठक में मायावती ने कहा कि आकाश आनंद अभी मैच्योर नहीं हैं और उन्हें अभी और ज्यादा परिपक्व होने की जरूरत है, इसलिए फिलहाल उन्हें कोई बड़ी जिम्मेदारी नहीं मिलेगी। एक तरह से मायावती ने सियासी तौर पर आकाश आनंद को 'पैदल' कर दिया है।। मायावती ने चार दिन पहले और आज बुलाई गई बैठक में आकाश को बुलाया तक नहीं।

एमपी से बंगाल तक 'सैलाब' का कहर

- बिहार में खतरे के निशान से 2 फीट ऊपर बह रही गंगा
- 13 जिलों में बाढ़, काशी में 407 परिवारों ने घर छोड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार के कई जिलों में बीते दो दिनों से रुक-रुककर बारिश हो रही है। पटना में गंगा खतरे के निशान से करीब 2 फीट ऊपर बह रही है। प्रदेश के 13 जिले बाढ़ की चपेट में हैं, जबकि 8 नदियों का जलस्तर बढ़ गया है। वहीं एमपी और उत्तर प्रदेश में लगातार बारिश से नदियां उफान पर हैं। काशी में वरुणा नदी के किनारे रहने वाले 407 परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया है। अब तक 2,910 लोग विस्थापित हो चुके हैं। राहत और बचाव कार्य के लिए प्रशासन ने 36 नावें लगाई हैं। बाढ़ के हालात को लेकर पीएम मोदी ने वाराणसी के डीएम और मेयर से बात की। हिमाचल प्रदेश के कई हिस्सों में बुधवार रात तेज बारिश के बाद लैंडस्लाइड की वजह से 175 से ज्यादा सड़कें बंद हो गईं। कालका-शिमला फोरलेन पर भारी मलबा गिर गया। इससे कई गाड़ियां रातभर फंसी रहीं।

बाढ़ की चपेट में बिहार के 13 जिले, 8 नदियां उफनाईं

बिहार के 13 जिले बाढ़ की चपेट में हैं। 8 नदियां उफान पर हैं। पटना में गंगा खतरे के निशान से करीब 2 फीट ऊपर बह रही है। पटना सिटी के भद्रघाट और महावीर घाट की सर्विस लेन पर घुटनों तक गंगा का पानी पहुंच गया है। सोन नदी पर स्थित रोहतास के इंद्रपुरी बैराज के सभी 69 गेट खोल दिए गए हैं। बैराज से सोन नदी में 6 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। इससे निचले इलाकों में बाढ़ की स्थिति बनने की आशंका है। बक्सर में नेशनल हाईवे पानी में डूब गया है। बेतिया में गंडक नदी के कटाव के कारण एक पक्का घर नदी में समा गया।

लैंडस्लाइड से सीधी-यूपी रूट ब्लॉक, उमरिया में बही महिला

मध्य प्रदेश में मानसून का स्ट्रॉन्ग सिस्टम ऐक्टिव है। सीधी के कैमूर पहाड़ की मूड़ा घाटी में लैंडस्लाइड के कारण सीधी-यूपी मार्ग बंद है। बारिश के चलते सड़क पर बड़े पत्थर और पेड़ गिर गए हैं। सड़क के नीचे 100 फीट से ज्यादा गहरी खाई होने से यहां हादसे का खतरा भी बढ़ गया है। छतरपुर में मूसलाधार बारिश की वजह से सभी स्कूल बंद हैं। लवकुशनगर में कच्चा मकान ढह गया। मकान गिरने का वीडियो भी सामने आया है। उमरिया में बाढ़ में एक महिला बह गई, जो अभी भी लापता है। चित्रकूट में मंदाकिनी का जलस्तर कम होते ही हालात सामान्य होने लगे हैं।

काशी में बाढ़, मोदी ने डीएम-मेयर को फोन किया

यूपी में लगातार बारिश से 23 जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं। अब तक 16 हजार से अधिक लोगों को बाढ़ से रेस्क्यू किया गया है। काशी में गंगा-वरुणा का पानी अब घरों में घुसने लगा है। सड़कों पर नाव चल रही है। अब तक 407 परिवार घर छोड़ चुके हैं। सभी 84 घाट डूबे हुए हैं। मणिकर्णिका घाट पर छत पर अंतिम संस्कार हो रहा है। इसी बीच, काशी के सांसद पीएम मोदी ने वाराणसी डीएम सत्येंद्र कुमार और मेयर अशोक तिवारी से बात की। उन्होंने शहर में बाढ़ के हालात की डिटेल में जानकारी ली। पीएम ने कहा-यह सुनिश्चित करें कि नागरिकों को कम से कम परेशानी हो। बाढ़ प्रभावित लोगों को युद्धस्तर पर राहत पहुंचाते हुए उन्हें तत्काल जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराएं। चित्रकूट में मंदाकिनी नदी का पानी आसपास की सड़कों पर बह रहा है। 500 से अधिक दुकानों और 20-25 होटलों में पानी घुस गया है। यहां मकान ढहने से पिता और 2 बच्चों की मौत हो गई। पत्नी और बेटी की हालत गंभीर है। कानपुर देहात में मकान ढहने से 2 बच्चों की मौत हो गई। बलिया में गंगा-सरयू नदियां उफान पर हैं। शहर के कई इलाकों में पानी घुस गया है। सड़कों पर कमर तक पानी है। इसके चलते नाव चल रही है। सोनभद्र में प्रदेश का सबसे बड़ा रिहंद बांध ओवरफ्लो हो गया।

अब एच-1 बी वीजा पर भारतीय प्रोफेशनल के लिए नया संकट

नौकरी गई तो 60 दिन की मोहलत भी खत्म हो सकती है, अमेरिका छोड़ना पड़ेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका में भारतीय प्रोफेशनल्स की लाइफलाइन माने जाने वाले एच-1बी वीजा पर नया संकट मंडरा रहा है। अमेरिका में चल रही छंटनी के बीच इस साल की पहली छमाही में करीब 10 हजार भारतीय प्रोफेशनल्स को नौकरी जाने के बाद अमेरिका छोड़कर भारत लौटना पड़ा। इन्हें 60 दिन के ग्रेस पीरियड में नई नौकरी नहीं मिल पाई। अमेरिकी सिटिजनशिप एंड इमिग्रेशन सर्विसेस के इस साल की पहली छमाही के आंकड़ों से यह जानकारी सामने आई है। इसकी तुलना में पूरे 2025 में करीब 5,100 भारतीय प्रोफेशनल्स को अमेरिका छोड़ना पड़ा था। यानी इस साल सिर्फ छह महीने में यह संख्या पिछले पूरे साल के मुकाबले लगभग दोगुनी हो गई।

उड़ान के बीच दोहा-बेंगलुरु फ्लाइट पायलट की तबीयत बिगड़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कतर के दोहा से बेंगलुरु आ रही इंडिगो की एक फ्लाइट के पायलट की गुरुवार को अचानक तबीयत बिगड़ गई। इसके बाद फ्लाइट मस्कट डायवर्ट करना पड़ा। मेडिकल इमरजेंसी के बीच प्लेन की सुरक्षित लैंडिंग कराई गई। मेडिकल टीम ने पायलट की जांच की। उन्हें अस्पताल ले जाया गया। एयरलाइन के मुताबिक, अब पायलट की हालत ठीक है। इंडिगो ने बताया कि बेंगलुरु से एक विमान मस्कट भेजा जा रहा है, जो यात्रियों को लेकर बेंगलुरु पहुंचेगा। एयरलाइन ने कहा कि मस्कट में विमान का इंतजार कर रहे यात्रियों को खाना और पीने की चीजें दी जा रही हैं और उन्हें लगातार अपडेट किया जा रहा है। जिस विमान से यात्री बेंगलुरु वापस आएंगे उसके लिए नए क्रू की व्यवस्था भी की गई है। इंडिगो ने यात्रियों को हुई असुविधा के लिए खेद जताया।

एयरफोर्स ने किया लॉन्ग रेंज ग्लाइड बम का सफल टेस्ट

300 किलो वजन, मिग और मिराज एयरक्राफ्ट से दागे जाएंगे ये बम

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन एयरफोर्स ने स्वदेशी लॉन्ग रेंज ग्लाइड बम खगांतक-243 का सफल ड्रॉप टेस्ट किया है। इससे भारत की स्वदेशी हमला करने की क्षमता बढ़ेगी। इसमें 125 किलो का एमके-81 वॉरहेड लगाया गया है। यह बम 144 से 180 किलोमीटर की रेंज तक हमला कर सकता है। इसकी मदद से लड़ाकू विमान दुश्मन

के एयर डिफेंस सिस्टम की सीमा में गए बिना दूर के लक्ष्यों को निशाना बना सकते हैं। इसे मिग-29के और मिराज-2000 लड़ाकू विमानों में भी शामिल करने की योजना है। खगांतक-243 को नागपुर की स्टार्टअप कंपनी जेएसआर डायनेमिक्स ने भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के साथ मिलकर बनाया है। इंडियन एयरफोर्स ने इसका पहला टेस्ट पोखरण में सुखोई एसयू-30 एमकेआई से किया था। ग्लाइड बम में क्रूज मिसाइल की तरह अपना इंजन नहीं होता। यह हवा में बने लिफ्ट के सहारे लक्ष्य की ओर बढ़ता है। इसकी लागत कम होने के कारण इन्हें बड़ी संख्या में बनाया जा सकता है। खगांतक सीरीज में 306 और 225 जैसे भारी वेरिएंट भी शामिल हैं, जिनकी मारक क्षमता ज्यादा है। वहीं, डीआरडीओ ने 2025 में 1,000 किलो के गौरव लॉन्ग रेंज ग्लाइड बम का भी परीक्षण किया था। एयरफोर्स ने खगांतक-243 के लिए डीआरडीओ को सीमित संख्या में प्रोडक्शन का ऑर्डर भी दिया है।

भारत और बेल्जियम के संबंधों की जड़ें इतिहास में गहरी हैं

- भारत और बेल्जियम संबंधों पर खुलकर बोले प्रधानमंत्री मोदी
- रक्षा से लेकर खाद्य और क्लीन एनर्जी क्षेत्रों पर भी रखी बात

जोरावर टैंक से सबसे बड़े ग्रीन अमोनिया प्रोजेक्ट्स तक चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर के साथ संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में दोनों देशों के संबंधों के आधार का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारत और बेल्जियम के संबंधों की जड़ें इतिहास में गहरी है। ये जड़ें हमारी साझा स्मृति का अहम हिस्सा हैं। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हैदराबाद हाउस में बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की बातचीत की। दोनों की मौजूदगी में भारत और बेल्जियम के बीच एमओयू का आदान-प्रदान हुआ, जो रक्षा से लेकर खाद्य, क्लीन एनर्जी जैसे क्षेत्रों में किया गया। पीएम मोदी ने इस दौरान जोरावर टैंक से लेकर आंध्र प्रदेश के काकीनाडा में दुनिया के सबसे बड़े ग्रीन अमोनिया प्रोजेक्ट्स का भी जिक्र किया। एक दशक पहले की गई बेल्जियम यात्रा का उल्लेख करते हुए पीएम मोदी ने आगे

कहा कि मुझे दस साल पहले बेल्जियम जाने का मौका मिला था और मुझे यह देखकर खुशी हो रही है कि पिछले दशक में हमारी साझेदारी ने कितनी शानदार तरक्की की है।

बेल्जियम पीएम का किया स्वागत

प्रधानमंत्री मोदी ने वेवर का स्वागत करते हुए कहा कि बेल्जियम पीएम की पहली भारत यात्रा पर उनका हार्दिक स्वागत करते हुए मुझे बहुत खुशी हो रही है। यह उनकी पहली भारत यात्रा जरूर है, लेकिन भारत से उनका परिचय पुराना है। वे लंबे समय तक एन्टवर्प के मेयर रहे हैं और उन्होंने एन्टवर्प के बड़े भारतीय समुदाय और भारत-बेल्जियम हीरे का व्यापार को हमेशा समर्थन दिया है। भारत और बेल्जियम के संबंधों की जड़ें इतिहास में गहरी है। पहले विश्व युद्ध में बेल्जियम में हजारों भारतीय सैनिकों का साहस और बलिदान हमारी साझा स्मृति का अहम हिस्सा है। आज लोकतांत्रिक मूल्य, बाजार अर्थव्यवस्था और लोगों के बीच आपसी गहरे संबंध हमें स्वाभाविक साझेदार बनाते हैं।

भारत-बेल्जियम के संबंधों की जड़ें गहरी

विभिन्न क्षेत्रों में इस साझेदारी को व्यापक करने की बात भी पीएम मोदी ने की। उन्होंने कहा कि आज विश्व एक बड़े उथल-पुथल के दौर से गुजर रहा है। दुनिया के कई हिस्सों में संघर्ष की स्थिति बनी हुई है। खाद्य, ईंधन या आपूर्ति श्रृंखला, हर क्षेत्र में अनिश्चितता का प्रभाव पड़ रहा है। इस चुनौतीपूर्ण माहौल में भी भारत की अर्थव्यवस्था ने अपनी गति बनाए रखी है। पिछले क्वार्टर में हमने 7.8 फीसदी की ग्रोथ दर्ज की है। आज भारत की विकास की कहानी दुनिया के लिए विश्वास और नए अवसरों का स्रोत बन रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एफटीए का जिक्र भी किया। पीएम मोदी कहा कि इस वर्ष की शुरुआत में हमने ऐतिहासिक भारत-यूरोपीय यूनियन फ्री ट्रेड एग्रीमेंट किया। विश्व की दो सबसे बड़ी लोकतांत्रिक शक्तियों के बीच यह अभूतपूर्व सहयोग वैश्विक स्थिरता और साझा समृद्धि को नई मजबूती देगा।

सिंधु जल संधि पर भारत का रुख सख्त, पाक की अंतर्राष्ट्रीय कोशिशें बेअसर

नई दिल्ली, एजेंसी।
भारत और पाकिस्तान के बीच सिंधु जल संधि को लेकर जारी विवाद अब अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी मुखर हो रहा है। इस संवेदनशील मुद्दे पर भारत ने अपना कड़ा रुख बरकरार रखा है। हाल ही में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के मंच पर इस विषय को उठाकर अंतरराष्ट्रीय समर्थन हासिल करने का प्रयास किया, हालांकि उनकी यह कोशिश कोई खास कामयाब नहीं हुई।

अपने संबोधन में पीएम शहबाज शरीफ ने पानी को क्षेत्र की जीवनरेखा बताया और इस बात पर जोर दिया कि पानी को राजनीतिक हथियार नहीं बनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पानी आने वाली पीढ़ियों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है और साझा जल संसाधनों को लेकर देशों के बीच सहयोग होना चाहिए। शरीफ ने अंतरराष्ट्रीय समझौतों का सम्मान करने की अपील करते हुए कहा कि समझौतों को उनकी भावना और शब्दों के मुताबिक लागू किया जाना चाहिए। पाकिस्तान की इस अपील को भारत के साथ चल रहे सिंधु जल संधि विवाद से सीधे तौर पर जोड़कर देखा जा रहा है। पाकिस्तान लगातार यह दावा करता रहा है कि 1960 की सिंधु जल संधि दोनों देशों के बीच पानी के बंटवारे का आधार है और इसे लागू किया जाना चाहिए। भारत ने यह कड़ा कदम अप्रैल 2025 में पहलगाम में हुए भीषण आतंकी हमले के बाद उठाया था, जिसमें 26 निर्दोष लोगों की जान चली गई थी। तब से भारत अपने इस रुख पर अडिग है कि आतंकवाद के खिलाफ ठोस कार्रवाई के बिना पाकिस्तान से किसी भी तरह की बातचीत संभव नहीं है और सिंधु का पानी रुका रहेगा। शहबाज शरीफ की बातों से स्पष्ट संकेत मिल रहा था कि भारत का दांव बिल्कुल सही पड़ा है और पाकिस्तान अपने किए की सजा भुगत रहा है। विवाद के एक अन्य पहलू में हेग स्थित कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन का फैसला भी शामिल है, जिसने सिंधु जल संधि को कानूनी रूप से लागू माना और संधि के तहत विवाद निपटान प्रक्रिया को आगे बढ़ाने की बात कही। पाकिस्तान ने इस फैसले का स्वागत करते हुए इसे अपनी जीत के तौर पर पेश किया है। हालांकि, भारत ने पूरी कार्यवाही को मानने से साफ इंकार किया है। भारत का कहना है कि यह ट्रिब्यूनल अवैध रूप से गठित किया गया है और उसे भारत पर कोई अधिकार क्षेत्र हासिल नहीं है। इस मामले में भारत का रुख साफ है कि उसके हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट और उनसे जुड़े फैसले किसी ऐसे ट्रिब्यूनल के आदेश से प्रभावित नहीं होंगे, जिसे वह खुद मान्यता ही नहीं देता।

सायोनी घोष की तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय से मुलाकात, राजनीतिक हलचल तेज

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई में सायोनी घोष की सीएम विजय से मुलाकात से भाजपा–टीएमसी के कान खड़े हो गए हैं. चेन्नई में तृणमूल कांग्रेस की बागी सांसद सायोनी घोष ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय से मुलाकात की है । दोनों के बीच हुई इस मुलाकात के बाद पश्चिम बंगाल दिल्ली से लेकर तमिलनाडु तक राजनीतिक हलचलें तेज हो गई है। सायोनी घोष ने मुलाकात की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा करते हुए विजय के सुशासन, समावेशी विकास और तमिलनाडु के भविष्य को लेकर उनके विजन की तारीफ की है । उन्होंने विजय की पश्चिम बंगाल की संस्कृति और परंपराओं के प्रति रुचि का भी उल्लेख किया। सायोनी घोष के हालिया राजनीतिक रुख को देखते हुए इस मुलाकात को महज शिष्टाचार भेंट मानने को लेकर भी चर्चाएं शुरू हो गई हैं। भाजपा और टीएमसी दोनों ही इस घटनाक्रम पर नजर बनाए हुए हैं। हालांकि मुलाकात में किसी राजनीतिक गठजोड़ या भविष्य की रणनीति की आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है. बदले हुये राजनीतिक समीकरणों के बीच इस मुलाकात ने अटकलों को जरूर हवा दे दी है।

कीटनाशक बन रहा मौत का बड़ा कारण, हर साल 11000 से ज्यादा लोगों की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। कीटनाशकों के जहरीले प्रभाव को लेकर सामने आई नई वैश्विक रिपोर्ट ने चिंता बढ़ा दी है। अध्ययन के मुताबिक दुनिया में हर साल करीब 11 हजार लोगों की मौत अनजाने में कीटनाशकों के संपर्क या विषाक्तता होने से होती है। इनमें लगभग 60 प्रतिशत मौतें भारत में होने का अनुमान लगाया गया है। रिपोर्ट के अनुसार दुनियाभर में हर साल करीब 40.2 से 43.3 करोड़ किसान और कृषि श्रमिक कीटनाशक विषाक्तता से प्रभावित होते हैं। दक्षिण एशिया इस संकट से सबसे ज्यादा प्रभावित क्षेत्रों में है। विशेषज्ञों ने अत्यधिक जहरीले कीटनाशकों के इस्तेमाल पर नियंत्रण, किसानों को सुरक्षा प्रशिक्षण और सुरक्षित कृषि विकल्प उपलब्ध कराने की जरूरत बताई है। हालांकि, 60 प्रतिशत का आंकड़ा कुल भारतीय मौतों का नहीं, बल्कि अनुमानित वैश्विक कीटनाशक–विषाक्तता मौतों में भारत की हिस्सेदारी का है।

दो शिक्षकों ने 12 छात्राओं के साथ किया दुष्कर्म, अश्लील वीडियो भी बनाया

बक्सर (एजेंसी)। बिहार के बक्सर जिले से एक बेहद शर्मनाक मामला सामने आया है। डुमरांव प्रखंड के एक मध्य विद्यालय में दो शिक्षकों पर करीब 12 नाबालिग छात्राओं के साथ दुष्कर्म करने का आरोप है। आरोपी शिक्षकों ने छात्राओं को हवस का शिकार बनाने के साथ–साथ उनका अश्लील वीडियो भी बनाया। यह शर्मनाक हरकत पिछले कई दिनों से चल रही थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक तीन दिन पहले जब यह अश्लील वीडियो इंटरनेट और सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो परिजनों और ग्रामीणों को घटना की जानकारी लगी। वीडियो सामने आते ही ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंच गए। मामले का संज्ञान लेते हुए जिला शिक्षा विभाग ने त्वरित कार्रवाई की। विभाग ने दोनों आरोपी शिक्षकों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक बुधवार की देर रात तक बड़ी संख्या में ग्रामीण थाने के बाहर जमा हो गए और आरोपी शिक्षकों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी की मांग कर रहे थे। थाना प्रभारी ने बताया कि परिजनों और ग्रामीणों से लिखित आवेदन ले लिया गया है। पुलिस ने मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली है। प्रभारी डीएसपी ने बताया कि मामले की गहनता से जांच की जा रही है। आरोपियों को पकड़ने के लिए पुलिस टीम अलग–अलग जगहों पर छापे मार रही है। बक्सर के एसपी ने घटना को बेहद गंभीर बताया है। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर उनके खिलाफ कड़ी से कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

टीएमसी दफ्तर में तोड़फोड़ का आरोप- अभिषेक ने बीजेपी को घेरा, पुलिस पर उठाए सवाल

कोलकाता(एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद अभिषेक बनर्जी ने कोलकाता के कैमक स्ट्रीट स्थित अपनी पार्टी कार्यालय में बीजेपी कार्यकर्ताओं पर तोड़फोड़ का आरोप लगाया है। उन्होंने सीसीटीवी फुटेज जारी कर बताया कि हमलावर गुरुवार सुबह करीब 4-30 बजे दफ्तर में घुसे। टीएमसी नेता अभिषेक बनर्जी ने दावा किया कि हथियारों से लैस इन हमलावरों ने कार्यालय के कर्मचारियों से मारपीट की, उनके फोन छीन लिए, फर्नीचर तोड़ दिया, दफ्तर में पूरा सामान बिखेर दिया और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को भारी नुकसान पहुँचाया। उन्होंने आरोप लगाया कि एयर प्यूरिफायर, प्रिंटर और टीवी जैसे कई इलेक्ट्रॉनिक उपकरण चोरी किए गए।
टीएमसी अभिषेक बनर्जी के मुताबिक, टीएमसी कर्मचारियों और वकीलों ने घटना की सूचना पुलिस को दी, लेकिन दो घंटे तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। यह वहीं टीएमसी कार्यालय है जो कुछ दिन पहले भी विवादों में था। 31 अगस्त को कोलकाता नगर निगम ने पुलिस की मौजूदगी में इस इमारत से टीएमसी का साइनबोर्ड हटाया था। उस दौरान अधिकारियों से झड़प के आरोप में अभिषेक सहित 3 टीएमसी नेताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर 13 लोगों को गिरफ्तार किया था।

सीएम मान का दावा : कृषि कानूनों की वापसी पर भाजपा–शिअद गठबंधन!

संगरूर (एजेंसी)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने बड़ा दावा कर कहा कि भाजपा शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के साथ गठबंधन की तैयारी में है। वहीं इस समझौते की शर्त तीनों ''काले'' कृषि कानूनों को वापस लाना है। सीएम मान ने आरोप लगाया कि यह प्रस्तावित अकाली–भाजपा गठबंधन केवल ''राजनीतिक फायदे'' के लिए किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शिअद सत्ता हासिल करने के लिए ''पंजाब में कुछ भी बेचने'' को तैयार है और सीएम मान ने दावा किया कि पंजाबी कभी भाजपा को वोट नहीं देने वाले हैं। जो वोट हासिल करने के लिए सांप्रदायिक विभाजन का इस्तेमाल करती है।
मुख्यमंत्री मान ने दोनों दलों के बीच कथित ''गठजोड़'' का प्रमाण पंजाब विश्वविद्यालय के छात्र संघ चुनाव में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) की जीत को बताया। उन्होंने कहा कि चुनाव में अकाली दल के छात्र संगठन 'स्टूडेंट्स ऑर्गनाइजेशन ऑफ इंडिया' (एसओआई) ने एबीवीपी का समर्थन किया था, जिससे उनके बीच की मिलीभगत उजागर हुई।
संगरूर में जनसभा को संबोधित कर सीएम मान ने लोगों को आगाह किया कि अकाली दल हमेशा पंजाब के हितों के खिलाफ काम करने वाली ताकतों से हाथ मिलाकर ''पंजाब विरोधी'' रुख अपनाती रही है। उन्होंने चेताया कि अगर यह अकाली–भाजपा गठबंधन सत्ता में आता है, तब वह किसानों पर एक बार फिर ''कठोर'' कृषि कानून थोप सकता है।

पंजाब वोटर लिस्ट से राघव चड्ढा का नाम कटा, आप को ठहराया जिम्मेदार

नई दिल्ली, एजेंसी।
मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा का नाम पंजाब की वोटर लिस्ट से हटा दिया गया है। पंजाब में ड्राफ्ट लिस्ट जारी होने के बाद से इस मामले पर राजनीतिक बवाल खड़ा हो गया है। चड्ढा ने सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) पर बदले की कार्रवाई के गंभीर आरोप लगाए हैं। वहीं, आप ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा है कि इस प्रक्रिया में राज्य सरकार की कोई भूमिका नहीं है, क्योंकि एसआईआर का संचालन चुनाव आयोग द्वारा किया जा रहा है। चुनाव आयोग द्वारा 13 अगस्त को जारी की गई ड्राफ्ट लिस्ट में चड्ढा का नाम एएसडीडी (अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत और डुप्लिकेट) श्रेणी में दर्शाया गया था। उनके स्टेटस के आगे स्थायी रूप से स्थानांतरित लिखा हुआ था, जिसका अर्थ है कि वे किसी अन्य जगह पर चले गए हैं। हालांकि, ड्राफ्ट से हटाए गए नामों को दोबारा सूची में शामिल करने का प्रावधान है, और 13 अगस्त से 12 सितंबर तक यह प्रक्रिया जारी है। एसआईआर के बाद पंजाब की अंतिम मतदाता सूची 12 अक्टूबर को जारी होने की उम्मीद है। उल्लेखनीय है कि पूरे देश में एसआईआर के माध्यम से 13 करोड़ से अधिक नाम मतदाता सूचियों से हटाए गए हैं। राघव चड्ढा ने इस घटना पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसे आप सरकार द्वारा बदले की राजनीति का एक नया स्तर बताया है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब वे पंजाब से राज्यसभा के मौजूदा सांसद हैं और उनका वोटर आईडी मोहाली में पंजीकृत है, तब भी उनका नाम स्थानांतरित (शिफ्टेड) दिखाया गया है। चड्ढा के अनुसार, यह कोई लिपिकीय त्रुटि नहीं है, बल्कि एक सुनियोजित राजनीतिक प्रतिशोध का मामला है। उन्होंने सवाल उठाया कि उन्हें शिफ्टेड किसने बताया और इसका सत्यापन किसने किया? उनके मुताबिक, इस पूरी प्रक्रिया में शामिल सभी प्रशासनिक स्तरों पर, बूथ स्तर अधिकारी (बीएलओ) से लेकर पंजाब के मुख्य निर्वाचन अधिकारी तक, पंजाब सरकार के अधिकारी ही तैनात हैं। चड्ढा ने कहा कि ये अधिकारी अच्छी तरह जानते हैं कि चुनाव ड्यूटी के बाद आप सरकार उनके स्थानांतरण, पोस्टिंग और करियर को नियंत्रित करती है, और कौन उनका जीवन मुश्किल बना सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि आप सरकार राजनीतिक बदला लेने के लिए राज्य के अधिकारियों पर दबाव डालती है।

कांग्रेस ने खाद्य सुरक्षा और गरीबों की स्थिति सुधारने में निर्णायक भूमिका निभाई

-खड़गे ने केंद्र पर साधा निशान कहा- इस सरकार क्या का योगदान है

नई दिल्ली, एजेंसी।
कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पीएम मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि लोगों का जीवन बेहतर बनाने में इस सरकार का योगदान क्या है, जबकि कांग्रेस की सरकारों ने खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने और गरीबों की स्थिति सुधारने के लिए निर्णायक भूमिका निभाई। खड़गे ने 'डॉ वाईएस राजशेखर रेड्डी पुरस्कार-2026 समारोह को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की। यह पुरस्कार कृषि वैज्ञानिक एमएस स्वामीनाथन के नाम पर स्थापित संस्था 'एमएस स्वामीनाथन रिसर्च फाउंडेशन' को दिया गया।
मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने कहा कि इंदिरा गांधी ने हरित क्रांति के जरिए भूख के खिलाफ लड़ाई लड़ी, जबकि सोनिया गांधी के प्रयासों से देश में खाद्य सुरक्षा का अधिकार सुनिश्चित करने के लिए कानून आया। उन्होंने कहा कि 1960-61 से 1980-81 के बीच चावल का उत्पादन 3.46 करोड़ टन से बढ़कर 5.36 करोड़ टन और गेहूं का उत्पादन 1.1 करोड़ टन से बढ़कर 3.63 करोड़ टन हो गया। खड़गे का कहना था कि हरित क्रांति ने भारत को ÷अनाज के कटोरे÷ में बदलने में अहम भूमिका निभाई।
उन्होंने कहा कि यह हमारी सरकार की उपलब्धि है, लेकिन मौजूदा सरकार की उपलब्धि क्या है, मोदीजी की उपलब्धि क्या है?÷ खड़गे ने कहा कि जब भारत खाद्यान्न की कमी और अकाल से जूझ रहा था, तब इंदिरा गांधी के नेतृत्व में हरित क्रांति को सरकार की प्राथमिकता बनाया गया। उन्होंने कहा कि कृषि वैज्ञानिक एमएस स्वामीनाथन का योगदान इस बदलाव में अहम था। उन्होंने स्वामीनाथन के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि केवल तकनीक पर्याप्त नहीं थी, बल्कि किसानों तक सिंचाई, बिजली, बेहतर बीज, उर्वरक, ऋण और प्रभावी कृषि विस्तार सेवाएं पहुंचाना भी जरूरी था।
खड़गे ने आंध्र प्रदेश के पूर्व सीएम वाईएस राजशेखर रेड्डी के योगदान को भी याद किया और कहा कि राजशेखर रेड्डी ने आंध्र प्रदेश में ÷ईंट-ईंट जोड़कर÷ कांग्रेस को खड़ा किया और पार्टी के मुश्किल दौर में उसे मजबूत किया। उन्होंने कहा कि 2004 में सीएमए बनने से पहले राजशेखर रेड्डी ने भीषण गर्मी में 1,400 किलोमीटर से ज्यादा की पदयात्रा की और लोगों से सीधे संवाद किया। उनका मानना था कि सरकार का उद्देश्य आम लोगों को ÷गरिमा, सुरक्षा और अवसर÷ देना है। उन्होंने कहा कि राजशेखर रेड्डी और स्वामीनाथन की सोच में समानता थी कि विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए और किसी किसान या गरीब परिवार को पीछे नहीं छोड़ा जाना चाहिए।
बता दें कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राजशेखर रेड्डी 2004 से 2009 तक आंध्र प्रदेश के सीएम रहे। 2009 में हेलीकॉप्टर दुर्घटना में उनका निधन हो गया। उनके निधन के बाद उनके पुत्र वाईएस जगनमोहन रेड्डी ने कांग्रेस छोड़कर वाईएसआर कांग्रेस पार्टी बनाई और बाद में आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री बने। उनकी पुत्री वाईएस शर्मिला वर्तमान में आंध्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष हैं। इस कार्यक्रम में तेलंगाना के सीएम ए रेवंत रेड्डी, कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश और पार्टी के कई वरिष्ठ नेता मौजूद थे।

मानसून का कहर : बिहार में गंगा उफान पर, यूपी में घर बहे, हिमाचल में सड़कें बंद

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में हो रही मूसलाधार बारिश ने जनजीवन बुरी तरह प्रभावित किया है। बिहार, उत्तर प्रदेश और हिमाचल प्रदेश में बाढ़, भूस्खलन और मकान ढहने की घटनाओं से भारी तबाही मची है। जहां बिहार में गंगा नदी खतरे के निशान से करीब 2 फीट ऊपर बह रही है, जिससे राज्य के 13 जिले बाढ़ की चपेट में हैं और आठ नदियों का जलस्तर भी बढ़ गया है। बीते दो दिनों से हो रही रुक–रुककर बारिश ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है। वहीं उत्तर प्रदेश में भी नदियां उफान पर हैं। काशी में वरुणा नदी के किनारे बसे 407 परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है, जबकि कुल 2,910 लोग विस्थापित हुए हैं। जिला प्रशासन ने राहत और बचाव कार्य के लिए 36 नावें लगाई हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वाराणसी के डीएम और मेयर से बाढ़ की स्थिति पर विस्तृत चर्चा की है। फतेहपुर जिले में बीते 15 दिनों की लगातार बारिश ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। जिले में अब तक 67 मकान ढह गए हैं और बारिश संबंधी घटनाओं में तीन लोगों की जान गई है। सर्वाधिक नुकसान खागा तहसील में हुआ है, जहां 50 मकान तबाह हुए हैं। शहरी इलाकों में भी भीषण जलभराव है, जहां पंप लगाकर पानी निकालने का काम जारी है ताकि आवाजाही सामान्य हो सके। प्रभावित परिवारों को मुआवजा देने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है और अब तक 11 परिवारों को सहायता राशि मिल चुकी है। वहीं पहाड़ी राज्य हिमाचल प्रदेश में भी बुधवार रात हुई तेज बारिश के बाद भूस्खलन से 175 से अधिक सड़कें बंद हो गई हैं। कालका–शिमला फोरलेन पर भारी मलबा गिरने से कई वाहन रातभर फंसे रहे, जिससे यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

हरिद्वार में अत्याधुनिक आधार सेवा केंद्र शुरू, अब अपडेट के लिए देहरादून जाने की जरूरत नहीं

हरिद्वार (शिखर समाचार)। हरिद्वार जिले के नागरिकों को आधार संबंधी सेवाओं के लिए अब देहरादून जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण की ओर से हरिद्वार में अत्याधुनिक आधार सेवा केंद्र शुरू किया गया है। कैबिनेट मंत्री एवं हरिद्वार विधायक मदन कौशिक ने गुरुवार को फीता काटकर केंद्र का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने स्वयं अपना आधार अपडेट कराया और नागरिकों से आधार से जुड़ी सेवाओं का लाभ उठाने की अपील की। मदन कौशिक ने कहा कि हरिद्वार में आधार सेवा केंद्र की शुरूआत डिजिटल उत्तराखंड और सुशासन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इससे हरिद्वार, रुड़की, लक्सर, भगवानपुर और आसपास के क्षेत्रों के लाखों नागरिकों को समय और धन की बचत होगी। उन्होंने विशेष रूप से 5 से 17 वर्ष की आयु के बच्चों का अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट समय पर कराने की अपील की। उन्होंने बताया कि भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण की ओर से 30 सितंबर 2026 तक यह सुविधा निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही है। यह अपडेट स्कूल प्रवेश, छात्रवृत्ति, प्रतियोगी परीक्षाओं और विभिन्न सरकारी सेवाओं के लिए उपयोगी है। केंद्र पर आधार नामांकन, मोबाइल नंबर, फोटो और पता परिवर्तन, जनसांख्यिकीय एवं बायोमेट्रिक अपडेट, त्रुटि सुधार तथा शिकायत निवारण सहित प्रमुख सेवाएं उपलब्ध रहेंगी। निदेशक कुमार उज्ज्वल ने बताया कि केंद्र सीधे भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण द्वारा संचालित होगा। इसे दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए बनाया गया है। यहां व्हीलचेयर की सुविधा, सुगम शौचालय और शिकायत निवारण की समर्पित व्यवस्था है। केंद्र आठ आधुनिक संचालन किटों से सुसज्जित है और सार्वजनिक अवकाश को छोड़कर सप्ताह के सभी दिन संचालित होगा। नागरिक ऑनलाइन समय लेने के बाद भी सेवाओं का लाभ उठा सकेंगे। इस अवसर पर सुशील त्यागी, सत्येंद्र चौधरी, अविनाश अग्रवाल, नीतीश सैनी, गौरव राणा, सागर सिंह चौहान, सुभाष शर्मा, नागेंद्र सिंह, सत्यपाल चौहान सहित अधिकारी, कर्मचारी और सेवा प्रदाता कंपनी के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

मनोज जरांगे का अनशन जारी- स्वास्थ्य के लिए पानी और सलाइन पर सहमति

मुंबई, एजेंसी।
महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने महायुति सरकार की ओर से मिलने पहुंचे भाजपा विधायक प्रसाद लाड के आग्रह के बाद पानी पीने और सलाइन चढ़वाने पर सहमति जाहिर की है। हालांकि, जरांगे ने स्पष्ट किया कि उनकी सभी मांगें पूरी होने तक उनका अनिश्चितकालीन अनशन जारी रहेगा। मराठा आरक्षण के मुद्दे को लेकर उनकी भूख हड़ताल को 6 दिन हो गए है। जालना जिले के अंतरवाली सराटी में 29 अगस्त को शुरू हुआ जरांगे का अनशन मराठाओं के लिए आरक्षण और गजट रिकॉर्ड के आधार पर तुरंत कुनबी प्रमाणपत्र जारी करने सहित कई महत्वपूर्ण मांगों पर केंद्रित है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि मांगें पूरी नहीं हुईं, तब आंदोलन को और तेज किया जाएगा और मुंबई तक ले जाया जाएगा। जरांगे ने कहा, मैं पानी पी रहा हूं और सलाइन चढ़वा रहा हूं, लेकिन जब तक हमारी मांगें पूरी नहीं होतीं, मैं अनशन वापस नहीं लूंगा। उन्होंने दावा किया कि मराठाओं और कुनबियों के बीच वंशावली संबंध स्थापित करने वाले 58 लाख रिकॉर्ड मिले हैं, जिस संख्या को सरकार कम करने की कोशिश कर रही है। चिकित्सकों ने जरांगे के बिगड़ते स्वास्थ्य पर चिंता जाहिर की है, जहां उनके रक्त शर्करा का स्तर गिरा है। जालना की जिलाधिकारी आशिमा मित्तल ने जंरागे से मुलाकात कर अनशन समाप्त करने की अपील की थी, लेकिन जरांगे ने सरकारी पक्ष को सुनने से इंकार कर कहा कि इस मुद्दे से जुड़े फैसले राज्य स्तर पर लिए जाने हैं। उन्होंने भाजपा नीत राज्य सरकार की आलोचना कर दावा किया कि मराठा आरक्षण का मुद्दा मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के बीच श्रेय लेने की राजनीतिक खींचतान में फंस गया है। इस बीच, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री ने पूर्व में बयान दिए हैं। सीएम फडणवीस ने कहा था कि सरकार संवैधानिक रूप से वैध और कानूनी तौर पर व्यावहारिक मांगों पर चर्चा के लिए तैयार है, जबकि शिंदे ने मराठा समुदाय को किसी अन्य वर्ग के साथ अन्याय किए बिना न्याय दिलाने की बात कही थी। जरांगे ने बीते साल भी 29 अगस्त को ऐसा ही विरोध प्रदर्शन किया था, जो कि दो सितंबर को कुछ मांगें माने जाने के बाद वापस ले लिया गया था, लेकिन अब यह मुद्दा एक बार फिर गरमा गया है।

महालेखाकार ने किया हरिद्वार कोषागार का निरीक्षण, वित्तीय पारदर्शिता और जवाबदेही पर जोर

हरिद्वार (शिखर समाचार)। वित्तीय प्रबंधन को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और जवाबदेह बनाने के उद्देश्य से महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी), उत्तराखंड मोहम्मद परवेज आलम ने हरिद्वार कोषागार का निरीक्षण किया। इस दौरान जिला कार्यालय सभागार में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जनपद पहुंचने पर जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने पुष्पगुच्छ भेंटकर महालेखाकार का स्वागत किया। बैठक में अधिकारियों ने जिले के वित्तीय मामलों और कोषागार से संबंधित व्यवस्थाओं की जानकारी दी।
महालेखाकार ने मुख्य कोषाधिकारी को निर्देश दिए कि शासन से उपलब्ध बजट का उपयोग केवल स्वीकृत मद और निर्धारित लेखा शीर्षक के अनुरूप जनकल्याणकारी योजनाओं में किया जाए। उन्होंने कहा कि योजनाओं से संबंधित प्रत्येक भुगतान वित्तीय नियमों और निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार पूरी पारदर्शिता के साथ किया जाना चाहिए। किसी विभाग को योजनाओं के संचालन अथवा वित्तीय भुगतान के लिए बैंक खाता खोलने की आवश्यकता हो तो

वित्त विभाग के दिशा-निदेशों के अनुसार बचत खाता खोला जाए और सभी लेन-देन नियमानुसार किए जाएं।
उन्होंने कहा कि समीक्षा का उद्देश्य सरकारी वित्तीय प्रक्रियाओं में पारदर्शिता बढ़ाने के साथ लेखा मिलान की प्रक्रिया को मजबूत करना और लेखांकन कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करना है। जिलाधिकारी ने आश्वस्त किया कि महालेखाकार के निदेशों और सुझावों का संबंधित अधिकारियों द्वारा पूरी तरह अनुपालन सुनिश्चित किया जाएगा।
वरिष्ठ कोषाधिकारी अजय कुमार ने कोषागार से संबंधित वित्तीय मामलों की जानकारी प्रस्तुत की। महालेखाकार कार्यालय की निरीक्षण टीम ने अप्रैल 2025 से मार्च 2026 तक कोषागार हरिद्वार के अभिलेखों का निरीक्षण भी किया। इस दौरान नगर आयुक्त नंदन कुमार, मुख्य विकास अधिकारी डॉ. ललित नारायण मिश्र, निरीक्षण अधिकारी अविनाश रंजन, वरिष्ठ लेखाकार बृजेश कुमार, सहायक लेखा अधिकारी डॉ. दिनेश शर्मा, लेखाकार नितेश चौहान सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

नंदकिशोर कलाल के नेतृत्व में जीडीए ने गाड़े सफलता के झंडे, विकास शुल्क से राजस्व में 80 फीसदी उछाल

अप्रैल से अगस्त तक 71.11 करोड़ रुपये की प्राप्ति, जुलाई और अगस्त में राजस्व संग्रहण में असाधारण वृद्धि

आरव शर्मा

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष नंदकिशोर कलाल के नेतृत्व में प्राधिकरण ने राजस्व संग्रहण के क्षेत्र में एक बार फिर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। विकास शुल्क मद से चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 में अप्रैल से अगस्त तक 7,111.24 लाख रुपये यानी करीब 71.11 करोड़ रुपये की राजस्व प्राप्ति हुई है। पिछले वित्तीय वर्ष की समान अवधि में यह आंकड़ा 3,950.33 लाख रुपये यानी करीब 39.50 करोड़ रुपये था। इस तरह एक वर्ष में राजस्व प्राप्ति में 3,160.91 लाख रुपये यानी करीब 31.61 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई है, जो लगभग 80.02 प्रतिशत है। राजस्व में हुई यह बेतहाशा वृद्धि प्राधिकरण की प्रभावी कार्यप्रणाली और राजस्व संग्रहण को लेकर अपनाई जा रही नीतियों की सफलता का संकेत मानी जा रही है। नंदकिशोर कलाल के नेतृत्व में राजस्व की नियमित समीक्षा, लंबित देयों की प्रभावी वसूली और विकास शुल्क से जुड़ी प्रक्रियाओं की निगरानी पर विशेष जोर दिया जा रहा है। इसके परिणामस्वरूप प्राधिकरण की वित्तीय स्थिति लगातार मजबूत होती दिखाई दे रही है। प्राधिकरण के आंकड़ों के मुताबिक मई में विकास शुल्क से राजस्व प्राप्ति में करीब

169 प्रतिशत, जून में 109 प्रतिशत, जुलाई में 510 प्रतिशत और अगस्त में लगभग 499 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। विशेष रूप से जुलाई और अगस्त में हुई असाधारण वृद्धि ने राजस्व संग्रहण को नई ऊंचाई

प्रदान की है। आंकड़े इस बात की ओर भी संकेत करते हैं कि गाजियाबाद में आवासीय निर्माण, अवस्थापना विकास और निवेश से जुड़ी गतिविधियों में तेजी आई है। नंदकिशोर कलाल के नेतृत्व में राजस्व बढ़ाने के साथ-साथ प्राधिकरण के सामने इस अतिरिक्त आय को शहर के विकास में प्रभावी ढंग से लगाने की जिम्मेदारी भी बढ़ी है। मजबूत वित्तीय स्थिति से सड़क, यातायात व्यवस्था, जल निकासी, पथ प्रकाश, हरित क्षेत्रों, आवासीय योजनाओं और अन्य नागरिक सुविधाओं से जुड़े विकास कार्यों को गति मिलने की उम्मीद है। गाजियाबाद में तेजी से बढ़ते शहरीकरण के बीच प्राधिकरण की वित्तीय क्षमता का मजबूत होना महत्वपूर्ण माना जा रहा है। विकास शुल्क से राजस्व में 80.02 प्रतिशत की वृद्धि को नंदकिशोर कलाल की कार्यशैली और राजस्व केंद्रित नीतियों की प्रभावशीलता के रूप में देखा जा रहा है। अब इस बढ़े हुए राजस्व का अधिकतम लाभ नागरिकों को बेहतर सुविधाओं और सुनियोजित विकास के रूप में मिलना शहर के लिए बड़ी उपलब्धि होगी।

विकास के दावों की खुली पोल, कीचड़ और जलभराव के बीच निकली शव यात्रा

बिजनौर (शिखर समाचार)। मंडावली क्षेत्र के मुस्सेपुर गांव में विकास कार्यों के दावों को आईना दिखाती एक शर्मनाक तस्वीर सामने आई है। गांव के एक चौकीदार की बीमारी के चलते मौत होने के बाद परिजनों और ग्रामीणों को उसकी अंतिम यात्रा गंगा घाट तक ले जाने के लिए घुटनों तक भरे कीचड़ और गंदे पानी के बीच से गुजरना पड़ा। बदहाल रास्ते और जलभराव के कारण अंतिम यात्रा में शामिल लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। इस दौरान ग्रामीणों ने घटना का वीडियो बनाकर सामाजिक माध्यमों पर प्रसारित कर दिया, जिसके बाद यह मामला चर्चा में आ गया। ग्रामीणों का कहना है कि मुस्सेपुर गांव में रास्ते की हालत लंबे समय से खराब है। बरसात के दिनों में जलभराव के कारण समस्या और गंभीर हो जाती है। ग्रामीणों के मुताबिक कई बार शिकायत किए जाने के बावजूद रास्ते की स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ। उनका कहना है कि सड़क और जलनिकासी जैसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। ऐसे में किसी मृतक की अंतिम यात्रा तक को कीचड़ और गंदे पानी के बीच से निकालना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। वायरल वीडियो में ग्रामीणों को शव लेकर जलभराव वाले रास्ते से गुजरते देखा जा सकता है। वीडियो सामने आने के बाद ग्रामीणों में रोष है। उन्होंने प्रशासन से गांव के रास्ते की तत्काल मरम्मत कराने, जलनिकासी की उचित व्यवस्था करने और समस्या का स्थायी समाधान कराने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि विकास का वास्तविक आकलन कागजी दावों से नहीं, बल्कि गांवों में उपलब्ध बुनियादी सुविधाओं से होना चाहिए।

डॉ. सत्य प्रकाश मुद्गल की तीसरी पुण्यतिथि पर देशभर से पहुंचे लोग, श्रद्धांजलि अर्पित कर आदर्शों पर चलने का लिया संकल्प

खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। पत्रकारिता, चिकित्सा और समाजसेवा के क्षेत्र में विशिष्ट पहचान बनाने वाले स्वर्गीय डॉ. सत्य प्रकाश मुद्गल की तीसरी पुण्यतिथि पर गुरुवार को श्रद्धांजलि एवं स्मृति समारोह आयोजित किया गया। जानसठ रोड स्थित एक बेंकट हॉल में हुए कार्यक्रम में देश के विभिन्न राज्यों से अधिवक्ता, पत्रकार, सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि और गणमान्य लोग पहुंचे। सभी ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

समारोह में वक्ताओं ने डॉ. सत्य प्रकाश मुद्गल के व्यक्तित्व, सहज व्यवहार, मिलनसार स्वभाव और समाज के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को याद किया। वक्ताओं ने उनके पत्रकारिता जीवन से जुड़े अनुभव और संस्मरण साझा किए। उनके जीवन से जुड़े प्रसंग सुनाते समय कई बार वातावरण भावुक हो गया। वक्ताओं ने कहा कि चिकित्सा सेवा के साथ पत्रकारिता और समाजसेवा

में सक्रिय रहकर उन्होंने जरूरतमंदों की सहायता तथा सामाजिक सरोकारों से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। खतौली क्षेत्र के अंतवाड़ा गांव निवासी डॉ. सत्य प्रकाश मुद्गल किसान परिवार से जुड़े थे। सेवा के संकल्प के साथ चिकित्सा क्षेत्र में आए और खतौली को ही अपना कार्यक्षेत्र बनाया। चिकित्सक के साथ पत्रकार के रूप में भी उन्होंने अलग पहचान बनाई। उन्होंने मुद्गल चेतना परिवार की स्थापना की, जो उनके विचारों और सामाजिक सरोकारों को आगे बढ़ा रहा है।

कार्यक्रम में डॉ. सत्य प्रकाश मुद्गल ज्ञान प्रतियोगिता के विजेता छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता में श्री राम पब्लिक स्कूल सहित विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने भाग लिया था। प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के सम्मान से अभिभावकों और शिक्षकों में भी उत्साह दिखाई दिया। कार्यक्रम का संचालन उनके छोटे पुत्र डॉ. अनुज मुद्गल ने किया। उन्होंने अतिथियों का स्वागत करते हुए डॉ. मुद्गल के जीवन और कार्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि उनकी स्मृतियों को जीवंत रखने तथा उनके सामाजिक एवं शैक्षिक विचारों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए ऐसे आयोजन आगे भी जारी रहेंगे। अंत में सुधीर मुद्गल, डॉ. वैभव मुद्गल, उत्कर्ष मुद्गल और यथार्थ मुद्गल सहित परिवार के सदस्यों ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

मुरादनगर क्षेत्र में जीडीए ने अवैध कालोनियों पर चलाया बुलडोजर

आरव शर्मा

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने अवैध निर्माण और अवैध कालोनियों के खिलाफ अभियान चलाते हुए मुरादनगर क्षेत्र में कई स्थानों पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की। प्राधिकरण की टीम ने बिना स्वीकृति कराई जा रही अवैध प्लाटिंग को ध्वस्त करते हुए कालोनाइजरों को कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी। उपाध्यक्ष के निर्देश पर प्रवर्तन जोन-2 के प्रभारी के नेतृत्व में कार्रवाई की गई। अधिकारियों के अनुसार दुहाई निवासी अंकित त्यागी और महेश त्यागी द्वारा शाहपुर मार्ग पर एचआरआईटी के पीछे राइस मिल के पास खसरा संख्या 690 में करीब पांच बीघा क्षेत्रफल में अवैध प्लाटिंग की जा रही थी। इसके अलावा असालतनगर में मुकेश त्यागी, आदेश त्यागी और सचिन त्यागी द्वारा खसरा संख्या 86 में करीब सात हजार वर्ग मीटर, ग्राम

मोरटा में दिनेश त्यागी और प्रवीण त्यागी द्वारा खसरा संख्या 622 में करीब 10 हजार वर्ग मीटर तथा असालतनगर में शोभापुर बंबा रोड के उत्तर दिशा में माईकल प्रधान द्वारा करीब सात हजार वर्ग मीटर क्षेत्रफल में अवैध प्लाटिंग किए जाने की जानकारी मिली। स्थलों पर मिट्टी भराव, ईंटों की चिनाई, सड़क, प्लॉट और बाउंड्रीवॉल का निर्माण कराया जा रहा था। कार्रवाई के दौरान संबंधित लोग प्राधिकरण से निर्माण की स्वीकृति संबंधी कोई अभिलेख प्रस्तुत नहीं कर सके। इसके बाद जीडीए की टीम ने अवैध निर्माण को ध्वस्त कर दिया।

ध्वस्तीकरण के दौरान स्थानीय निर्माणकताओं और कालोनाइजरों ने विरोध किया, लेकिन प्राधिकरण पुलिस बल ने स्थिति नियंत्रित करते हुए कार्रवाई जारी रखी। अभियान में सहायक अभियंता, अवर अभियंता, प्रवर्तन जोन-2 का स्टाफ, प्राधिकरण पुलिस और प्रवर्तन दस्ता मौजूद रहा। जीडीए अधिकारियों ने बताया कि अवैध निर्माण के खिलाफ ध्वस्तीकरण और सीलिंग की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

पुलिस मुठभेड़ में दो गोकश गिरफ्तार, पैर में गोली लगने से एक घायल

बिजनौर (शिखर समाचार)। स्योहारा थाना क्षेत्र में गोवंश के अवशेष मिलने के मामले में पुलिस ने मुठभेड़ के बाद दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मुठभेड़ के दौरान पुलिस की जवाबी कार्रवाई में एक आरोपी पैर में गोली लगने से घायल हो गया, जिसे हिरासत में लेकर उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। वहीं, आरोपियों का एक साथी मौके से फरार हो गया। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से अवैध तमंचे, कारतूस और गोकशी में इस्तेमाल होने वाले औजार बरामद किए हैं। अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी एके श्रीवास्तव ने बताया कि एक सितंबर को स्योहारा क्षेत्र के शाहपुर खेड़ी गांव के जंगल में गांगन नदी किनारे गोवंश के अवशेष बरामद हुए थे। मामले में मुकदमा दर्ज कर पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि घटना में शामिल आरोपी जुझैला गांव के जंगल में मौजूद हैं। सूचना पर पुलिस टीम ने घेराबंदी शुरू की। इसी दौरान मोटरसाइकिल पर सवार तीन संदिग्ध दिखाई दिए। पुलिस ने उन्हें रुकने का इशारा किया तो आरोपियों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। पुलिस ने आत्मरक्षार्थ जवाबी कार्रवाई की, जिसमें फिरोज पुत्र साकिर निवासी शाहपुर खेड़ी पैर में गोली लगने से घायल हो गया। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया, जबकि घेराबंदी कर दूसरे आरोपी विपिन निवासी कमाला को भी पकड़ लिया गया। तीसरा आरोपी राजू मौके से फरार हो गया। पुलिस ने आरोपियों के पास से दो अवैध तमंचे, कारतूस, चापड़, छुरी और रस्सी सहित अन्य सामान बरामद किया है। पुलिस के अनुसार पूछताछ में आरोपियों ने शाहपुर खेड़ी के जंगल में हुई घटना में शामिल होना स्वीकार किया है। फरार आरोपी की तलाश में पुलिस संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है।

पुलिस बलों की वर्दी और सुरक्षात्मक उपकरणों पर संयुक्त शोध करेगा निटरा

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो और निटरा के बीच पुलिस बलों की वर्दी, सुरक्षात्मक कपड़ों तथा वस्त्र आधारित अन्य उपकरणों को बेहतर बनाने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। समझौते के तहत दोनों संस्थान संयुक्त रूप से अनुसंधान एवं विकास कार्य करेंगे, जिससे पुलिस कर्मियों के लिए अधिक सुरक्षित, टिकाऊ, आरामदायक और उपयोगी उत्पाद विकसित किए जा सकें।

समझौता ज्ञापन पर 2 सितंबर 2026 को पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो के दिल्ली मुख्यालय में हस्ताक्षर हुए। इस साझेदारी के तहत निटरा अपनी वस्त्र अनुसंधान एवं नवाचार विशेषज्ञता का उपयोग करते हुए पुलिस बलों द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली वर्दी, सुरक्षात्मक परिधान, उपकरण और सहायक सामग्री के विकास में सहयोग करेगा। इसका उद्देश्य ऐसे उन्नत समाधान तैयार करना है, जो विभिन्न

परिस्थितियों में पुलिस कर्मियों की सुरक्षा और कार्यक्षमता बढ़ाने में मददगार साबित हों। समझौते का एक प्रमुख उद्देश्य पुलिस बलों के लिए उपयोग होने वाले वस्त्र उत्पादों को अधिक टिकाऊ और कार्यक्षमता के अनुरूप बनाना है। इससे पुलिस कर्मियों को बेहतर सुरक्षा उपलब्ध कराने के साथ देश में संबंधित क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

इस अवसर पर निटरा के महानिदेशक डॉ. एमएस परमार और पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो के महानिरीक्षक गोपेश अग्रवाल ने समझौता पत्र का आदान-प्रदान किया। कार्यक्रम में निटरा की डॉ. नेहा कपिल तथा पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो के संजीव त्रिखा, उषा रंगनानी, केएल पुरी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे। दोनों संस्थानों के बीच हुई यह साझेदारी पुलिस कर्मियों के लिए तकनीकी रूप से उन्नत वस्त्र एवं सुरक्षात्मक समाधान विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

रामडोल जुलूस को लेकर प्रशासन अलर्ट, डीएम और एसपी ने भारी पुलिस बल के साथ किया फ्लैग मार्च

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रसिद्ध रामडोल जुलूस को शांतिपूर्ण और सुरक्षित ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। पांच सितंबर को प्रस्तावित जुलूस को लेकर गुरुवार को जिलाधिकारी जसजीत कौर और पुलिस अधीक्षक केके विश्नोई ने भारी पुलिस बल के साथ नगर के संवेदनशील क्षेत्रों और जुलूस मार्गों पर पैदल फ्लैग मार्च किया। अधिकारियों ने सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते हुए अधीनस्थ अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। फ्लैग मार्च चितौड़गढ़ पुलिस चौकी से शुरू होकर स्टेशन रोड, गांधी मूर्ति तिराहा, नगरपालिका रोड, बाजार लुहारी सराय, बाजार मंझलैटा, बड़ा मंदिर, बारादरी, जामा मस्जिद, सैयदवाड़ा और नगीना-बढ़ापुर मार्ग से होते हुए जुलूस के अंतिम स्थल ब्राह्मणी वाला तालाब तक पहुंचा। इस दौरान जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने जुलूस मार्ग पर सुरक्षा प्रबंधों का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों से संवेदनशील स्थानों पर तैनाती, यातायात व्यवस्था और निगरानी के संबंध में जानकारी ली। अधिकारियों ने निर्देश दिए कि जुलूस के दौरान पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहे और किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पुलिसकर्मी पूरी तरह सतर्क रहें। उन्होंने कहा कि शांति व्यवस्था बिगाड़ने या माहौल खराब करने का प्रयास करने वाले असामाजिक तत्वों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फ्लैग मार्च में पुलिस अधीक्षक ग्रामीण प्रकाश कुमार, क्षेत्राधिकारी राजेश सिंह, उपजिलाधिकारी प्रिंस कुमार, अधिशासी अधिकारी सतीश कुमार और थाना प्रभारी विकास सहित पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। रामडोल जुलूस आयोजन समिति के सलील अग्रवाल, राजकुमार बिश्नोई और मुकेश अग्रवाल भी उपस्थित रहे।

अधिवक्ताओं ने मनाया जन्माष्टमी मिलन समारोह, नवागंतुक अधिकारियों का किया स्वागत

बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। कस्बे के तहसील सभागार में गुरुवार को अधिवक्ताओं की ओर से जन्माष्टमी मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नवागंतुक प्रशासनिक अधिकारियों का स्वागत एवं सम्मान किया गया। सिविल जज कनिष्ठ प्रभाग अमित यादव समारोह में अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान अधिवक्ताओं ने भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव की शुभकामनाएं देते हुए आपसी भाईचारे और सद्भावना का संदेश दिया। बार अध्यक्ष सुरेशपाल वर्मा ने कहा कि जन्माष्टमी खुशियां बांटने और आपसी सद्भाव को मजबूत करने का पर्व है। उन्होंने सभी से मिल जुलकर त्योहार मनाने की अपील की। बार महासचिव सुभाष राठी ने भी

अधिवक्ताओं को जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दीं और बार के कार्यों में सभी के सहयोग की अपेक्षा जताई। समारोह में तहसील में नवागंतुक उपजिलाधिकारी सतेंद्र सिंह, तहसीलदार भूपेंद्र सिंह और नायब तहसीलदार स्नेह तिवारी का अधिवक्ताओं ने स्वागत करते हुए सम्मान किया। इस दौरान अधिवक्ता अवध बिहारी लाल ने अपनी रचनाएं प्रस्तुत कीं, जबकि अधिवक्ता प्रशांत शर्मा ने गीत सुनाकर कार्यक्रम में समां बांध दिया। कार्यक्रम के समापन पर अधिवक्ताओं ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर पूर्व बार अध्यक्ष विनय बालियान, श्यामवीर सिंह, शौ सिंह राणा, विकास त्यागी, फिरोज मंसूरी, त्रिलोक सैनी, अंकित शर्मा, मोहिद कुमार, अजय कुमार, रविकांत और शिवकुमार सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता मौजूद रहे।

लोनी में 10 हजार वर्ग मीटर में विकसित हो रही अवैध कालोनी पर जीडीए का बुलडोजर

आरव शर्मा

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने अवैध निर्माण और अनाधिकृत कालोनियों के खिलाफ अभियान तेज करते हुए लोनी क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई की। प्रवर्तन जोन-8 की टीम ने ग्राम सभापुर में करीब 10 हजार वर्ग मीटर क्षेत्रफल में विकसित की जा रही अवैध कालोनी को ध्वस्त कर दिया। कार्रवाई के दौरान कालोनी में बनाए गए 60 से 70 भूखंडों की बाउंड्रीवॉल, विद्युत पोल और सड़कों को बुलडोजर चलाकर ध्वस्त किया गया। इसके अलावा नवजीवन एन्क्लेव में भी अवैध निर्माण के खिलाफ ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई।

जीडीए के अनुसार यह कार्रवाई उत्तर प्रदेश नगर नियोजन एवं विकास अधिनियम, 1973 की संबंधित धाराओं के तहत की गई। प्रवर्तन जोन-8 के प्रभारी के नेतृत्व में टीम

ने ग्राम सभापुर में राजबीर द्वारा विकसित की जा रही अनाधिकृत कालोनी में कार्रवाई की। यहां बड़े क्षेत्रफल में बिना प्राधिकरण की स्वीकृति के भूखंड विकसित किए जा रहे थे। मौके पर सड़कों के निर्माण के साथ भूखंडों की बाउंड्रीवॉल और विद्युत पोल लगाए गए थे। इसी अभियान के तहत नवजीवन एन्क्लेव, लोनी में संतोष तिवारी द्वारा किए गए अवैध निर्माण को भी ध्वस्त किया गया। कार्रवाई के दौरान निर्माणकताओं और कालोनाइजरों ने विरोध किया, लेकिन प्राधिकरण पुलिस बल ने स्थिति नियंत्रित करते हुए ध्वस्तीकरण की कार्रवाई जारी रखी। जीडीए ने स्पष्ट किया कि बिना स्वीकृति किए जा रहे निर्माण और अवैध कालोनियों के खिलाफ कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। अभियान में प्रवर्तन जोन-8 का समस्त स्टाफ, प्राधिकरण पुलिस बल और प्रवर्तन दस्ता मौजूद रहा। अधिकारियों ने बताया कि आगामी दिनों में भी अवैध निमार्णों के खिलाफ ध्वस्तीकरण और सीलिंग की कार्रवाई की जाएगी।

आईआईए की वार्षिक सभा में हापुड़ का परचम, चार श्रेणियों में मिला सम्मान

हापुड़ (शिखर समाचार)। इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (आईआईए) की 35वीं वार्षिक आम सभा में हापुड़ चैप्टर ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए चार श्रेणियों में सम्मान हासिल कर जिले का नाम रोशन किया। नोएडा के एक होटल में एक सितंबर को आयोजित समारोह में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हापुड़ चैप्टर की टीम को सम्मानित किया। एक साथ चार श्रेणियों में पुरस्कार मिलने से हापुड़ के उद्यमियों में खुशी का माहौल है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष दिनेश गोयल की अध्यक्षता में आयोजित वार्षिक सभा में राष्ट्रीय कार्यकारिणी ने वर्षभर की गतिविधियों, आय-व्यय और बैलेंस शीट का विवरण प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अपने संबोधन में देश की अर्थव्यवस्था में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने उद्यमियों से

पर्यावरण संरक्षण और जल संरक्षण के प्रति जिम्मेदारी निभाने का आह्वान करते हुए जल संरक्षण का संकल्प भी दिलाया। समारोह में विभिन्न चैप्टरों द्वारा वर्षभर किए गए कार्यों और संगठनात्मक गतिविधियों के आधार पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों को सम्मानित किया गया। हापुड़ चैप्टर को सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाला चैप्टर चुना गया। इसके अलावा चैप्टर के चेयरमैन पवन शर्मा को सर्वश्रेष्ठ चेयरमैन का पुरस्कार मिला। चैप्टर को शत-प्रतिशत बैठक उपस्थिति तथा शत-प्रतिशत उद्योग बंधु बैठक उपस्थिति के लिए भी पुरस्कार प्रदान किया गया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से चार श्रेणियों में सम्मान प्राप्त करने पर हापुड़ चैप्टर की टीम ने खुशी जताई और इसे संगठन की एकजुटता तथा वर्षभर की सक्रिय कार्यप्रणाली का परिणाम बताया। समारोह में हापुड़ चैप्टर के सचिव लवलीन गुप्ता, कोषाध्यक्ष सौरभ अग्रवाल, विजय शंकर शर्मा, अशोक छारिया, शांतनु सिंघल सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य मौजूद रहे।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर राधा कृष्ण के रूप में सजे बच्चों ने मन मोहा

शामली (शिखर समाचार)। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, बुढ़ाना मार्ग में गुरुवार को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में नन्हे-मुन्ने बच्चे राधा-कृष्ण के मनमोहक स्वरूप में सजकर पहुंचे। रंग-बिरंगी वेशभूषा में सजे बच्चों ने अपनी मासूम अदाओं और सुंदर प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ कृष्ण भजनों के साथ हुआ। प्रथम और द्वितीय कक्षा की छात्राओं ने कृष्ण भजनों पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया। इसके बाद विद्यार्थियों ने भगवान श्रीकृष्ण के जन्म से लेकर कंस वध तक की कथा का प्रभावशाली नाट्य मंचन किया। बच्चों ने श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं और उनके

जीवन से जुड़ी प्रमुख घटनाओं को मंच पर जीवंत कर दिया। प्रस्तुतियों के दौरान विद्यालय परिसर भक्तिमय वातावरण से सराबोर रहा। प्रधानाचार्या पल्लवी ने बच्चों को जन्माष्टमी पर्व के धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जीवन सत्य, धर्म, कर्म और सदाचार के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। बच्चों को उनके आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करने का आह्वान किया। इस अवसर पर आचार्य शिव कुमार धीमान ने मधुर कृष्ण भजन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के समापन पर राधा-कृष्ण के वेश में सजे बच्चों ने सामूहिक नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में नीतू, आंचल बिंदल, चांदनी, प्रियंका, स्वाति जैन, सारिका शर्मा, मीनाक्षी शर्मा, निकिता सहित विद्यालय के आचार्य-आचार्याएं और अन्य सदस्य मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

आंखें बंद हुईं तो किसी और की दुनिया रोशन कर गईं

गोरखपुर , एजेंसी। किसी की जिंदगी खत्म होने के बाद भी उसकी आंखें किसी दूसरे की दुनिया रोशन कर सकती हैं। बीआरडी मेडिकल कॉलेज में ऐसे ही 60 लोगों के नेत्रदान से 61 मरीजों को नई उम्मीद मिली है। वर्ष 2018 से अब तक नेत्र रोग विभाग में 60 कॉर्निया दान किए गए जबकि 61 मरीजों का कॉर्निया प्रत्यारोपण किया गया। नेत्र रोग विभागाध्यक्ष डॉ. पंकज सोनी के अनुसार, नेत्रदान करने वाले लोगों के परिवारों के इस निर्णय से जरूरतमंद मरीजों के उपचार में मदद मिली। कॉर्निया की बीमारी या क्षति के कारण दृष्टि प्रभावित होने वाले मरीजों के लिए प्रत्यारोपण महत्वपूर्ण उपचार है। किसी दानकर्ता की आंख से प्राप्त कॉर्निया जरूरतमंद व्यक्ति के लिए दृष्टि लौटने की उम्मीद बन सकता है।

बाढ़ के पानी से मिली अज्ञात मछलियों के सेवन पर रोक

गोरखपुर , एजेंसी। नेपाल में आई बाढ़ के कारण गंडक नदी समेत विभिन्न नदियों में बाढ़ का पानी आने से कुछ क्षेत्रों में अज्ञात और असामान्य मछलियां मिलने की सूचना है। इनमें गूंच या गोइता कैटफिश जैसी प्रजातियां होने की संभावना जताई जा रही है। इन मछलियों की वैज्ञानिक पहचान विशेषज्ञों की ओर से की जा रही है। मत्स्य विभाग के अधिकारियों के अनुसार गूंच मछली अपने आप में जहरीली नहीं है। इसे नेपाल से आई नई या विदेशी मछली मानना भी उचित नहीं है। फिलहाल मुख्य चिंता बाढ़ के पानी के साथ आई अज्ञात मछलियों की खाद्य सुरक्षा को लेकर है। बाढ़ के दौरान मछलियां दूषित पानी, सीवेज, मृत जीवों और अन्य प्रदूषकों के संपर्क में आ सकती हैं। इसलिए पहचान और खाद्य सुरक्षा संबंधी जांच पूरी होने तक बाढ़ के पानी से पकड़ी गई अज्ञात या असामान्य मछलियों की खरीद-बिक्री और सेवन नहीं किया जाना चाहिए। मत्स्य विभाग स्थिति पर लगातार निगरानी रख रहा है। मछलियों की पहचान के साथ खाद्य सुरक्षा से संबंधित वैज्ञानिक जांच भी कराई जा रही है। विभाग ने सोशल मीडिया पर प्रसारित अपुष्ट सूचनाओं और अफवाहों पर ध्यान नहीं देने को कहा है।

मंदिर परिसर की ऊपरी मंजिल में लगी आग, बाल-बाल बचा पुजारी

अलीगढ़ , एजेंसी। क्षेत्र के गांव रतरोई स्थित माता मंदिर परिसर की ऊपरी मंजिल के कमरे में बुधवार दोपहर करीब दो बजे अचानक आग लग गई। घटना के समय मंदिर के पुजारी साहब सिंह कमरे में सो रहे थे। उन्होंने भागकर अपनी जान बचाई। दमकल कर्मी मौके पर पहुंचे और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। पुजारी ने बताया है कि आग लगने से टीवी, फ्रिज, एसी, कूलर, बेड, रजाई-गद्दे, बर्तन सहित अन्य घरेलू सामान जल गया। आग से कमरे को भी काफी नुकसान पहुंचा है। प्रारंभिक तौर पर आग लगने का कारण शार्ट सर्किट बताया जा रहा है। पुजारी ने बताया है कि बताया कि मंदिर में दूर-दराज के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई।

सालभर भी नहीं चला लैपटॉप, अब कंपनी को देना होगा दूसरा

बरेली , एजेंसी। लेनोवो कंपनी का लैपटॉप सालभर भी ठीक से नहीं चल सका। अब जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग ने कंपनी को नया लैपटॉप, क्षतिपूर्ति और वाद व्यय का भुगतान करने का आदेश दिया है। चंद्रगुप्त पुरम कॉलोनी निवासी संदीप वर्मा ने 27 अगस्त 2023 को लेनोवो कंपनी का योगा स्लिम 7 प्रो लैपटॉप 66,805 रुपये में खरीदा था। लैपटॉप के जोड़ में समस्या आने के कारण संदीप द्वारा ईमेल के जरिये आठ जुलाई 2024 को कंपनी से शिकायत की गई। इसके बाद कई बार इंजीनियर आए और लैपटॉप के पार्ट्स भी बदले, लेकिन वह ठीक नहीं हुआ। इसके बाद लैपटॉप बदलने के लिए कंपनी को ईमेल भेजे, लेकिन ध्यान नहीं दिया गया। संदीप ने जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग द्वितीय में वाद दायर कर एक लाख रुपये क्षतिपूर्ति, नया लैपटॉप और वाद खर्च दिलाने की मांग की थी। न्यायालय ने कंपनी को नवीनतम मॉडल का लैपटॉप या छह प्रतिशत वार्षिक ब्याज के साथ लैपटॉप की कीमत लौटाने का आदेश दिया है। कोर्ट ने कंपनी को क्षतिपूर्ति के रूप में 15 हजार रुपये, जबकि वाद व्यय के दस हजार रुपये वादी को देने के आदेश दिए हैं।

गर्भवती महिलाओं को जन्माष्टमी पर प्रसव की चाह

गोरखपुर , एजेंसी। बच्चों के जन्म की तारीख को लेकर अभिभावकों में भी खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। कई दंपती चाहते हैं कि उनके बच्चे का जन्म जन्माष्टमी पर हो। जिला महिला अस्पताल में इन दिनों प्रसव की संभावित तारीख को लेकर कुछ महिलाएं अपनी पसंद की तारीख की मांग कर रही हैं। प्रसूताओं का मानना है कि भगवान कृष्ण के जन्मोत्सव के दिन बच्चे का जन्म होना शुभ और सौभाग्य की बात होगी। जिला महिला अस्पताल के एसआईसी डॉ. अनिल झा ने बताया कि महिलाओं की तरफ से अपनी पसंद की तारीख की मांग तो होती है लेकिन डिलीवरी का दिन मुख्य रूप से मां और बच्चे की मेडिकल कंडीशन को देखते हुए तय किया जाता है। केवल किसी शुभ दिन के लिए डिलीवरी की तारीख को आगे या पीछे करना उचित नहीं है। सामान्य स्थिति में भी डिलीवरी की संभावित तारीख केवल अनुमान होती है। मां की स्थिति के आधार पर डॉक्टर जरूरी निर्णय लेते हैं। खासकर सीजेरियन डिलीवरी में भी तारीख तय करते समय मेडिकल जरूरत को प्राथमिकता दी जाती है।सीजेरियन डिलीवरी कराने वाली कई महिलाओं ने पहले ही डॉक्टरों से बात करके डिलीवरी की डेट आगे बढ़वाने को कहा था पर बच्चे को लेकर मेडिकल कंडीशन सही नहीं होने के कारण उनको मनचाही डेट नहीं मिल पा रही है। डॉक्टरों का कहना है कि मां और बच्चे की सेहत ही पहली प्राथमिकता है। शुभ मुहूर्त के लिए डिलीवरी की तारीख को आगे-पीछे नहीं किया जा सकता।

45 साल पुरानी परंपरा को तीसरी पीढ़ी दे रही आकार

कलेक्ट्रेट में सजेंगी कृष्णलीलाओं की झांकियां

वाराणसी , एजेंसी। गाजीपुर कलेक्ट्रेट में कृष्ण जन्माष्टमी पर सजने वाली स्वचालित कृष्णलीला की झांकियों की तैयारी शुरू हो गई है। करीब 45 साल पहले जिन कारीगरों ने कलेक्ट्रेट में पहली बार स्वचालित मूर्तियों के जरिए कृष्ण लीलाओं को जीवंत किया था, अब उनकी तीसरी पीढ़ी इस परंपरा को आगे बढ़ा रही है। बक्सर से पहुंची आठ सदस्यीय टीम के चार सदस्य दिन-रात झांकियों के लिए मूर्तियां और स्वचालित ढांचे तैयार करने में जुटे हैं।

कारीगर राजेश कुमार ने बताया कि वर्ष 1982 में उनके उस्ताद और चाचा अनंत कुमार को तत्कालीन जिलाधिकारी के अर्दली जयराम बक्सर से गाजीपुर लेकर आए थे। अनंत कुमार ने अपने एक सहायक के साथ कलेक्ट्रेट परिसर में पहली बार कृष्ण लीलाओं की स्वचालित मूर्तियां तैयार की थीं। इसके बाद वर्ष 1986 में उनके साथ शिवजी प्रसाद और शिवशंकर प्रसाद भी गाजीपुर आए। दोनों ने स्वचालित झांकियों के निर्माण का काम अलग-अलग संभाला।

वर्ष 1991 में राजेश कुमार भी अनंत कुमार के साथ गाजीपुर पहुंचे और लाग कारीगरी की बारीकियां सीखीं। इसके बाद स्वचालित ढांचे तैयार करने की जिम्मेदारी उन्होंने संभाल ली। वर्ष 2024 में शिवशंकर प्रसाद के कमजोर होने के बाद उनके परिवार की तीसरी पीढ़ी के राजकिशोर प्रजापति ने मूर्तियां तैयार करने की जिम्मेदारी संभाली। 31 मार्च 2025 को शिवशंकर प्रसाद के निधन के बाद राजकिशोर मुख्य मूर्तिकार बने। उनके छोटे भाई विजय प्रजापति भी अब इस काम में हाथ बंटा रहे हैं।

17 झांकियों में जीवंत होंगी कृष्ण लीलाएं

इस बार कलेक्ट्रेट में 17 झांकियां सजाई जाएंगी। इनमें वासुदेव की यमुना पार करने, यशोदा के माखन निकालने और कृष्ण को डांटने, पूतना वध, कालिया नाग मर्दन, वकासुर वध, शिशुपाल वध, कंस वध और रासलीला समेत विभिन्न प्रसंग स्वचालित मूर्तियों के माध्यम से दिखाए जाएंगे। हनुमान के सीना फाड़ने की झांकी भी आकर्षण का केंद्र होगी।

27 अगस्त हो रहा निर्माण

राजेश कुमार के अनुसार टीम 27 अगस्त को बक्सर से गाजीपुर पहुंची थी। इसके बाद रायफल क्लब सभागार परिसर में झांकियों का निर्माण शुरू किया गया। तैयार होने के बाद इन्हें कलेक्ट्रेट परिसर में लगाया जाएगा, जहां कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु इनका दर्शन करने पहुंचते हैं।

छोटी पूंजी से सपनों को साकार कर रहे युवा

बरेली , एजेंसी। शहर के युवा मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के जरिये बैंक से पांच लाख रुपये तक का लोन लेकर अपना कारोबार कर रहे है। अपना उद्योग स्थापित करने के साथ ही वह अन्य लोगों को भी रोजगार दे रहे हैं। उपायुक्त उद्योग विकास यादव ने बताया कि इस योजना के अंतर्गत ऋण प्राप्त करने के लिए बैंक में कुछ भी गिरवी रखने या किसी गारंटी की आवश्यकता नहीं होती। बस वेबसाइट पर आवेदन करना होता है। इसके बाद उन्हें ऋण मुहैया कराया जाता है। आवेदन की आयु 40 साल तक होनी चाहिए। कर्मचारी नगर के पास रहने वाली आरती गंगवार चार साल से ऑटोमोबाइल सेक्टर की नौकरी छोड़ खुद का काम करने की सोच रही थीं। अब उन्होंने अपने भाई जितेंद्र के साथ मिलकर रेस्टोरेंट खोला है। उन्होंने बताया कि करीब चार लाख रुपये का ऋण बैंक से लिया है। रेस्टोरेंट की शुरुआत करने के बाद काम बहुत अच्छा चल रहा है। रेस्टोरेंट में पांच से सात लोगों को नौकरी भी दे रखी है।

पिंक रोजगार मेले में युवतियों को रोजगार पाने का सुनहरा अवसर

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार) उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन के अंतर्गत जिला सेवायोजन कार्यालय की ओर से 10 सितंबर को राजकीय महिला पॉलिटेक्निक, बादलपुर में पिंक रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। रोजगार मेले में सुबह 10 बजे से विभिन्न क्षेत्रों की कंपनियां युवतियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिभाग करेंगी। मेले में 18 से 35 वर्ष आयु वर्ग की शिक्षित एवं रोजगार की इच्छुक युवतियां भाग ले सकेंगी।
जिला सेवायोजन अधिकारी मनीषा अत्री ने बताया कि रोजगार मेले में विनिर्माण, व्यावसायिक प्रक्रिया संचालन, ज्ञान प्रक्रिया संचालन, बैंकिंग, वित्त, वित्तीय प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक वाणिज्य सहित अन्य क्षेत्रों की कंपनियों के शामिल होने की संभावना है। कंपनियों की ओर से अभ्यर्थियों की शैक्षणिक योग्यता, कौशल और प्रतिभा के आधार पर साक्षात्कार एवं चयन प्रक्रिया पूरी की जाएगी। मेले में हाईस्कूल, इंटरमीडिएट, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, डिप्लोमा, स्नातक, परास्नातक तथा अन्य शैक्षणिक योग्यता रखने वाली युवतियां भाग ले सकती हैं। जिला सेवायोजन अधिकारी ने इच्छुक अभ्यर्थियों से अपील की है कि मेले में शामिल होने से पहले

रोजगार संगम पोर्टल पर नौकरी चाहने वाले के रूप में अपना पंजीकरण अवश्य करा लें। पंजीकरण के बाद अभ्यर्थी 10 सितंबर को निर्धारित समय पर राजकीय महिला पॉलिटेक्निक, बादलपुर पहुंचकर अपनी योग्यता के अनुरूप कंपनियों में साक्षात्कार दे सकती हैं। पंजीकरण से संबंधित समस्या होने पर जिला सेवायोजन कार्यालय, आरआई केंद्र, झुंडपुरा, सेक्टर-11, नोएडा में संपर्क किया जा सकता है। विभाग का उद्देश्य स्थानीय शिक्षित युवतियों को उनकी योग्यता और कौशल के अनुरूप रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराना है।

4 देशों के भक्त काशी में मनाएंगे पर्व, 21 महिलाएं करेंगी पाठ

108 व्यंजनों का लगेगा भोग

वाराणसी , एजेंसी। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर काशी में चार देशों और 10 राज्यों से भक्त आ रहे हैं। वह कान्हा का जन्मोत्सव मनाएंगे। देश के 10 से अधिक राज्यों के अलावा अमेरिका, इंग्लैंड, आस्ट्रेलिया और स्वीट्जरलैंड से भी भक्त आएंगे। वह षष्ठपीठ गोपाल मंदिर के अलावा अन्य मंदिरों में सेवा पूजन करेंगे। गोपाल मंदिर में बुधवार से ही श्रीकृष्ण उत्सव शुरू हो जाएगा। जबकि इस्कॉन मंदिर और महेश्वरी भवन के उत्सव तीन सितंबर से शुरू हो जाएगा। शहर में छह दिवसीय श्रीकृष्ण उत्सव शुरू हो जाएगा।

शहर में इस्कॉन मंदिर दुर्गाकुंड, हरे कृष्ण हरे राम संकीर्तन सोसाइटी के उत्सव माहेश्वरी भवन महमूरगंज और गोपाल मंदिर चौखंभा में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का उत्सव व्यापक स्तर पर मनाया जाता है। इन मंदिरों में व्यापक स्तर पर तैयारी चल रही है। गोपाल मंदिर के सेवक अशोक बल्लभ दास ने बताया कि मंदिर में सेवा व पूजा के लिए विदेशों के अलावा यूपी, बिहार, झारखंड, हरियाणा, दिल्ली, गुजरात, महाराष्ट्र, राजस्थान आदि राज्यों से कृष्ण भक्त आ रहे हैं।

वृंदावन और मथुरा के भक्तों का जत्था आएगा। मंदिर में राग-भोग की तैयारी शुरू हो गई है। मंदिर में भगवान श्रीकृष्ण के स्वरूप में

विराजमान गोपाललाल, बाल रूप में मुकुंद राय व गोपीनाथ की पूजा होगी। बुधवार को गोपाललाल के प्राकट्योत्सव से श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव शुरू हो जाएगा।

हरे कृष्ण हरे राम संकीर्तन सोसाइटी का तीन दिवसीय श्रीकृष्ण प्राकट्य तीन सितंबर से शुरू होगा। सोसइटी के अध्यक्ष कृष्ण प्रसाद दास ने बताया कि श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव का शुभारम्भ शोभायात्रा से होगा। शोभायात्रा अन्नपूर्णा नगर कालोनी (विद्यापीठ के सामने) से सुबह सात बजे से निकाली जाएगी। यात्रा माहेश्वरी भवन पहुंचेगी। इसमें विद्यालयों के बच्चे भगवान श्रीकृष्ण की मनोहारी छवि के साथ शामिल होंगे। शाम को भक्त हरे कृष्ण महामंत्र का कीर्तन करेंगे।

हरिनाम एवं तुलसी आरती होगी। वैदिक एवं सांस्कृतिक नृत्य नाटिका, भजन संध्या का आयोजन होगा। श्री राधा गोविन्द देव, श्री जगन्नाथ, बलदेव, शुभद्रा के विग्रहों का मनमोहक शृंगार होगा। उन्होंने बताया कि चार सितंबर को पंचामृत से लड्डू गोपाल का अभिषेक, 21 महिलाएं श्रीब्रह्म संहिता का पाठ एवं हरे कृष्ण महामंत्र के संकीर्तन करेंगी। रात में 12 बजे महाआरती एवं संकीर्तन के साथ भगवान को 108 व्यंजनों का भोग लगेगा। पांच सितंबर को दोपहर में श्रील प्रभुपाद जी का आर्विभाव दिवस तथा शाम को नन्दोत्सव मनाया जाएगा।

युवाओं के खेल और शिक्षण संस्थानों के विकास के लिए जरूरत पड़ी तो एक साल की सांसद निधि लगा दूंगा : जयंत चौधरी

रामपुर मनिहारान/सहारनपुर (शिखर समाचार)। रामपुर मनिहारान के गोचर कृषि इंटर कॉलेज मैदान में गुरुवार को आयोजित स्वाभिमान रैली में किसान, मजदूर और नौजवानों की एकजुटता का संदेश दिया गया। अखिल भारतीय गुर्जर विद्या प्रचारिणी समिति के तत्वावधान में आयोजित रैली को राष्ट्रीय लोक दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी ने संबोधित किया। उन्होंने शिक्षा, खेल, किसान, मजदूर और युवाओं के हितों को लेकर अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।
विशाल जनसमूह को संबोधित करते हुए जयंत चौधरी ने कहा कि क्षेत्र के शिक्षण संस्थानों को मजबूत करने और युवाओं को खेलों में आगे बढ़ाने के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना जरूरी है। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ी तो युवाओं के खेल और शिक्षण संस्थानों के विकास के लिए अपनी एक

वर्ष की पूरी सांसद निधि लगाने को तैयार हैं। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में खेल प्रतिभाओं की कमी नहीं है, आवश्यकता उन्हें उचित मैदान, संसाधन और अवसर उपलब्ध कराने की है। किसानों के मुद्दों पर उन्होंने कहा कि हाल में प्रधानमंत्री से मुलाकात के दौरान किसानों से जुड़े विभिन्न विषयों पर सार्थक चर्चा हुई। किसानों की समस्याओं और सुझावों को सरकार तक पहुंचाने के प्रयास किए जा रहे हैं। खांडसारी कानून से जुड़े विषय का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि किसानों के सुझावों को सरकार के समक्ष मजबूती से रखा गया, जिसके बाद संबंधित प्रस्ताव वापस लिया गया। गन्ने के मूल्य का उल्लेख करते हुए जयंत चौधरी ने कहा कि चुनाव के दौरान गन्ने का भाव 400 रुपये प्रति क्विंटल से अधिक करने का वादा किया गया था, जिसे सरकार ने पूरा किया। उन्होंने एथेनॉल नीति को किसानों की आर्थिक मजबूती से जोड़ते हुए कहा कि इसका प्रस्ताव पूर्व केंद्रीय मंत्री चौधरी अजित सिंह ने रखा था।
प्रदेश की कानून-व्यवस्था पर उन्होंने कहा कि योगी सरकार के कार्यकाल में स्थिति बेहतर हुई है। उन्होंने किसानों से अपने हितों की लड़ाई मजबूती से लड़ने वाले प्रतिनिधियों और शुभचिंतकों को पहचानने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि किसान, मजदूर और नौजवानों की एकता ही समाज की वास्तविक ताकत है। रैली में बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

स्वाभिमान रैली में जयंत चौधरी का अखिलेश यादव पर हमला, बोले चुनाव में किसान देंगे जवाब

सहारनपुर (शिखर समाचार)। रामपुर मनिहारान के गोचर कृषि इंटर कॉलेज में आयोजित स्वाभिमान सभा में राष्ट्रीय लोक दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय कौशल विकास और शिक्षा राज्यमंत्री जयंत चौधरी ने समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव पर तीखा हमला बोला। उन्होंने अखिलेश यादव पर किसान विरोधी होने का आरोप लगाते हुए कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में चौधरी चरण सिंह के अनुयायी, किसान, मजदूर और पिछड़े वर्ग के लोग इसका जवाब देंगे। जयंत चौधरी ने कहा कि किसानों और चौधरी चरण सिंह के अनुयायियों को लेकर अखिलेश यादव की टिप्पणी से उनकी मानसिकता स्पष्ट होती है। सभा में बड़े पर्दे के माध्यम से अखिलेश यादव का गठबंधन से संबंधित बयान भी दिखाया गया। उन्होंने लोकसभा चुनाव

में भारतीय जनता पार्टी के साथ जाने के निर्णय का बचाव करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न देकर उनके करोड़ों अनुयायियों का सम्मान किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार में रहते हुए वह लगातार किसानों के हितों की आवाज उठा रहे हैं तथा चौधरी चरण सिंह और चौधरी अजित सिंह के विचारों को आगे बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं। गन्ने के मूल्य का मुद्दा उठाते हुए जयंत चौधरी ने कहा कि बाजार में चीनी के बढ़े हुए दाम का लाभ किसानों को गन्ने के उचित मूल्य के रूप में मिलना चाहिए। उन्होंने प्रदेश सरकार की ओर से गन्ना किसानों को किए गए भुगतान का उल्लेख करते हुए अखिलेश यादव पर किसान हितों की अनदेखी करने का आरोप लगाया। सभा में जयंत चौधरी की पत्नी चारू चौधरी और बेटी भी मौजूद रहीं। मंच पर सांसद चंदन चौहान, चौधरी अमित सिंह, चौधरी ऋषिपाल सिंह, चौधरी भूपेंद्र सिंह, कृष्णचंद त्यागी, त्रिलोक त्यागी, कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार, मलूक नागर, रमा नागर, अजीत सिंह राणा, प्रदीप चौधरी, राजीव गुंबर, मुकेश चौधरी, चौधरी कीरत सिंह और रालोद विधायक प्रसन्न चौधरी सहित भाजपा और रालोद के कई नेता मौजूद रहे। वक्ताओं ने आगामी विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के प्रत्याशियों को समर्थन देने की अपील की। कॉलेज प्रबंधक चौधरी अमित सिंह ने पुस्तकालय निर्माण के लिए सांसद निधि से 21 लाख रुपये देने पर जयंत चौधरी का आभार जताया।

अखिलेश यादव से शेर सिंह राणा की मुलाकात, संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने पर मंथन

शामली (शिखर समाचार)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव से लखनऊ स्थित पार्टी कार्यालय पर सपा नेता ठाकुर शेर सिंह राणा के नेतृत्व में पार्टी नेताओं ने मुलाकात की। इस दौरान आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों और पार्टी संगठन को और अधिक मजबूत बनाने के साथ समाजवादी विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने को लेकर विस्तार से चर्चा हुई।
मुलाकात के दौरान नेताओं ने संगठन की गतिविधियों और जमीनी स्तर पर पार्टी को मजबूत करने की रणनीति पर विचार-विमर्श किया। ठाकुर शेर सिंह राणा ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का कार्यकताओं के प्रति स्नेह और सम्मान पार्टी की बड़ी

ताकत है। उनके मार्गदर्शन से कार्यकताओं को समाजवादी विचारधारा के साथ पूरी मजबूती से आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है।
उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने के लिए लगातार काम कर रहे हैं। साथ ही समाजवादी पार्टी की नीतियों और विचारधारा को आम जनता तक पहुंचाने का अभियान भी जारी है। उन्होंने कहा कि कार्यकताओं की एकजुटता और सक्रियता के बल पर संगठन को और मजबूत किया जाएगा।
मुलाकात में वरिष्ठ जिला पंचायत सदस्य चाचा टीनू बाबरी, समाजवादी लोहिया वाहिनी के प्रदेश उपाध्यक्ष चौधरी अश्वनी गुर्जर, समाजवादी मजदूर सभा के जिलाध्यक्ष चौधरी वासिल, समाजवादी अल्पसंख्यक सभा के जिलाध्यक्ष सय्यद मुस्तकीम, ठाकुर कैशव सिंह और विशाल राणा मौजूद रहे। नेताओं ने राष्ट्रीय अध्यक्ष को क्षेत्र की राजनीतिक एवं संगठनात्मक गतिविधियों से भी अवगत कराया। बैठक के दौरान कार्यकताओं ने पार्टी को आगामी चुनावों के लिए जमीनी स्तर पर और प्रभावी बनाने का संकल्प लिया।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की 144वीं बोर्ड बैठक में विकास से जुड़े कई अहम फैसलों पर लगी मुहर

श्रमिकों के लिए आवास व छात्रावास, सार्वजनिक पुस्तकालय और बेहतर संपर्क मार्ग को मंजूरी, आपदा प्रबंधन व सड़क सफाई व्यवस्था भी होगी मजबूत

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की 144वीं बोर्ड बैठक में शहर के विकास और जनसुविधाओं से जुड़े कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए। बैठक में अप्रवासी श्रमिकों के लिए आवास और छात्रावास, विद्यार्थियों के लिए सार्वजनिक पुस्तकालय, बेहतर संपर्क मार्ग, रेलवे लाइन पर पैदल पुल, आपदा प्रबंधन तथा सड़कों की सफाई व्यवस्था को मजबूत करने के प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। बैठक में बोर्ड अध्यक्ष दीपक कुमार, अपर मुख्य सचिव आलोक कुमार, मुख्य कार्यपालक अधिकारी एनजी रवि कुमार सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे। औद्योगिक क्षेत्र में रोजगार की तलाश में आने वाले श्रमिकों को बेहतर आवास उपलब्ध कराने के लिए पतवाड़ी और बिरौंडी गांव में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के आवास बनाने का निर्णय लिया गया। निर्माण कार्य इसी वर्ष के अंत तक शुरू करने का लक्ष्य रखा गया है। वहीं ईकोटेक-6 और ईकोटेक-11 में तीन-तीन हजार वर्गमीटर भूमि श्रम विभाग को श्रमिक छात्रावास के लिए निशुल्क उपलब्ध कराई जाएगी। सेक्टर अल्फा-1 में 1360 वर्गमीटर क्षेत्र में सार्वजनिक पुस्तकालय बनाने को भी मंजूरी दी गई है। तीन मंजिला पुस्तकालय में विद्यार्थियों, युवाओं, बच्चों और वरिष्ठ नागरिकों के लिए पुस्तकें उपलब्ध होंगी, जिससे

आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में सुविधा मिलेगी। बोर्ड ने 130 मीटर चौड़ी सड़क को दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे से जोड़ने के लिए पहले चरण में एक मूर्ति तक दो-स्तरीय सड़क बनाने को मंजूरी दी। इस पर 756.01 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। इसके साथ ही जुनपत से पूर्वी परिधीय एक्सप्रेसवे तक करीब 12 किलोमीटर लंबी 105 मीटर चौड़ी सड़क बनाने की योजना को भी मंजूरी मिली है। ग्राम रिठौरी में रेलवे लाइन पर पैदल पुल बनाया जाएगा, जिसमें सीढ़ियां, ढलान मार्ग और लिफ्ट की सुविधा होगी। आवासीय भूखंडों पर निर्माण पूरा करने के लिए आवंटियों को 30 जून 2028 तक अंतिम अवसर दिया गया है। आपदा के समय त्वरित राहत-बचाव के लिए सेक्टर ओमीक्रॉन-1ए में राष्ट्रीय आपदा मोचन बल के क्षेत्रीय प्रतिक्रिया केंद्र के लिए 30 आवासीय फ्लैट निशुल्क देने का निर्णय लिया गया। वहीं वायु गुणवत्ता सुधारने और धूल-मिट्टी नियंत्रित करने के लिए केंद्रीय और पूर्वी क्षेत्रों में पांच वर्ष तक यांत्रिक सड़क सफाई व्यवस्था संचालित की जाएगी।

बीएसए ने तीन विद्यालयों का किया औचक निरीक्षण, व्यवस्थाओं की परखी हकीकत

हापुड़ (शिखर समाचार)। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी दीपा भाटी ने गुरुवार को जिले के तीन विद्यालयों का औचक निरीक्षण कर वहां की शैक्षिक एवं भौतिक व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने प्राथमिक विद्यालय सबली, कंपोजिट विद्यालय श्यामनगर और उच्च प्राथमिक विद्यालय लाला गंगा शरण पहुंचकर विद्यालयों में चल रही व्यवस्थाओं को परखा। अचानक निरीक्षण से विद्यालयों में व्यवस्थाओं को लेकर सतर्कता भी देखने को मिली। निरीक्षण के दौरान बीएसए ने कक्षाओं में चल रहे पठन-पाठन की स्थिति

देखी तथा विद्यार्थियों की शैक्षिक प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने शिक्षकों से शिक्षण कार्य और विद्यार्थियों के अध्ययन स्तर के संबंध में जानकारी प्राप्त की। इसके साथ ही विद्यालय परिसर की साफ-सफाई, किचन गार्डन और बच्चों को दिए जा रहे मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता की भी जांच की। बीएसए ने शिक्षकों को शिक्षण स्तर में निरंतर सुधार करने तथा विद्यार्थियों की शैक्षिक प्रगति पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विद्यालयों में बच्चों को बेहतर और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए शिक्षक नियमित रूप से प्रयास करें। कमजोर विद्यार्थियों पर विशेष ध्यान देकर उनकी शैक्षिक स्थिति में सुधार किया जाए। उन्होंने विद्यालय परिसर को स्वच्छ और व्यवस्थित रखने के निर्देश दिए। मध्याह्न भोजन को लेकर उन्होंने स्पष्ट किया कि बच्चों को निर्धारित मेन्यू के अनुसार गुणवत्तापूर्ण और पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जाए। भोजन की गुणवत्ता और साफ-सफाई में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। बीएसए ने विद्यालयों में उपलब्ध सुविधाओं और संसाधनों का बेहतर उपयोग करते हुए बच्चों के लिए सुरक्षित एवं अनुकूल शैक्षिक वातावरण बनाए रखने पर भी जोर दिया।

डॉ. के.एन. मोदी ग्लोबल स्कूल की तीनों शाखाओं में हर्षोल्लास से मनाया गया श्रीकृष्ण जन्माष्टमी उत्सव

मोदीनगर (शिखर समाचार)। डॉ. के.एन. मोदी ग्लोबल स्कूल की मुख्य शाखा, प्रिटी पेंगुइन और टेक्सटाइल शाखा में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व हर्षोल्लास और भक्तिभाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में विशेष सजावट की गई और विद्यार्थियों ने भगवान श्रीकृष्ण के जीवन एवं लीलाओं पर आधारित आकर्षक प्रस्तुतियां दीं। नन्हे विद्यार्थियों का कृष्ण और राधा के रूप में मनमोहक श्रृंगार सभी के आकर्षण का केंद्र रहा। कार्यक्रम में डॉ. के.एन. मोदी फाउंडेशन के कार्यकारी निदेशक डॉ. दीपांकर शर्मा और बी.एड. कॉलेज की प्राचार्या एकता भारद्वाज की गरिमामयी उपस्थिति रही। विद्यार्थियों ने अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण की सोलह कलाओं को जीवंत किया। श्रीकृष्ण के जन्म से लेकर गोकुल की लीलाओं और अर्जुन को दिए गए उपदेश तक विभिन्न प्रसंगों पर आधारित झांकियों ने उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। गोकुल बाजार की प्रस्तुति भी विशेष आकर्षण का केंद्र रही। विद्यालय की प्राचार्या पूजा शर्मा ने विद्यार्थियों की शानदार प्रस्तुतियों और उनके प्रयासों की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। संयुक्त उप-प्राचार्या रितु अग्रवाल ने भी बच्चों का मनोबल बढ़ाया। टेक्सटाइल शाखा की प्रधानाचार्या सपना खुराना ने विद्यार्थियों की रचनात्मकता और मेहनत की प्रशंसा की। जन्माष्टमी के अवसर पर विद्यार्थियों के लिए मटकी सजावट, बांसुरी सजावट, मुकुट निर्माण और मोरपंख बुकमार्क बनाने जैसी रचनात्मक गतिविधियां आयोजित की गईं। बच्चों द्वारा तैयार की गई मनमोहक झांकियों ने पूरे विद्यालय परिसर को कृष्णमय बना दिया। कार्यक्रम के समापन पर विद्यार्थियों और उपस्थित लोगों को माखन-मिश्री का प्रसाद वितरित किया गया। पूरे विद्यालय में भक्ति, उल्लास और उमंग का वातावरण बना रहा।

सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में दुर्घटनाओं पर प्रभावी रोकथाम के निर्देश

हापुड़ (शिखर समाचार)। मुख्य विकास अधिकारी श्रुति शर्मा की अध्यक्षता में बुधवार को जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में बढ़ रही सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, यातायात व्यवस्था में सुधार और वाहन नियमों के प्रभावी पालन को लेकर अधिकारियों के साथ विस्तार से चर्चा की गई। मुख्य विकास अधिकारी ने संबंधित विभागों को सड़क सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए। बैठक में सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी प्रवर्तन रमेश कुमार चौबे, यात्री एवं मालकर अधिकारी प्रीति पांडेय, रोडवेज के सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक लक्ष्मण सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक शैलेंद्र कुमार, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी पंकज चतुर्वेदी सहित राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, लोक निर्माण विभाग और अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देश दिए कि सड़क दुर्घटना होने की स्थिति में स्वर्णिम समय के दौरान एंबुलेंस के पहुंचने के समय में सुधार किया जाए।

एंबुलेंस की प्रतिक्रिया अवधि की नियमित निगरानी के साथ औचक निरीक्षण भी किया जाएगा। उन्होंने बिना वैधता प्रमाणपत्र के संचालित स्कूली वाहनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और सभी विद्यालयों को अपने वाहनों के आवश्यक दस्तावेज वैध कराने के निर्देश दिए। साथ ही चालक और परिचालकों का चरित्र सत्यापन अनिवार्य रूप से कराने को कहा।

बैठक में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में निर्धारित आयु सीमा पूरी कर चुके डीजल और अन्य वाहनों के संचालन पर भी चर्चा हुई। चीनी मिलों को निर्देश दिए गए कि निर्धारित उपयोग अवधि पूरी कर चुके ट्रकों से गन्ने की ढुलाई न कराई जाए। ऐसे वाहनों को अनापत्ति प्रमाणपत्र देकर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र से बाहर भेजने अथवा कबाड़ में निस्तारित कराने की कार्रवाई की जाए। अवैध रूप से संचालित ई-रिक्शा की बढ़ती संख्या पर भी अधिकारियों ने चिंता जताई। राष्ट्रीय राजमार्ग-9 पर बुलंदशहर रोड पर रोडवेज बसों को निर्धारित स्थान के बजाय राजमार्ग पर रोकने से होने वाली समस्या को दूर करने, बुलंदशहर कट पर डिवाइडर की समस्या और छिजारसी टोल पर लगने वाले जाम से निजात के लिए कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए गए। मुख्य विकास अधिकारी ने तेज गति से चलने वाले वाहनों पर निगरानी के लिए गति सीमा कैमरे जल्द लगाने को भी कहा।

बुजुर्ग सर्राफ को झांसा देकर लाखों के जेवर ले उड़ा ठग, नकली अंगूठियां छोड़ गया

हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना हापुड़ क्षेत्र के सरार्फा बाजार में खरीदारी के बहाने एक ठग बुजुर्ग सर्राफ को झांसा देकर लाखों रुपये कीमत के सोने के आभूषण लेकर फरार हो गया। आरोपी डिब्बे में नकली सोने की अंगूठियां रख गया। पूरी वारदात दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। पीड़ित सर्राफ की सूचना पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर आरोपी की तलाश तेज कर दी है। जानकारी के अनुसार स्वर्ग आश्रम रोड स्थित देवलोक कॉलोनी निवासी कृपा शंकर वर्मा की सरार्फा बाजार में आभूषणों की दुकान है। आमतौर पर दुकान पर

उनका बेटा बैठता है, लेकिन उसके मथुरा जाने के कारण कृपा शंकर स्वयं दुकान संभाल रहे थे। इसी दौरान एक बुजुर्ग व्यक्ति दुकान पर पहुंचा और अंगूठी सहित अन्य आभूषण दिखाने को कहा। कृपा शंकर ने उसे सोने की अंगूठी, कानों की बालियां और अन्य जेवर दिखाए। आरोप है कि आभूषण देखने के दौरान ग्राहक ने बड़ी चालाकी से दो सोने की अंगूठियां सहित अन्य आभूषण गायब कर दिए और उनके स्थान पर डिब्बे में नकली सोने की अंगूठियां रख दीं। इसके बाद आरोपी ने दुकानदार से कहा कि वह बाहर खड़े ई-रिक्शा चालक को पैसे देने जा रहा है और वापस लौटकर जेवर ले लेगा। काफी देर तक जब वह वापस नहीं लौटा तो दुकानदार को शक हुआ। डिब्बा खोलकर देखा गया तो उसमें नकली अंगूठियां रखी थीं। इसके बाद पीड़ित सर्राफ ने घटना की सूचना कोतवाली पुलिस को दी। थाना प्रभारी निरीक्षक मनीष चौहान ने बताया कि पुलिस ने दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान और तलाश शुरू कर दी है। पुलिस आरोपी तक पहुंचने के लिए फुटेज की जांच के साथ अन्य जानकारी भी जुटा रही है।

मुख्य विकास अधिकारी ने स्टेडियम परिसर का किया निरीक्षण, खेल सुविधाओं के कार्य समयबद्ध पूरा करने के निर्देश

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। मुख्य विकास अधिकारी ने गुरुवार को स्टेडियम परिसर का निरीक्षण कर खिलाड़ियों को उपलब्ध कराई जा रही खेल सुविधाओं और निर्माण एवं जीर्णोद्धार कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने बैडमिंटन हॉल, व्यायामशाला और तरणताल का निरीक्षण करते हुए संबंधित व्यवस्थाओं की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान कार्यदायी संस्था को आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। मुख्य विकास अधिकारी ने स्पष्ट किया कि स्टेडियम में चल रहे सभी निर्माण और सुधार कार्य निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्वक पूरे किए जाएं। कार्यों में गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता न किया जाए और निर्धारित मानकों का पूरी तरह पालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना प्राथमिकता होनी चाहिए। स्टेडियम की व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए मुख्य विकास अधिकारी ने क्रीड़ा अधिकारी राम मिलन को निर्देश दिए कि परिसर में प्रतिदिन चल रहे कार्यों और निर्माण कार्यों की नियमित निगरानी की जाए। उन्होंने कार्यों की प्रगति की जानकारी समय-समय पर उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए, ताकि निर्धारित समय में कार्य पूरा होने की स्थिति की समीक्षा की जा सके। निरीक्षण के दौरान क्रीड़ा अधिकारी राम मिलन अपने स्टाफ के साथ मौजूद रहे। उन्होंने मुख्य विकास अधिकारी को स्टेडियम में संचालित विभिन्न खेल गतिविधियों, जीर्णोद्धार कार्यों और अन्य व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने वर्तमान में चल रहे कार्यों की प्रगति से भी अवगत कराया। मुख्य विकास अधिकारी ने संबंधित अधिकारियों और कार्यदायी संस्था को निर्देशित किया कि स्टेडियम परिसर में खिलाड़ियों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए सभी कार्य समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण और निर्धारित मानकों के अनुरूप पूरे किए जाएं। उन्होंने कहा कि खेल सुविधाओं के बेहतर होने से खिलाड़ियों को अभ्यास और प्रतियोगिताओं की तैयारी के लिए बेहतर वातावरण उपलब्ध होगा।

औरंगाबाद फजलगढ़ में किसान जन चौपाल, जिलाधिकारी ने सुनीं किसानों की समस्याएं

अधिकारियों को गांवों में पहुंचकर किसानों की समस्याएं सुनने और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मांदड़ की अध्यक्षता में गुरुवार को विकासखंड भोजपुर की ग्राम पंचायत औरंगाबाद फजलगढ़ में किसान जन चौपाल का आयोजन किया गया। चौपाल में जिलाधिकारी ने किसानों से सीधे संवाद करते हुए उनकी समस्याएं, शिकायतें और सुझाव सुने। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को किसानों की समस्याओं का शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने अधिकारियों से कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए नियमित रूप से गांवों में पहुंचकर किसानों से संवाद किया जाए। अधिकारियों को मौके पर ही समस्याएं सुनकर नियमानुसार प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश देते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि किसानों की शिकायतों के निस्तारण में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी

चाहिए। संबंधित विभाग आपसी समन्वय से समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करें।

चौपाल के दौरान ग्राम प्रधान कोमल ने गांव की विभिन्न समस्याओं और आवश्यकताओं से जिलाधिकारी को अवगत कराया। उन्होंने ग्राम की सड़कों के जीर्णोद्धार, तालाब उपलब्ध कराने, विद्युत कनेक्शन दिलाने और विद्युत आपूर्ति सुचारु कराने सहित अन्य मांगें रखीं। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को समस्याओं का परीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने किसानों को आश्वस्त किया कि किसानों से संबंधित प्रत्येक समस्या का नियमानुसार शीघ्र और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कराया जाएगा। उन्होंने किसानों से अपनी समस्याएं और सुझाव संबंधित अधिकारियों के समक्ष रखने की अपील की, ताकि उनका समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जा सके। इस दौरान प्रशासनिक अधिकारियों ने किसानों को शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं और सुविधाओं की जानकारी दी। किसानों की आय बढ़ाने से संबंधित योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी गई।

किसान जन चौपाल में परियोजना निदेशक, नायब तहसीलदार, खंड विकास अधिकारी, सहायक विकास अधिकारी पंचायत, जिला सहकारी बैंक के प्रबंधक, ग्राम प्रधान कोमल सहित बिजेन्द्र सिंह, राम कुमार, हरेन्द्र सिंह, राजवीर सिंह, धर्मपाल, सतीश, सोमेश, कामेश, सोबरन सिंह समेत बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

चारमूर्ति चौक के पास 130 मीटर सड़क पर रात से यातायात डायवर्जन

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित किसान चौक (गौड़ चौक) के पास निमार्णाधीन अंडरपास के चलते आज रात से 130 मीटर सड़क पर यातायात व्यवस्था प्रभावित हो सकती है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने वाहन चालकों से निर्माण क्षेत्र के आसपास सावधानी बरतने और यातायात पुलिस के निदेर्शों का पालन करने की अपील की है। प्राधिकरण के परियोजना महाप्रबंधक एके सिंह ने बताया कि अंडरपास के ऊपरी हिस्से में दोनों ओर करीब 25-25 मीटर की लंबाई में पेवमेंट क्वालिटी कंक्रीट सड़क का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। निर्माण कार्य के दौरान इस हिस्से में वाहनों की आवाजाही प्रभावित होगी। इसी को देखते हुए यातायात को नियंत्रित करने और वाहन चालकों को सुगम

आवागमन उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जा रही है। निर्माण कार्य के दौरान संभावित जाम की स्थिति से बचने के लिए यातायात पुलिस की मौके पर तैनाती की जाएगी। आवश्यकता के अनुसार वाहनों के लिए वैकल्पिक मार्ग की व्यवस्था भी लागू की जा सकती है। प्राधिकरण की ओर से वाहन चालकों से अपील की गई है कि निर्माण स्थल के आसपास गति धीमी रखें और यातायात पुलिस के निदेर्शों का पालन करें, ताकि निर्माण कार्य के साथ यातायात व्यवस्था भी सुचारु बनी रहे। प्राधिकरण के अधिकारियों के अनुसार कंक्रीट सड़क निर्माण का कार्य करीब दो सप्ताह में पूरा होने की उम्मीद है। कार्य पूरा होने के बाद इस मार्ग पर यातायात सामान्य रूप से संचालित किया जा सकेगा। निर्माण के दौरान यात्रियों और वाहन चालकों को असुविधा से बचाने के लिए संबंधित विभागों के बीच समन्वय बनाए रखने पर भी जोर दिया गया है।

हापुड़ के तीन शिक्षकों को मिलेगा शिक्षक पुरस्कार, डॉ. रेनू त्रिपाठी को राष्ट्रपति करेंगी सम्मानित

हापुड़/पिलखुवा (शिखर समाचार)। जनपद हापुड़ के लिए शिक्षक दिवस इस बार विशेष गौरव का अवसर लेकर आया है। जिले के तीन शिक्षकों का चयन राष्ट्रीय और राज्य शिक्षक पुरस्कार के लिए हुआ है। पांच सितंबर को शिक्षक दिवस के अवसर पर अलग-अलग समारोहों में इन शिक्षकों को सम्मानित किया जाएगा। पिलखुवा निवासी डॉ. रेनू त्रिपाठी को राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार के लिए चुना गया है और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू उन्हें नई दिल्ली में सम्मानित करेंगी। डॉ. रेनू त्रिपाठी विजय नगर, गाजियाबाद स्थित राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में विज्ञान शिक्षिका हैं। केंद्र सरकार ने 21 अगस्त को राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार के लिए चयनित 48 शिक्षकों की सूची जारी की थी, जिसमें उत्तर प्रदेश से तीन शिक्षक शामिल हैं। इनमें डॉ. रेनू का नाम भी है। पांच

सितंबर को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित समारोह में राष्ट्रपति उन्हें सम्मानित करेंगी। वह कक्षा छह से 10 तक के विद्यार्थियों को विज्ञान पढ़ाती हैं। कम लागत वाले शिक्षण मॉडल, नवाचारी प्रयोगों तथा विद्यालय से बाहर हो चुके बच्चों को दोबारा शिक्षा से जोड़ने के प्रयासों के लिए उनका चयन किया गया है। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपने ससुर संस्कृत विद्वान आचार्य भगवान दास त्रिपाठी को दिया है। उनके पति प्रो. मधुसूदन त्रिपाठी हैं। वहीं राजकीय इंटर कॉलेज अनूपपुर, डिबाई के शिक्षक अमित कुमार शर्मा का चयन राज्य अध्यापक पुरस्कार-2025 के लिए हुआ है। उन्हें पांच सितंबर को गोरखपुर के योगी बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में सम्मानित किया जाएगा। अमित हापुड़ जनपद के पहले माध्यमिक शिक्षक हैं, जिन्हें यह पुरस्कार मिलेगा। उन्होंने रसायन विज्ञान में 13 बार राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण की है और अखिल भारतीय स्तर पर चौथी रैंक भी हासिल की। उन्होंने 'सिमेट्री एंड ग्रुप थ्योरी' पुस्तक लिखी है और उनका चयन राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद के ऑनलाइन शिक्षण कार्यक्रम के लिए भी हुआ है। धौलाना ब्लॉक के पिपलैड़ा गांव स्थित विद्यालय की शिक्षिका शुचि त्यागी का चयन भी राज्य शिक्षक पुरस्कार के लिए हुआ है। नवाचार और उत्कृष्ट शिक्षण कार्य के आधार पर उनका चयन किया गया है। जिले के तीन शिक्षकों की उपलब्धि से शिक्षा जगत में खुशी है।

यू.पी. टेक्स 2026 से वैश्विक मंच पर दिखेगी उत्तर प्रदेश के वस्त्र उद्योग की ताकत

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेश को वैश्विक वस्त्र केंद्र के रूप में विकसित करने के उद्देश्य से 8 और 9 सितंबर को लखनऊ में आयोजित होने वाले 'यू.पी. टेक्स 2026' से पहले गुरुवार को नोएडा एंटरप्रेन्योर्स एसोसिएशन भवन, सेक्टर-6 में कार्यक्रम का पर्दा उठाने वाला समारोह एवं मार्ग प्रचार कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें वस्त्र क्षेत्र से जुड़े बड़ी संख्या में उद्यमियों ने भाग लिया और निवेश, नवाचार, निर्यात तथा उद्योग विस्तार की संभावनाओं पर चर्चा की।

कार्यक्रम का शुभारंभ खादी एवं ग्रामोद्योग, रेशम उद्योग एवं हथकरघा विभाग के मंत्री राकेश सचान, प्रमुख सचिव अनिल कुमार सागर, मुख्य विकास अधिकारी भाल चंद्र त्रिपाठी, परिक्षेत्रीय सहायक आयुक्त अरविंद कुमार सिंह तथा उद्योग संगठनों के पदाधिकारियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर

किया। मंत्री राकेश सचान ने कहा कि 'यू.पी. टेक्स 2026' के माध्यम से प्रदेश की वस्त्र क्षमता को राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर प्रदर्शित करने के साथ उद्यमियों और निवेशकों को एक साझा मंच उपलब्ध कराया जा रहा है। इससे वस्त्र उद्योग में निवेश और रोजगार के नए अवसर बढ़ेंगे तथा प्रदेश को वैश्विक वस्त्र केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में गति मिलेगी। प्रमुख सचिव अनिल कुमार सागर ने उद्योग जगत की सहभागिता और निवेश की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। नोएडा एंटरप्रेन्योर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष ललित ठुकराल ने परिधान, निर्यात और वस्त्र उद्योग के विस्तार की संभावनाएं बताईं। भारतीय उद्योग संघ के उपाध्यक्ष राजीव बंसल ने नोएडा में परिधान उद्योग की संभावनाओं की जानकारी दी। वहीं चंद्रभूषण मिश्रा ने घरेलू वस्त्र क्षेत्र तथा कपड़ों के उपयोग पर और अवनीश गौतम ने नए उद्यमों एवं भारतीय घरेलू सज्जा उत्पादों की बढ़ती वैश्विक मांग पर विचार रखे। कार्यक्रम के संयोजक अरविंद कुमार सिंह ने उद्यमियों से 8 और 9 सितंबर को लखनऊ में होने वाले आयोजन में सक्रिय भागीदारी का आग्रह किया। इस दौरान पंजीकरण, सरकारी योजनाओं, निवेश अवसरों और निर्यात संवर्धन से संबंधित जानकारी देने के लिए अलग काउंटर भी लगाया गया। साथ ही प्रस्तावित नई वस्त्र नीति-2027 को लेकर भी चर्चा हुई।

संपादकीय

तेलंगाना कांग्रेस का संकट और राजनीति में अनुशासन की कसौटी

तेलंगाना की राजनीति में गुरुवार को सामने आया घटनाक्रम केवल एक मंत्री को मंत्रिमंडल से हटाए जाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह राजनीतिक दलों के भीतर अनुशासन, नेतृत्व के अधिकार और असहमति की सीमा को लेकर एक बड़ा सवाल खड़ा करता है। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने कोंडा सुरेखा को मंत्रिमंडल से हटाने का फैसला किया और उनकी बर्खास्तगी की सिफारिश राज्यपाल को भेज दी। इसी के साथ तेलंगाना राज्य योजना बोर्ड के उपाध्यक्ष जी. चिन्ना रेड्डी की नियुक्ति भी रद्द कर दी गई। उनकी जगह गडवाल विजयलक्ष्मी को जिम्मेदारी दी गई है। महिला आयोग के अध्यक्ष पद पर नेरेला शारदा और काकतिया शहरी विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष पद पर पूर्व राज्यसभा सदस्य जी. सुधा रानी की नियुक्ति भी की गई है। इस पूरे प्रकरण की जड़ अगस्त में शुरू हुए उस विवाद में है, जिसमें कोंडा सुरेखा की बेटी कोंडा सुष्मिता पटेल ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और उनके परिवार को लेकर गंभीर आरोप लगाए थे। इसके बाद पार्टी के भीतर विरोध बढ़ा और प्रदेश कांग्रेस की अनुशासनात्मक समिति ने दोनों नेताओं के खिलाफ कार्रवाई की सिफारिश की। समिति की सिफारिश के बाद मामला कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व तक पहुंचा और अंततः कोंडा सुरेखा को मंत्रिमंडल से हटाने का निर्णय हुआ। उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार इस निर्णय से पहले शीर्ष कांग्रेस नेतृत्व के साथ विचार-विमर्श भी हुआ। यहां सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि क्या किसी मंत्री को उसके परिवार के किसी वयस्क सदस्य के राजनीतिक बयान के लिए जिम्मेदार ठहराया जाना उचित है? कोंडा सुरेखा का तर्क है कि उनकी बेटी के निजी विचारों के लिए उन्हें दंडित नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने पार्टी द्वारा जारी कारण बताओ नोटिस का जवाब दिया था और उन्हें मंत्रिमंडल से हटाने से पहले व्यक्तिगत रूप से नहीं पूछा गया। उन्होंने कार्रवाई को अनुचित बताते हुए यह सवाल भी उठाया कि विवादित बयान देने वाले दूसरे कांग्रेस नेताओं के मामलों में समान कठोरता क्यों नहीं दिखाई गई। दूसरी ओर पार्टी नेतृत्व के सामने भी अपनी मजबूरियां हैं। कोई भी राजनीतिक दल केवल चुनाव जीतने के लिए संगठन नहीं बनाता, बल्कि संगठन में एक साझा राजनीतिक अनुशासन और नेतृत्व की स्वीकार्यता भी आवश्यक होती है। यदि पार्टी के भीतर हर नेता या उसके समर्थक सार्वजनिक रूप से मुख्यमंत्री, सरकार अथवा संगठन के निर्णयों पर गंभीर आरोप लगाने लगें तो सरकार की विश्वसनीयता प्रभावित होना स्वाभाविक है। खासकर तब, जब आरोप सीधे मुख्यमंत्री और सरकार की कार्यशैली से जुड़े हों। कांग्रेस नेतृत्व शायद इसी कारण इस विवाद को लंबे समय तक खिंचने देने के बजाय निर्णायक कार्रवाई के पक्ष में गया। लेकिन राजनीतिक अनुशासन और लोकतांत्रिक असहमति के बीच अंतर करना भी उतना ही जरूरी है। अनुशासन का अर्थ यह नहीं हो सकता कि पार्टी में सवाल पूछने की गुंजाइश ही समाप्त हो जाए। स्वस्थ लोकतंत्र में संगठन के भीतर असहमति के लिए स्थान होना चाहिए, मगर उसके लिए निर्धारित मंच और मर्यादा भी होनी चाहिए। सार्वजनिक आरोप, व्यक्तिगत हमले और बिना प्रमाण गंभीर आरोप राजनीति का स्तर गिराते हैं। इसके विपरीत नीतिगत मतभेद, नेतृत्व के फैसलों पर सवाल और संगठनात्मक सुधार की मांग लोकतांत्रिक राजनीति का स्वाभाविक हिस्सा हैं।

~ मौलिक चिंतन ~

जो व्यक्ति मानने से ज्यादा जानने में विश्वास रखता है, वास्तव में जागरूक वही होता है।

~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~

© विनय संकोची

शिक्षा कोरी नियुक्ति ही नहीं, मुक्ति का माध्यम बने

ललित गर्ग

शिक्षक दिवस केवल शिक्षकों के सम्मान का अवसर नहीं, बल्कि भारत की शिक्षा-दृष्टि, शिक्षक की भूमिका और भावी पीढ़ी के निर्माण पर गंभीर आत्ममंथन का दिन है। किसी राष्ट्र का भविष्य केवल उसके विद्यालयों की संख्या, भवनों की भव्यता, पुस्तकों की उपलब्धता या परीक्षाओं के परिणामों से निर्धारित नहीं होता, बल्कि इस बात से तय होता है कि उसके विद्यालयों से निकलने वाला मनुष्य कितना ज्ञानवान, विवेकशील, संवेदनशील, चरित्रवान और उत्तरदायी है। इसलिए आज देश में केवल शिक्षा क्रांति की नहीं, बल्कि शिक्षक क्रांति की भी आवश्यकता है। यदि शिक्षा का स्वरूप बदलना है तो शिक्षा देने वाले व्यक्ति की चेतना, दृष्टि और कार्यशैली में भी परिवर्तन लाना होगा। पूरे देश में समान गुणवत्ता वाली शिक्षा की दिशा में प्रयास तभी सफल होंगे, जब प्रत्येक बच्चे को समान अवसर के साथ योग्य, संस्कारवान और प्रतिबद्ध शिक्षक मिलें। भारत की परंपरा में शिक्षा का अर्थ कभी केवल सूचना और रोजगार प्राप्त करना नहीं रहा। हमारी ज्ञान-परंपरा में गुरु वह था जो अज्ञान के अंधकार से ज्ञान के प्रकाश की ओर ले जाता था। 'तमसो मा ज्योतिर्गमय' भारतीय शिक्षा-दृष्टि की मूल चेतना को भी व्यक्त करता है। विद्या वह है जो मनुष्य के भीतर विवेक जगाए, उसके आचरण को परिष्कृत करे, उसे आत्मसंयम सिखाए और समाज एवं राष्ट्र के प्रति उत्तरदायी बनाए। आज यदि शिक्षा का अर्थ केवल नौकरी, पद, वेतन और प्रतिस्पर्धा तक सीमित होता जा रहा है तो हमें शिक्षा की आत्मा को पुनः खोजने की आवश्यकता है।

शिक्षा के बदलते स्वरूप के साथ शिक्षक की भूमिका भी बदल रही है। कभी शिक्षा को 'सा विद्या या विमुक्तये' अर्थात मुक्ति और आत्मविकास का माध्यम माना गया था, लेकिन आज अनेक बार उसका लक्ष्य केवल 'नियुक्ति' प्राप्त करने तक सिमटता दिखाई देता है। ज्ञान का मूल्य इस आधार पर तय होने लगा है कि उससे कितनी आय और कितना ऊंचा पद प्राप्त किया जा सकता है। शिक्षित होने की आकांक्षा बढ़ी है, लेकिन सुशिक्षित और संस्कारित होने की आकांक्षा उसी अनुपात में नहीं बढ़ी। यह स्थिति केवल शिक्षा व्यवस्था की नहीं, बल्कि पूरे समाज की चिंता का विषय है। आज शिक्षा के व्यवसायीकरण ने इस संकट को और गहरा किया है। शिक्षा जहां मिशन और सामाजिक दायित्व होनी चाहिए थी, वहां कई स्थानों पर वह व्यवसाय का रूप लेती दिखाई देती है। जब ज्ञान की कीमत बाजार तय करने लगे और शिक्षक की सफलता केवल परिणाम तथा वेतन से मापी जाने लगे, तब शिक्षा के मानवीय और संस्कारात्मक पक्ष का कमजोर होना स्वाभाविक है। इसके साथ गुरु-शिष्य संबंधों में भी अनेक स्तरों पर दूरी दिखाई दे रही है। शिक्षकों और विद्यार्थियों के बीच दुर्व्यवहार, अनुशासनहीनता और हिंसा की घटनाएं हमें चेताती हैं कि केवल पाठ्यक्रम बदलने से शिक्षा का संकट समाप्त नहीं होगा। हमें संबंधों की संस्कृति, संवाद की परंपरा और पारस्परिक सम्मान को भी पुनर्जीवित करना होगा।

महान दार्शनिक और शिक्षक डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जीवन इस बात का उदाहरण है कि शिक्षक केवल पेशा नहीं, एक जीवन-दृष्टि हो सकता है। उन्होंने अपने जन्मदिन को शिक्षक दिवस के रूप में मनाए जाने की इच्छा व्यक्त की थी। तभी से 5 सितंबर देश में शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। उनके जीवन से यह संदेश मिलता है कि शिक्षक का सम्मान केवल इसलिए नहीं कि वह पढ़ाता है, बल्कि इसलिए कि वह समाज की चेतना को दिशा देता है। वर्तमान समय में शिक्षक की भूमिका पहले से अधिक चुनौतीपूर्ण हो गई है। विद्यार्थी के सामने आज पुस्तक के अतिरिक्त इंटरनेट, सामाजिक माध्यम, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और असंख्य डिजिटल स्रोत उपलब्ध हैं। ऐसी स्थिति में शिक्षक की उपयोगिता कम नहीं हुई, बल्कि और बढ़ी है। अब शिक्षक को केवल जानकारी देने वाला नहीं, बल्कि सही जानकारी और गलत सूचना में अंतर समझाने वाला मार्गदर्शक बनना होगा। उसे विद्यार्थी को यह सिखाना होगा कि ज्ञान का उपयोग किस उद्देश्य से और किस जिम्मेदारी के साथ किया जाए। तकनीक शिक्षा का विकल्प नहीं, शिक्षक के हाथ में एक प्रभावी साधन बननी चाहिए।

महात्मा गांधी ने सर्वांगीण विकास में आत्मा, मस्तिष्क, वाणी और कर्म के संतुलन को महत्व दिया था। स्वामी विवेकानंद के अनुसार शिक्षा का उद्देश्य मनुष्य के भीतर निहित शक्तियों को जागृत करना है। इन दोनों दृष्टियों को आज की शिक्षा व्यवस्था से जोड़ना अत्यंत आवश्यक है। विद्यार्थी का मस्तिष्क ज्ञान से समृद्ध हो, हाथ कौशल से सक्षम हों, हृदय करुणा से भरा हो और चरित्र सत्य तथा ईमानदारी पर आधारित हो-यही वास्तविक सर्वांगीण शिक्षा है। केवल प्रतिभाशाली मनुष्य नहीं, बल्कि श्रेष्ठ मनुष्य बनाना शिक्षा का लक्ष्य होना चाहिए। आचार्य महाप्रज्ञ ने व्यक्तित्व-निर्माण को अत्यंत कठिन कार्य माना और इसके लिए निःस्वार्थ तथा जागरूक शिक्षक की आवश्यकता बताई। वास्तव में शिक्षक का सबसे प्रभावी पाठ उसकी पुस्तक नहीं, उसका अपना जीवन होता है। विद्यार्थी शिक्षक की कही बात से अधिक उसके व्यवहार को ग्रहण करता है। शिक्षक सत्यनिष्ठ है तो सत्य का संस्कार देता है, समय का सम्मान करता है तो अनुशासन सिखाता है, विनम्र है तो विनम्रता पैदा करता है और अपने कर्तव्य के प्रति समर्पित है तो समर्पण का उदाहरण बनता है। इसलिए शिक्षक प्रशिक्षण केवल नई शिक्षण पद्धतियों और तकनीकों तक सीमित नहीं होना चाहिएय उसमें चरित्र, संवेदनशीलता, संवाद-कौशल, मानसिक संतुलन, नैतिक नेतृत्व और भारतीय मूल्य-दृष्टि का भी प्रशिक्षण होना चाहिए। शिक्षा को केवल परीक्षा और अंकों के दायरे से बाहर निकालना भी समय की मांग है। अच्छे अंक प्राप्त करना महत्वपूर्ण हो सकता है, लेकिन अच्छे अंक अच्छे मनुष्य होने की गारंटी नहीं हैं। राष्ट्र को कुशल वैज्ञानिक, चिकित्सक, अभियंता और प्रबंधक जितने चाहिए, उतने ही ईमानदार नागरिक, संवेदनशील परिवारजन, जिम्मेदार सामाजिक कार्यकर्ता और विवेकशील नेतृत्वकर्ता भी चाहिए। इसलिए मूल्यांकन में ज्ञान के साथ रचनात्मकता, समस्या-समाधान, सहयोग, सामाजिक संवेदना, नैतिक निर्णय क्षमता और व्यवहार को भी महत्व मिलना चाहिए। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने शिक्षा को अधिक समग्र, लचीला, कौशल-आधारित और भारतीय ज्ञान परंपरा से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण विचार सामने रखे हैं। लेकिन किसी नीति की वास्तविक सफलता उसके दस्तावेज में नहीं, उसके धरातलीय परिणामों में दिखाई देती है। छह वर्ष के अनुभव के बाद यह आवश्यक है कि सरकार, शिक्षाविद, शिक्षक, अभिभावक और समाज मिलकर निष्पक्षता से समीक्षा करें कि नीति के कौन-से उद्देश्य विद्यालयों तक प्रभावी रूप से पहुंचे और कहां अभी दूरी बनी हुई है। केवल पाठ्यक्रम बदलना पर्याप्त नहीं है। शिक्षक, विद्यालयी संस्कृति, परीक्षा प्रणाली, अभिभावकीय अपेक्षाएं और शिक्षा के प्रति सामाजिक दृष्टिकोण-इन सभी में परिवर्तन आवश्यक है। यदि देश में ह्यएक जैसी शिक्षाह्न की बात हो रही है तो उसका अर्थ सांस्कृतिक एकरूपता नहीं, बल्कि समान गुणवत्ता और समान अवसर होना चाहिए। भारत की विविधता उसकी शक्ति है। स्थानीय भाषा, लोकज्ञान, क्षेत्रीय संस्कृति और परंपराओं का सम्मान करते हुए प्रत्येक बच्चे को आधुनिक विज्ञान, तकनीक, वैश्विक ज्ञान और वैज्ञानिक दृष्टि की समान सुविधा मिलनी चाहिए। आज शिक्षक दिवस पर सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि हमारे विद्यालयों से कैसे मनुष्य निकल रहे हैं। यदि शिक्षा मनुष्य को अधिक विवेकशील, विनम्र, निर्भीक, करुणामय, सत्यनिष्ठ और उत्तरदायी बना रही है तो वह सफल शिक्षा है। भारत के पास दुनिया को देने के लिए केवल आधुनिक विज्ञान और तकनीकी प्रतिभा नहीं, बल्कि हजारों वर्षों की ज्ञान-संपदा, आध्यात्मिक दृष्टि और मानवीय मूल्यों की महान परंपरा भी है। यदि आधुनिक विज्ञान और तकनीक का समन्वय भारतीय जीवन-मूल्यों के साथ कर दिया जाए तो भारत की शिक्षा व्यवस्था विश्व के लिए मार्गदर्शक बन सकती है। केवल पाठ्यक्रम परिवर्तन की नहीं, चेतना परिवर्तन की है। केवल रोजगारपरक शिक्षा की नहीं, जीवनपरक शिक्षा की है। शिक्षक राष्ट्र का मौन शिल्पकार है। उसके हाथों में केवल एक विद्यार्थी का भविष्य नहीं, आने वाले भारत का चरित्र है। यदि शिक्षक जागेगा तो पीढ़ी जागेगी, पीढ़ी जागेगी तो समाज बदलेगा और समाज बदलेगा तो राष्ट्र नई ऊंचाइयों तक पहुंचेगा। यही शिक्षक दिवस का वास्तविक संदेश और विकसित, संस्कारित एवं विश्व का मार्गदर्शन करने वाले भारत की सबसे मजबूत आधारशिला हो सकती है।

जन्माष्टमी का संदेश: उत्सव से आगे बढ़कर कृष्ण के कर्मयोग को जीवन में उतारें

कांतिलाल मांडोत

श्रीकृष्ण का व्यक्तित्व अनेक आयामों से बना था। वे केवल आध्यात्मिक पुरुष नहीं थे और न ही केवल युद्धभूमि के मार्गदर्शक। वे समाज को समझने वाले रणनीतिकार, अन्याय के विरोधी, मित्रता को निभाने वाले संवेदनशील व्यक्ति और समय की आवश्यकता के अनुसार निर्णय लेने वाले कर्मयोगी थे। उनके जीवन में जहां प्रेम और करुणा दिखाई देती है, वहीं अन्याय और अत्याचार के विरुद्ध दृढ़ता भी दिखाई देती है। यही संतुलन उनके व्यक्तित्व को विशिष्ट बनाता है।

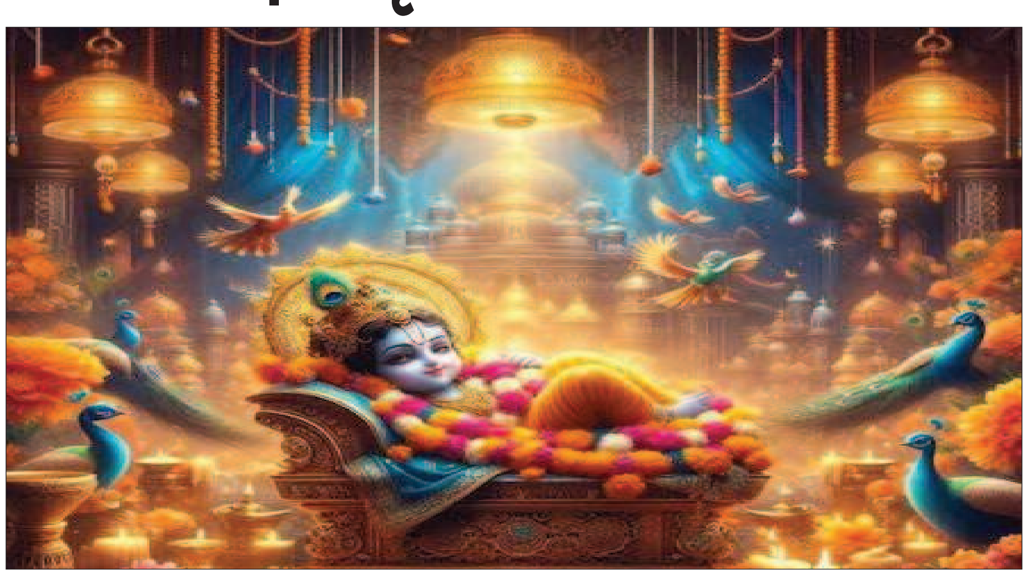

जन्माष्टमी केवल भगवान श्रीकृष्ण के जन्म का उत्सव नहीं है, बल्कि यह उस जीवन-दर्शन को याद करने का अवसर है, जिसने कर्म, कर्तव्य, न्याय, करुणा और लोककल्याण को धर्म के केंद्र में स्थापित किया। भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी को मनाया जाने वाला यह पर्व भारतीय जनमानस में सदियों से आस्था, उल्लास और आध्यात्मिक चेतना का प्रतीक रहा है। मंदिरों में सजावट होती है, झांकियां निकलती हैं, भजन गूंजते हैं और आधी रात को भगवान श्रीकृष्ण के जन्म का उत्सव मनाया जाता है। लेकिन जन्माष्टमी का वास्तविक महत्व तभी पूरा होगा, जब उत्सव के साथ श्रीकृष्ण के जीवन-मूल्यों को भी अपने आचरण का हिस्सा बनाया जाए।

श्रीकृष्ण का जीवन असाधारण परिस्थितियों से शुरू होकर कर्म और संघर्ष की ऐसी यात्रा बनता है, जो आज भी मनुष्य को कठिन समय में सही रास्ता चुनने की प्रेरणा देती है। उनका जन्म किसी राजमहल के सुख-सुविधापूर्ण वातावरण में नहीं हुआ। वे कारागार में जन्मे और बाल्यकाल का बड़ा हिस्सा सामान्य ग्रामीण परिवेश में बीता। परिस्थितियां उनके अनुकूल नहीं थीं, लेकिन उन्होंने परिस्थितियों को अपने व्यक्तित्व की सीमा नहीं बनने दिया। यही श्रीकृष्ण के जीवन का पहला बड़ा संदेश है कि मनुष्य की पहचान उसके सामने मौजूद कठिनाइयों से नहीं, बल्कि उन कठिनाइयों के बीच किए गए उसके कर्मों से होती है।

श्रीकृष्ण का व्यक्तित्व अनेक आयामों से बना था। वे केवल आध्यात्मिक पुरुष नहीं थे और न ही केवल युद्धभूमि के मार्गदर्शक। वे समाज को समझने वाले रणनीतिकार, अन्याय के विरोधी, मित्रता को निभाने वाले संवेदनशील व्यक्ति और समय की आवश्यकता के अनुसार निर्णय लेने वाले कर्मयोगी थे। उनके जीवन में जहां प्रेम और करुणा दिखाई देती है, वहीं अन्याय और अत्याचार के विरुद्ध दृढ़ता भी दिखाई देती है। यही संतुलन उनके व्यक्तित्व को विशिष्ट बनाता है।

उनके जीवन से सबसे महत्वपूर्ण शिक्षा यह मिलती है कि अच्छाई को देखने वाली दृष्टि मनुष्य को भीतर से समृद्ध बनाती है। संसार में कोई भी व्यक्ति या परिस्थिति पूरी तरह दोषरहित नहीं होती। हर जगह अच्छाई और कमी दोनों मौजूद रहती हैं। ऐसे में यह मनुष्य पर निर्भर करता है कि वह अपनी ऊर्जा किस दिशा में लगाता है। दूसरों की कमियां खोजने में जीवन लगाने के बजाय यदि हम उनके भीतर मौजूद अच्छाइयों को पहचानना और उनसे सीखना शुरू करें, तो समाज में कटुता कम होगी और सहयोग की भावना मजबूत होगी। आज जब सामाजिक जीवन में आलोचना, आरोप और नकारात्मकता तेजी से बढ़ रही है, तब श्रीकृष्ण की यह सकारात्मक दृष्टि विशेष रूप से प्रासंगिक हो जाती है।

श्रीकृष्ण का जीवन करुणा को केवल भावना नहीं, बल्कि व्यवहार में बदलने की प्रेरणा देता है। किसी दूसरे व्यक्ति की कठिनाई को देखकर केवल संवेदना व्यक्त करना पर्याप्त नहीं है। वास्तविक मानवता तब है, जब हम अपनी क्षमता के अनुसार किसी की समस्या को कम करने का प्रयास करें। समाज में ऐसे लोगों की आवश्यकता है जो दूसरों के दुख को देखकर मुंह न फेरें, बल्कि सहायता के लिए आगे बढ़ें। आज आर्थिक असमानता, बेरोजगारी, अकेलापन और सामाजिक तनाव जैसी अनेक चुनौतियों के बीच परस्पर सहयोग की भावना ही समाज को मजबूत कर सकती है।

श्रीकृष्ण की मित्रता भी भारतीय संस्कृति में आदर्श मानी जाती है। सुदामा के साथ उनका संबंध यह बताता है कि सच्ची मित्रता में आर्थिक स्थिति, पद या प्रतिष्ठा का कोई स्थान नहीं होता। संबंध की गरिमा इस बात में है कि सामने वाले व्यक्ति को सम्मान मिले और उसकी आत्मसम्मान की रक्षा हो। आज के दौर में जब संबंधों को अक्सर लाभ और सुविधा की दृष्टि से देखा जाने लगा है, तब कृष्ण-सुदामा की मित्रता हमें रिश्तों की वास्तविक कीमत समझाती है।

श्रीकृष्ण का सबसे विराट संदेश भगवद्गीता के माध्यम से सामने आता है। कुरुक्षेत्र में अर्जुन के सामने जब कर्तव्य और मोह का संकट खड़ा हुआ, तब श्रीकृष्ण ने उसे कर्म का मार्ग समझाया। गीता का संदेश केवल युद्धभूमि तक सीमित नहीं है। हर मनुष्य के जीवन में ऐसे क्षण आते हैं, जब निर्णय लेना कठिन होता है। भय, मोह, असमंजस और परिणाम की चिंता व्यक्ति को उसके कर्तव्य से दूर कर सकती है। ऐसे समय में कर्म के प्रति निष्ठा और विवेक ही रास्ता दिखाते हैं। गीता का कर्मयोग इसी जीवन-संघर्ष के बीच मनुष्य को अपने दायित्व से विमुख न होने की प्रेरणा देता है।

श्रीकृष्ण की न्यायप्रियता भी उनके व्यक्तित्व का महत्वपूर्ण पक्ष है। महाभारत के प्रसंग में उन्होंने अंतिम क्षण तक संघर्ष टालने का प्रयास किया। उन्होंने समझौते और शांति का रास्ता खोजने की कोशिश की, लेकिन जब अन्याय और अहंकार के सामने कोई रास्ता नहीं बचा, तब धर्म की रक्षा के लिए संघर्ष आवश्यक हो गया। इसका अर्थ यह नहीं कि हर विवाद का समाधान संघर्ष है। इसका अर्थ यह है कि शांति का प्रयास अपनी जगह जरूरी है, लेकिन अन्याय को स्थायी रूप से स्वीकार कर लेना भी समाधान नहीं हो सकता। समाज में न्याय तभी स्थापित होगा, जब गलत के सामने सही बात कहने का साहस पैदा होगा।

आज के समय में श्रीकृष्ण के इस संदेश को नए संदर्भ में समझने की आवश्यकता है। भ्रष्टाचार, सामाजिक भेदभाव, हिंसा, शोषण, पर्यावरण संकट और सार्वजनिक जीवन में बढ़ती असंवेदनशीलता जैसी समस्याएं केवल कानून से समाप्त नहीं होंगी। इसके लिए नागरिकों के भीतर कर्तव्यबोध और नैतिक जिम्मेदारी भी विकसित करनी होगी। श्रीकृष्ण का कर्मयोग यही सिखाता है कि परिवर्तन की प्रतीक्षा करने के बजाय व्यक्ति स्वयं अपने हिस्से का सही कर्म करे।

श्रीकृष्ण का प्रकृति और पशुजगत से जुड़ा संबंध भी भारतीय सांस्कृतिक चेतना का महत्वपूर्ण हिस्सा है। गोपाल के रूप में उनकी छवि मनुष्य और प्रकृति के बीच आत्मीय संबंध की याद दिलाती है। आज जब पर्यावरण का संतुलन बिगड़ रहा है, जलस्रोत प्रदूषित हो रहे हैं और अनेक जीव-जंतु संकट में हैं, तब प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता को धार्मिक भावना से आगे बढ़ाकर जीवन-मूल्य बनाना होगा। जन्माष्टमी का संदेश तभी सार्थक होगा, जब हम अपने आसपास के पर्यावरण, पशुओं और प्राकृतिक संसाधनों के प्रति जिम्मेदारी निभाएं।

जन्माष्टमी के अवसर पर देशभर में होने वाले आयोजन भारतीय संस्कृति की जीवंतता का प्रमाण हैं। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी इस पर्व से जुड़ते हैं। मंदिरों की सजावट, सांस्कृतिक कार्यक्रम और कृष्ण की बाल लीलाओं पर आधारित प्रस्तुतियां वातावरण को उत्सवमय बना देती हैं। इन परंपराओं का अपना सांस्कृतिक महत्व है और इन्हें बनाए रखना आवश्यक भी है। लेकिन उत्सव का उद्देश्य केवल मनोरंजन या धार्मिक औपचारिकता तक सीमित नहीं होना चाहिए। पर्व तभी समाज को नई दिशा देते हैं, जब वे हमारे व्यवहार में सकारात्मक परिवर्तन पैदा करें।

आज आवश्यकता इस बात की है कि जन्माष्टमी पर हम अपने भीतर के कृष्ण को पहचानने का प्रयास करें। इसका अर्थ किसी धार्मिक कल्पना तक सीमित नहीं है, बल्कि विवेक, साहस, करुणा, न्याय और कर्म की उस चेतना को जगाना है, जिसकी आवश्यकता हर व्यक्ति को होती है। यदि कोई व्यक्ति अपने परिवार के प्रति जिम्मेदार बनता है, अपने काम को ईमानदारी से करता है, कमजोर की सहायता करता है, अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाता है और दूसरों की अच्छाइयों से सीखता है, तो वह श्रीकृष्ण के कर्मयोग को अपने जीवन में उतार रहा है।

वर्तमान समय में समाज को ऐसे ही कर्मयोग की जरूरत है। केवल यह कहना पर्याप्त नहीं कि श्रीकृष्ण महान थे। उनके महान होने का उत्सव मनाने से अधिक जरूरी है कि उनके जीवन से निकली प्रेरणाओं को वर्तमान जीवन की समस्याओं से जोड़ा जाए। आज यदि हम गीता पढ़ते हैं तो उसके कर्मयोग को समझें, यदि कृष्ण की पूजा करते हैं तो उनके न्यायबोध को याद रखें, यदि उनकी बाल लीलाओं का उत्सव मनाते हैं तो उनकी करुणा और सरलता को भी अपने जीवन में स्थान दें।

जन्माष्टमी हमें यह अवसर देती है कि हम अपने भीतर झांकें और पूछें कि हमारा कर्म किस दिशा में जा रहा है। क्या हम केवल अपने हित के बारे में सोच रहे हैं या समाज के प्रति भी हमारी कोई जिम्मेदारी है? क्या हम दूसरों की कमियां गिनाने में लगे हैं या उनकी अच्छाइयों को पहचान रहे हैं? क्या हम अन्याय देखकर चुप रहते हैं या उचित तरीके से उसका विरोध करते हैं? इन सवालों के जवाब ही जन्माष्टमी के वास्तविक अर्थ को सामने ला सकते हैं।

श्रीकृष्ण का जीवन बताता है कि महानता परिस्थितियों से नहीं, दृष्टि और कर्म से पैदा होती है। उन्होंने जीवन के हर मोड़ पर परिस्थितियों का सामना किया और अपने कर्म से रास्ता बनाया। इसलिए जन्माष्टमी का सबसे बड़ा संदेश यही है कि हम उत्सव की रोशनी को अपने आचरण तक पहुंचाएं। मंदिरों में दीप जलें, घरों में खुशियां आएं और मन में कृष्ण के कर्मयोग का प्रकाश भी जले। यदि जन्माष्टमी हमें अधिक संवेदनशील, अधिक जिम्मेदार, अधिक न्यायप्रिय और अधिक कर्मठ बना सके, तभी इस पर्व का उत्सव वास्तव में सार्थक माना जाएगा।

कृष्ण जन्माष्टमी इसलिए केवल कैलेंडर की एक धार्मिक तिथि नहीं है। यह आत्मचिंतन का अवसर है, कर्म के प्रति जागने का अवसर है और उस जीवन-दृष्टि को अपनाने का अवसर है, जो व्यक्ति को स्वयं से ऊपर उठकर समाज और मानवता के लिए जीना सिखाती है। यही कृष्ण का संदेश है और यही जन्माष्टमी की सबसे बड़ी सार्थकता भी।

(वरिष्ठ पत्रकार साहित्यकार स्तम्भकार)

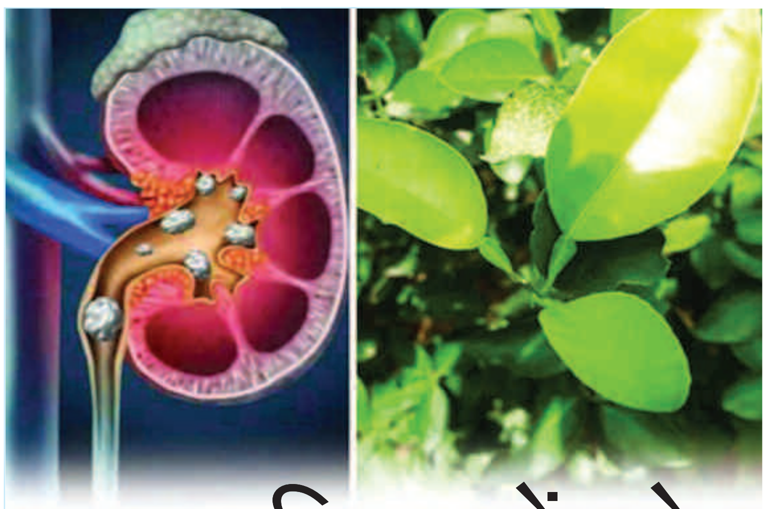

रक्त वाहिकाओं को मजबूत करने में मदद करते हैं नींबू के पत्ते

नींबू के पत्ते विटामिन सी से भरपूर होते हैं। नींबू के पौधे में पाया जाने वाला विटामिन पी आपके शरीर में रक्त वाहिकाओं को मजबूत करने में भी मदद करता है। साथ ही नींबू के पत्तों को एंटी-इंफ्लेमेंटरी प्रभाव के लिए भी जाना जाता है। ऐसे में नींबू की पत्तियों का सेवन आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकता है।

नींबू के फायदे तो आपने बहुत सुना होगा। लेकिन क्या आप जानते हैं इसकी पत्तियां भी किसी औषधी से कम नहीं होती है। नींबू के पत्ते का उपयोग आप कई तरह की बीमारियों से बचाव के लिए और इसे कंट्रोल करने के लिए कर सकते हैं। पर कई लोगों को ऐसा लगता है कि नींबू के पत्ते कड़वा होता है और किसी काम का नहीं होता। लेकिन आप जानकर हैरान होंगे कि इन पत्तों को खाने या इनके जूस ही इन्हें केवल सूंघ लेने से भी कई तरह के फायदे होत हैं।

नींबू के पत्तों का सेवन कैसे करें?

नींबू सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है लेकिन इसे चबाकर खाने से बचना चाहिए। इसका सेवन आप चाय में मिलाकर, जूस के रूप में कर सकते हैं।

नींबू के पत्तों म एंटीवायरल, एंटी ऑक्सीडेंट, एल्कलॉइड, टैनिन, फ्लेवोनोइड और फेनोलिक तत्व शामिल होते हैं। साथ ही इसमें कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन और वसा जैसे पोषक तत्व भी मौजूद होते हैं। इसके अलाव इसमें एंथेल्मिंटिक, एंटी-फ्लैटुलेंस, एंटीमाइक्रोबियल, एंटी-कैंसर, एंटी-इंफलेमेटरी प्रभाव भी पाया जाता है।

किडनी में नहीं बनने देता स्टोन

एनसीबीआई में प्रकाशित एक स्टडी के अनुसार, नींबू के पत्ते में पाया जाने वाला सिट्रिक एसिड किडनी में स्टोन को बनने और बढ़ने से रोकता है। ऐसे यदि आपको बार-बार किडनी में स्टोन हो जाता है तो यह आपके लिए यह किसी रामबाण से कम नहीं है।

माइग्रेन के दर्द से मिलेगी राहत

एक अध्ययन के अनुसार, नींबू के पत्ते माइग्रेन से पीड़ित लोगों के लिए फायदेमंद होता है। दरअसल, नींबू की पत्तियों में एंटी-ऑक्सीडेंट गुण पाया जाता है। माना जाता है कि एंटी-ऑक्सीडेंट प्रभाव शरीर के ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को कम करके माइग्रेन की समस्या को सुधारने का काम करता है। एक्सपर्ट माइग्रेन और मानसिक रोगों से राहत पाने के लिए नींबू के पत्तों को सूंघने की सलाह देते हैं।

सोने की समस्या को करता है खत्म

रिसर्च के अनुसार, यदि आपको रात में नींद नहीं आती है, अनिद्रा की समस्या का शिकार हैं, तो नींबू के पत्ते आपके लिए दवा का काम कर सकते हैं। इसमें मौजूद सिट्रिक एसिड और अल्कलॉइड नींद से जुड़ी समस्या को दूर करने का काम करता है। ऐसे में नींबू के पत्तियों से बनाए गए तेल आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकते हैं।

वजन रहता है कंट्रोल

यदि आप बढ़ते वजन से परेशान हैं तो नींबू के पत्ते आपकी इस परेशानी को खत्म कर सकता हैं। माना जाता है कि नींबू के पत्ते से बने जूस में पेक्टिन नामक घुलनशील फाइबर होता है, जो वजन घटाने में कारगर साबित हो सकता है। नींबू के पत्तों को पानी में उबालकर उस पानी को पीएं।

पेट के कीड़ों को मारता है

मेडिकल रिसर्च के मुताबिक, नींबू की पत्तियों में एंथेल्मिंटिक गुण होता है तो पेट के कीड़ों से छुटकारा दिलाने का काम करता है। ऐसे में नींबू की पत्तियों का उपयोग पेट के कीड़ों को खत्म करने के लिए किया जा सकता है। आप नींबू के पत्तों का रस और शहद को मिलाकर सेवन कर सकते हैं।

घर पर ही करें ये एक्सरसाइज

मोटापा ना सिर्फ वॉडी शेप बिगाड़ता है बल्कि कई बीमारियां को भी न्योता देता है। मोटापे को कम करने और बॉडी को टोंड बनाने के लिए एक्सरसाइज करना बहुत जरूरी है। इससे वजन तो कम होता ही है साथ में शरीर में लचीलापन और एनर्जी बढ़ती है। अगर आप जिम नहीं भी जा पाती तो घर पर ही कुछ एक्सरसाइज करें। चलिए आज हम आपको ऐसी एक्सरसाइज के बारे में बताते हैं जिन्हें आप घर पर आसानी से कर भी सकते हैं और इससे कैलोरी भी बर्न तेजी से बर्न होगी। वजन कम करने के लिए एक्सरसाइज -

बर्पी एक्सरसाइज

बर्पी एक्सरासइज वजन कम करने के लिए बहुत असरदार है। अमेरिकन कॉलेज ऑफ स्पोर्ट्स मेडिसिन के अनुसार, इस एक्सरसाइज के जरिए 81 किलो का इंसान एक बार में लगभग 15 कैलोरी बर्न कर सकता है। वहीं, 60 सेकेंड में 10 बार बर्पी करने से वजन तेजी से कम होगा लेकिन एक्सरसाइज को लगातार रुटीन में किया जाए तो।

स्विमिंग एक्सरसाइज

घुटने की किसी चोट की वजह से अगर आप एक्सरसाइज नही कर पा रहे तो स्विमिंग करना आपके लिए सबसे बेस्ट ऑप्शन है। इससे एक बार में 255 कैलोरी बर्न कर सकते हैं। इसके साथ बटरफ्लाई स्ट्रोक कर के 1/2 घंटे में 400 कैलोरी बर्न हो सकती है। दरअसल स्विमिंग करते समय पूरा शरीर काम करता है जिससे मोटापा तेजी से कम होता है। इसे सबसे अच्छी कार्डियो एक्सरसाइज माना जाता है।

स्क्वेट एक्सरसाइज

स्क्वाट की मदद से भी आप मोटापे को कम कर सकते हैं। सही तरीके से स्क्वेट करना काफी फायदेमंद होता है। शरीर के निचले भाग से वजन कम करने के लिए यह सबसे अच्छी एक्सरसाइज में से एक है। यह बॉडीबिल्डर और एथलीट के बीच काफी पॉपुलर है।

हाई इंटेंसिटी इंटरवल ट्रेनिंग

हाई इंटेंसिटी इंटरवल ट्रेनिंग एक ऐसी एक्सरसाइज है जिससे आप कम समय में ज्यादा वजन कम कर सकते हैं। इससे शरीर की फैट बर्न करने की क्षमता बढ़ जाती है। कई घंटों जिम में पसीना बहाने से अच्छा यह एक्सरसाइज 20 मिनट के लिए करना ज्यादा फायदेमंद है।

जुंबा डांस एक्सरसाइज

अगर आप ज्यादा भार वाली एक्सरसाइज नही करना चाहते तो जुंबा डांस सबसे बेहतर है। यह आपकी पूरी बॉडी पर वर्क करती है। एंजॉय करने के साथ इससे आप वजन भी कम कर सकते हैं। यह तनाव कम करता है और शरीर में एनर्जी बढ़ाता है। हाई इंटेसिटी मूवमेंट की वजह से वजन जल्दी कम होता है।

पावर योगा

पावर योगा काफी असरदार है। यह ट्रेडिशनल योगा के मुकाबले जल्दी वजन कम करने में मदद करता है। इसमें ज्यादा मुश्किल योगासन होते हैं जो जल्दी-जल्दी किए जाते हैं इसलिए यह बेस्ट है।

साइकिलिंग

साइकिलिंग भी वजन कम करने का आसान और अच्छा ऑप्शन है। इससे आप काफी कैलीरी बर्न कर सकते हैं। रोजाना सुबह कम से कम लगातार आधा घंटा साइकिलिंग जरूर करें, आप पहले पहल 15 मिनट से शुरुआत कर सकते हैं।

नींद की कमी से होता है थायराइड

अगर आप ये सोचती हैं कि आप अपने बारे में सब कुछ जानती हैं तो ऐसा नहीं है। शरीर और सेहत से जुड़ी ऐसी बहुत-सी बातें हैं, जो ज्यादातर महिलाओं को पता ही नहीं होती और आज हम आपको उसी के बारे में बताएंगे। इसे पढ़ने के बाद आपको अंदाजा होगा कि कितना कुछ था जो आप अपने बारे में नहीं जानती हैं। तो चलिए आपको बताते हैं वो बातें, जिसे जानना हर महिला के लिए जरूरी है।

ज्यादा कसरत से होते हैं पीरियड्स अनियमित

महिलाएं वजन कंट्रोल करने के लिए हद से ज्यादा व्यायाम करने लगती हैं लेकिन ज्यादा कसरत करने से पीरियड्स अनियमित हो जाते हैं। ऐसे में जरूरी है कि आप नियमित मात्रा में एक्सरसाइज करें। साथ ही कसरत के बाद शरीर में हुई पानी की कमी को दूर करने के लिए दूध का सेवन करें।

ब्रेस्ट साइज में बदलाव

माहवारी के दौरान शरीर के हॉर्मोन लेवल में उतार-चढ़ाव आते हैं, जिसका असर ब्रेस्ट साइज पर भी पड़ता है। साथ ही गर्भधारण व मेनोपॉज के दौरान भी ब्रेस्ट और निपल्स के साइज का बदलना स्वाभाविक है।

व्हाइट डिस्चार्ज की समस्या

पीरियड्स के बाद होने वाले डिस्चार्ज को लेकर परेशान न हों। इसके अलावा नार्मली होने वाला डिस्चार्ज भी अगर सफेद और साफ है तो आपको टेंशन लेने की कोई जरूरत नहीं है। मगर डिस्चार्ज का रंग हल्का पीला होने या उसमें से बदबू आने पर आपको तुरंत चेकअप करवाना चाहिए।

कम नींद से थायरॉइड

यह तो सभी जानते हैं कि भरपूर नींद अच्छी सेहत के लिए बहुत जरूरी है। मगर क्या आपको पता हैं कि 70% महिलाओं को थायराइड की समस्या नींद की कमी से होती है। ऐसे में बेहतर होगा कि आप अपनी पूरी नींद लें।

नाखूनों का बढ़ना

महिलाओं के नाखूनों की तुलना में पुरूषों के नाखून तेज गति से बढ़ते हैं। ऐसा हार्मोंस के कारण होता है। साथ ही नाखून के बढ़ने की गति गर्मियों में अधिक तेज होती है क्योंकि उस दौरान शरीर को ज्यादा मात्रा में विटामिन डी मिलता है।

धूप के कारण होती है झुर्रियां

महिलाएं अक्सर कम उम्र में झुर्रियां पड़ने को लेकर परेशान रहती है। मगर आप यह नहीं जानती कि 80% महिलाओं में झुर्रियां अत्यधिक धूप के कारण होती हैं। इसे दूर करने के लिए महिलाएं बोटॉक्स सर्जरी का सहारा लेती हैं लेकिन आप विटामिन सी का सेवन कर झुर्रियों को दूर कर सकती हैं।

पीरियड्स का ज्यादा ब्लीडिंग है डिसमेनोरिया का संकेत

पीरियड्स के दौरान प्राइवेट पार्ट में दर्द हल्का दर्द होना सामान्य है। कई बार वेजाइना का यह दर्द बर्दाशत करना मुश्किल हो जाता है। अगर हर बार इस तरह की तकलीफ हो रही है तो वह डिसमेनोरिया का संकेत हो सकता है। यह वुमेन हेल्थ कंडीशन है जो 7 में से 1 महिला को हो सकती है।

महिलाओं को पुरुषों से ज्यादा होती है नींद की जरूरत

महिलाएं मल्टीटास्किंग होती हैं, जिसकी वजह से वो घर व ऑफिस में मेंटल एनर्जी का पुरुषों से ज्यादा इस्तेमाल करती हैं। अगर वो भरपूर नींद न लें तो खपत हुई ऊर्जा को दोबारा बनाए रखने में बहुत परेशानी होती है। धीरे-धीरे इसका असर उनकी सेहत पर भी पड़ता है इसलिए उन्हें पुरुषों से ज्यादा नींद की जरूरत होती है।

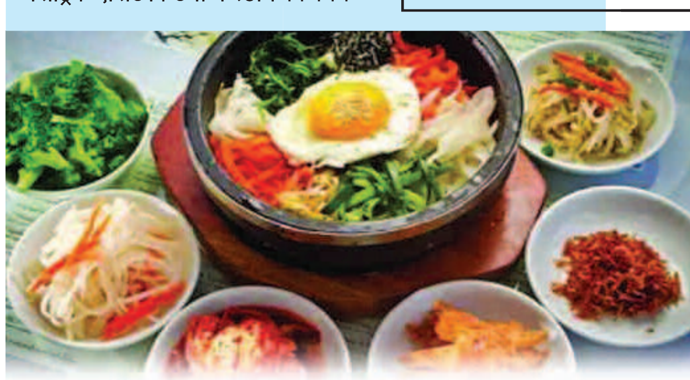

क्या है के पॉप डाइट

फिट और स्लिम रहने की चाह हर व्यक्ति की होती है, लेकिन आजकल का बिजी लाइफस्टाइल, खान-पान से जुड़ी बुरी आदतें और वर्कआउट की कमी के चलते यह सपना बहुत कम ही लोगों का पूरा हो पाता है। ऐसे में कई बार लोग अपने बढ़े हुए वजन से छुटकारा पाने के लिए खाना-पीना ही बंद कर देते हैं। जिसकी वजह से शरीर कमजोर होकर कई रोगों का घर बनने लग जाता है। अगर आपकी भी यही समस्या है तो कोरियन वेट लॉस डाइट आपकी मदद कर सकती है। दुनिया भर में लोग कोरियाई ब्यूटी टिप्स और उनके डाइट प्लान के दिवाने हैं। आइए जानते हैं आखिर क्या होती है यह कोरियन 'के पॉप डाइट' और क्या हैं इसके फायदे।

क्या है के-पॉप डाइट?

कोरियन डाइट या के-पॉप डाइट आजकल लोगों के बीच काफी चर्चा में बनी हुई है। इस डाइट की मदद से व्यक्ति बड़ी आसानी से अपना वजन कम कर सकता है। दरअसल, कोरियन डाइट में मील्स के बीच में स्नैक्स नहीं लिए जाते। इस डाइट में फैटी एसिड, शुगर या प्रोसेस्ड फूड को भी शामिल नहीं किया जाता है। के-पॉप डाइट में खाने को कम से कम प्रोसेस किया जाता है ताकि उसके गुण सुरक्षित रहें। इसमें ज्यादातर सब्जियां शामिल होती है और शुगर या फैट की मात्रा बहुत कम होती है। इससे वजन तो कम होता ही है साथ ही स्किन अच्छी होती है।

कोरिया की के-पॉप डाइट में क्या होता है

कोरियन डाइट में ज्यादातर सब्जियां शामिल होती है लेकिन शुगर या फैट की मात्रा बहुत कम होती है। डाइट फॉलो करनेवाले लोगों को आहार में कम कैलोरी वाले फूड्स जैसे-फल, सब्जियां, सूप और सलाद शामिल करना चाहिए, जो पौष्टिक होने के साथ पेट भरते हों। इसके अलावा डाइट में लीन मीट (चिकन), अंडे, टोफू, मशरूम और शिताके भी शामिल कर सकते हैं।

कोरियन डाइट प्लान के नियम

- कोरियन वेट लॉस डाइट प्लान में तय सीमा में कैलोरी लेने की सलाह नहीं दी जाती है। इस डाइट में व्यक्ति अपनी मर्जी से कैलोरी ले सकता है। इस डाइट प्लान में व्यंजनों, सूप और सब्जियों के ज्यादा से ज्यादा सेवन की सलाह दी जाती है।
- इस डाइट प्लान के साथ ज्यादा से ज्यादा योग और एक्सरसाइज करने की सलाह दी जाती है।
- इस डाइट को फॉलो करने वाले लोग दिन में 7 से 8 घंटे की पर्याप्त नींद भी जरूर लें।

के-पॉप डाइट के फायदे

- कोरियन डाइट में फाइबर की अधिकता होने से पेट भरा हुआ लगता है, जिससे व्यक्ति को बार-बार भूख नहीं लगती। कैलोरीज का सेवन कम करने की वजह से वजन कम करने में मदद मिलती है।
- हल्का खाने से आपको कब्ज या पेट दर्द जैसी समस्या नहीं होती। इसमें हल्का खाना होता है जिससे पेट को आराम मिलता है।
- इस डाइट में प्रोटीन ज्यादा लिया जाता है। जो बालों की ग्रोथ के लिए अच्छा माना जाता है। कोरियन डाइट लेने से आपके बालों को जरूरी पोषक तत्व मिलते हैं जिससे बाल लंबे और घने बनते हैं।
- इस डाइट में आप तली हुई चीजें, फास्ट फूड या तेल का इस्तेमाल नहीं करते जिसके चलते चेहरे पर मुंहासों की समस्या से निजात मिलता है।

लाल मिर्ची के इस्तेमाल से हार्ट अटैक पर पाया जा सकता है काबू

आजकल के ज्यादातर लोगों में सबसे गंभीर बीमारी हार्ट अटैक सामने आ रही है। अगर देखा जाए तो इस बीमारी की कोई उम्र सीमा नहीं हैं। यह बीमारी हमारे जीवनशैली यानी हमारे लाइफस्टाइल की वजह से होती हैं।

तनाव इस बिमारी की मुख्य वजह हैं। इस बीमारी का शिकार लोगों का ईलाज में लाखों रुपए लग जाते है। वहीं इस बीमारी का ईलाज आप 60 सेकंड में घर में भी कर सकते है वो भी मिर्च से। जी हां, मिर्च ऐसी चीज है अगर खाने में ना हो खाना ही बेस्वाद लगता है। और अगर यह खाने में ज्यादा हो जाए तो भी खाने वाले का बुरा हाल। अब बताते है कि लाल मिर्ची के इस्तेमाल से हार्ट अटैक पर केवल 60 सेकंड में काबू पाया जा सकता हैं। दरअसल एक मशहूर डॉक्टर जॉन क्रिस्टोफर का कहना हैं की, मैंने आज तक जितने भी हार्ट अटैक मरीजो के घर गया हूं उनमे से कोई भी मरा नहीं हैं। मैं उन्हें लाल मिर्च की चाय पिलाता हूं (एक कप गर्म पानी में एक चम्मच लाल मिर्च) और वह मिंटो में अपने पैरो पर खडे हो जाते हैं।

डॉलर की कमजोरी से सोना-चांदी में चमक बढ़ी

सोना 1400 रुपए चढ़ा, चांदी में भी 2800 की बढ़त

नई दिल्ली ।

सोने और चांदी की कीमतों में गुरुवार को एक बार फिर जोरदार तेजी दर्ज की गई। अमेरिकी डॉलर में कमजोरी और बॉन्ड यील्ड में नरमी के चलते दोनों कीमती धातुओं को समर्थन मिला, जिससे घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों बाजारों में इनकी चमक बढ़ गई। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि सोने और चांदी में यह तेजी आगे भी जारी रह सकती है, जो निवेशकों के लिए उत्साहजनक खबर है। घरेलू वायदा बाजार, मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने की कीमतों में बड़ी उछाल देखने को मिली। अक्टूबर वायदा का सोना लगभग 1400 रुपए बढ़कर 153,800 रुपए प्रति 10 ग्राम के पार निकल गया। चांदी भी इस दौड़ में पीछे नहीं रही, सितंबर वायदा का भाव करीब 2800 रुपए बढ़कर 2,32,750 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गया, जिसमें लगभग 1.2 प्रतिशत की मजबूती दर्ज की गई। अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में भी कीमती धातुओं ने एक महीने के निचले स्तरों से शानदार रिकवरी की। कॉमैक्स पर सोने का भाव करीब 1.4 प्रतिशत यानी 62 डॉलर बढ़कर 4476 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया। इस वैश्विक मजबूती का असर भारतीय बाजारों पर भी साफ तौर पर देखा गया। निर्मल बंग कमोडिटीज की एक रिपोर्ट के अनुसार, बाजार में गिरावट आने पर सोने में 153,500 रुपए के आसपास खरीदारी की रणनीति सुझाई गई है, जिसके लिए 152,300 रुपए का स्टॉप लॉस और 155,000 से 156,500 रुपए तक के लक्ष्य दिए गए हैं। चांदी में भी सकारात्मक रुख देखा गया है। रिपोर्ट में 239,000 के करीब खरीदारी करने की सलाह दी गई है, जिसमें 235,000 का स्टॉप लॉस और 246,000 से 250,000 रुपए तक के संभावित लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं। डॉलर में लगातार कमजोरी और बढ़ती वैश्विक अनिश्चितताओं के कारण निवेशकों का रुझान एक बार फिर सुरक्षित निवेश मानी जाने वाली इन कीमती धातुओं की ओर बढ़ रहा है।

ल्यूमिनो इंडस्ट्रीज का शेयर 34 प्रतिशत से अधिक बढ़त के साथ बाजार में सूचीबद्ध

नई दिल्ली।

कंडक्टर एवं बिजली केबल विनिर्माता कंपनी ल्यूमिनो इंडस्ट्रीज का शेयर अपने 82 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले 34 प्रतिशत से अधिक बढ़त के साथ गुरुवार को शेयर बाजारों में सूचीबद्ध हुआ। शेयर एनएसई पर 110 रुपये पर खुला, जो निर्गम मूल्य से 34.15 प्रतिशत अधिक है। बाद में यह 44.15 प्रतिशत चढ़कर 118.20 रुपये प्रति शेयर पर पहुंच गया।बीएसई पर इसने 32.93 प्रतिशत की बढ़त के साथ 109 रुपये पर शुरुआत की। बाद में इसमें 45.11 प्रतिशत की तेजी आई और यह 118.99 रुपये पर पहुंच गया। कंपनी का बाजार मूल्यांकन एनएसई पर 3,508.46 करोड़ रुपये और बीएसई पर 3,505.41 करोड़ रुपये रहा। ल्यूमिनो इंडस्ट्रीज के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को सोमवार को बोली के अंतिम दिन 118.12 गुना अभिदान मिला था। कंपनी के 700 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 78-82 रुपये प्रति शेयर था।नए शेयर जारी कर जुटाई गई राशि का इस्तेमाल कर्ज चुकाने, उपकरण और मशीनरी की खरीद तथा कंपनी के सामान्य कामकाज आदि के लिए किया जाएगा।

प्रसोल केमिकल्स का आईपीओ आठ सितंबर को खुलेगा

नई दिल्ली । विशेष रसायन बनाने वाली प्रसोल केमिकल्स लिमिटेड ने अपने 500 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) का मूल्य दायरा 643-676 रुपये प्रति शेयर तय किया है। कंपनी ने गुरुवार को बयान में कहा कि आईपीओ आठ सितंबर को खुलेगा और 10 सितंबर को बंद होगा। एंकर (बड़े) निवेशक सात सितंबर को बोली लगा सकेंगे।सार्वजनिक घोषणा के अनुसार, आईपीओ 80 करोड़ रुपये तक के नए शेयर और 420 करोड़ रुपये तक की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का मिश्रण होगा। नए शेयर से प्राप्त राशि का इस्तेमाल कर्ज चुकाने, कार्यशील पूंजी की जरूरतों को पूरा करने और सामान्य कामकाज के लिए किया जाएगा।वर्ष 1992 में प्राची पॉली प्रोडक्ट्स के नाम से शुरू हुई कंपनी ने 2007 में अपना नाम बदलकर प्रसोल केमिकल्स किया था। 2022 में यह सार्वजनिक कंपनी बनी। कंपनी एसीटोन तथा फॉस्फोरस आधारित और अन्य विशेष रसायनों का उत्पादन करती है।

डॉक्टरों की कमी के बीच विदेशी मेडिकल ग्रेजुएट्स की राह मुश्किल

अनिवार्य लाइसेंस परीक्षा में 87 फीसदी से अधिक फेल

नई दिल्ली ।
भारत गंभीर डॉक्टरों की कमी से जूझ रहा है, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में विशेषज्ञ डॉक्टरों का अभाव गहराता जा रहा है। इस बीच विदेश से मेडिकल की पढ़ाई पूरी कर लौटे हजारों भारतीय स्नातक देश की स्वास्थ्य व्यवस्था में शामिल नहीं हो पा रहे हैं। हाल ही में हुई अनिवार्य लाइसेंस परीक्षा में 87 प्रतिशत से अधिक उम्मीदवार असफल रहे, जिससे देश की चिकित्सा जरूरतों को पूरा करने की चुनौती और भी बढ़ गई है। राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान परीक्षा बोर्ड (एनबीईएमएस) द्वारा हाल ही में आयोजित फॉरेन मेडिकल ग्रैजुएट परीक्षा (एफएमजीई) में चौंकाने वाले नतीजे सामने आए हैं। 37,448 पंजीकृत उम्मीदवारों में से 36,288 ने परीक्षा दी, लेकिन केवल 4,635 (12.77 प्रतिशत) ही इसे पास कर पाए। यह स्थिति ऐसे समय में आई है जब भारत में डॉक्टरों की भारी कमी है और वे समान रूप से उपलब्ध नहीं हैं। स्वास्थ्य विभाग की एक रिपोर्ट के अनुसार, मार्च 2023 तक ग्रामीण सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) में 21,964 विशेषज्ञ डॉक्टरों की आवश्यकता के मुकाबले केवल 4,413 ही उपलब्ध थे, यानी लगभग 80 प्रतिशत की कमी। दिल्ली स्थित एम्स के एक रेजिडेंट डॉक्टर ने नाम न छापने की शर्त

पर बताया, देश में मेडिकल शिक्षा महंगी होने के कारण हजारों छात्रों को एमबीबीएस की पढ़ाई के लिए विदेश जाना पड़ता है। भारत में हर साल 22 लाख से अधिक छात्र नीट-यूजी परीक्षा देते हैं, जबकि देश में एमबीबीएस की केवल 1.30 लाख स्नातक सीटें ही उपलब्ध हैं। इनमें से लगभग 63,700 सीटें सरकारी कॉलेजों में हैं, जिनकी फीस निजी और डीम्ड विश्वविद्यालयों की तुलना में काफी कम होती है। निजी मेडिकल कॉलेजों में पढ़ाई का खर्च 80 लाख रुपये से 1 करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है, जिससे यह मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए एक मुश्किल सपना बन जाता है।

एफएसएसएआई ने ब्रिटिश लाइफसाइंसेज के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू की

3.7 टन उत्पाद नष्ट करने का आदेश

नई दिल्ली ।

भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने बेंगलुरु स्थित ब्रिटिश लाइफसाइंसेज के खिलाफ कड़े नियामक कदम उठाए हैं। निरीक्षण के दौरान कंपनी के परिसर में बड़ी मात्रा में गलत लेबल वाले और अवधि समाप्त शिशु खाद्य उत्पाद पाए गए, जिसके बाद एफएसएसएआई ने कानूनी कार्यवाही शुरू कर दी है। एफएसएसएआई ने बताया कि खाद्य सुरक्षा जांच के दौरान, खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के प्रावधानों का उल्लंघन करते हुए बड़ी मात्रा में गलत लेबल वाले शिशु खाद्य पदार्थों की पहचान कर उन्हें जब्त किया गया। नियामक ने इन उल्लंघनों की गंभीर प्रकृति और मानकों का पालन न करने वाले उत्पादों से शिशुओं तथा छोटे बच्चों को होने वाले संभावित जोखिम को देखते हुए कंपनी के खिलाफ उचित कानूनी कार्यवाही आरंभ की है। इसके अतिरिक्त, एफएसएसएआई ने अदालत के निर्देशानुसार 3.7 टन अवधि समाप्त हो चुके शिशु खाद्य पदार्थों को नष्ट करने का आदेश दिया। इन खराब हो चुके उत्पादों का सुरक्षित तरीके से निपटान सुनिश्चित किया गया है ताकि उनके दोबारा इस्तेमाल, गलत जगह भेजे जाने या खाद्य आपूर्ति श्रृंखला में फिर से शामिल किए जाने को रोका जा सके। यह कार्रवाई शिशुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्रति नियामक की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

आरबीआई की विशेष योजना सफल, भारत में पहुंचे 136 अरब डॉलर

एनआरआई ने जमा किए सर्वाधिक 127 अरब डॉलर

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की विशेष विदेशी मुद्रा जुटाने वाली योजना को अभूतपूर्व सफलता मिली है। 31 अगस्त तक इसके तहत देश में रिकॉर्ड 136 अरब डॉलर की विदेशी मुद्रा आ चुकी है, जिससे विदेशी मुद्रा भंडार मजबूत हुआ है। इस राशि का मुख्य हिस्सा (करीब 127 अरब डॉलर या 93 फीसदी) विदेशों में रहने वाले भारतीयों (एनआरआई) द्वारा जमा किया गया। शेष भारतीय कंपनियों की उधारी से आया। आरबीआई ने 8 जून को यह योजना वैश्विक अस्थिरता से अर्थव्यवस्था को सुरक्षा कवच देने हेतु शुरू की थी। शुरुआत में धीमी गति के बाद, अगस्त के अंतिम 10 दिनों में 63 अरब डॉलर से अधिक की अप्रत्याशित तेजी देखी गई। इस त्वरित सफलता के चलते, आरबीआई ने एनआरआई जमा विकल्प को निर्धारित समय से पहले 31 अगस्त को ही बंद कर दिया। यह 2013 की समान योजना से पांच गुना अधिक विदेशी मुद्रा जुटाने का रिकॉर्ड है। एनआरआई की यह भागीदारी भारत की अर्थव्यवस्था में उनके गहरे भरोसे को दर्शाती है। मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार रुपये को स्थिर रखेगा, आयात लागत पर दबाव कम करेगा और महंगाई नियंत्रण में सहायक होगा। इसका लाभ आम आदमी को आर्थिक स्थिरता के रूप में मिलेगा।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 417, निफ्टी 41 अंक गिरा

मुम्बई।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ने और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल से भी बाजार पर दबाव आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 417.49 अंक नीचे आकर 76,152.86 पर और 50 शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी 41 अंक टूटकर 23,873.45 पर बंद हुआ। आज बीएसई पर 4546 शेयरों में कारोबार हुआ, जिसमें से 2552 शेयरों में बढ़त दर्ज की गयी जबकि 1769 शेयरों में गिरावट आई और 225 शेयरों में कोई बदलाव नहीं हुआ।

निफ्टी पर सबसे ज्यादा बढ़त वाले शेयरों में अदाणी पोर्ट्स, एक्सिस बैंक, एचडीएफसी

बैंक, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स और एशियन पेंट्स शामिल रहे।

वहीं टेक महिंद्रा, सिप्ला, बजाज ऑटो और एमएंडएम के शेयर गिरे। सेक्टर के हिसाब से देखें तो आज ऑटो, फार्मा और एफएमसीजी में गिरावट आई, जबकि रियल्टी इंडेक्स और मीडिया इंडेक्स में बढ़त हुई। पीएसयू बैंक और प्राइवेट बैंक में भी बढ़त रही। निफ्टी मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स 1.2 प्रतिशत उछला। इससे पहले आज सुबह बाजार की तेज शुरुआत हुई।

सुबह बाजार तेजी के साथ खुले, सेंसेक्स 220 अंकों से अधिक की मजबूती के साथ 76,800 के स्तर के पास कारोबार कर रहा था जबकि निफ्टी करीब 80 अंकों की तेजी के साथ 24,000 के करीब पहुंच गया।

बढ़ती यील्ड के बावजूद लार्जकैप आकर्षक, इक्विटी रिस्क प्रीमियम ऊंचे स्तर पर

खुदरा निवेश की लहर के बावजूद स्मॉलकैप पर महंगी पूंजी और कच्चे माल का बोझ

नई दिल्ली ।
बढ़ती बॉन्ड यील्ड और वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारतीय शेयर बाजार में निवेशकों के लिए एक दिलचस्प तस्वीर उभर रही है। जहां एक ओर बॉन्ड यील्ड में तेजी ने चिंता बढ़ाई है, वहीं लार्जकैप शेयर अपेक्षाकृत आकर्षक नजर आ रहे हैं। इसके विपरीत, मिडकैप और स्मॉलकैप सेगमेंट ऊंचे मूल्यांकन के चलते महंगे बने हुए हैं, जिससे बाजार अब टू-स्पीड मोड में प्रवेश करता दिख रहा है। वर्तमान में जब 10 साल के बॉन्ड की यील्ड 6.9 फीसदी तक पहुंच गई, तो भारतीय बाजार के निवेशक चिंतित हो गए। खासकर ऐसे समय में जब निफ्टी 50 इंडेक्स ने पिछले एक साल में 3 फीसदी का घाटा दिया है और तेल की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। हालांकि, इन चुनौतियों के बावजूद, आंकड़ों से पता चलता है कि निफ्टी 50 के लिए इक्विटी रिस्क प्रीमियम (यानी शेयर से होने वाली कमाई और 10 साल के सरकारी बॉन्ड से मिलने वाले रिटर्न के बीच का अंतर) दीर्घावधि के सबसे अच्छे स्तरों पर है। 2012 से अब तक के साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार, निफ्टी 50 का इक्विटी रिस्क प्रीमियम माइनस 2.41 फीसदी पर 66वें परसेंटाइल पर है। इसका सीधा मतलब है कि पिछले 10 सालों में 66 फीसदी हफ्तों में अर्निंग यील्ड और बॉन्ड यील्ड के बीच का अंतर अभी की तुलना में अधिक था, यानी लार्जकैप इस समय अपेक्षाकृत अधिक आकर्षक हैं। निफ्टी 50 इंडेक्स की अर्निंग्स यील्ड 4.61 फीसदी है, जो बढ़ती बॉन्ड यील्ड के बावजूद इसे निवेशकों के लिए लुभावना बनाती है। इसके विपरीत, मिडकैप और स्मॉलकैप सेगमेंट की तस्वीर अलग है। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स के लिए इक्विटी रिस्क प्रीमियम माइनस 3.85 फीसदी (26वां परसेंटाइल) है, और स्मॉलकैप इंडेक्स के लिए माइनस 3.61 फीसदी (32वां परसेंटाइल) है। यह दर्शाता है कि ऐतिहासिक रूप से मिडकैप और स्मॉलकैप कम आकर्षक स्तरों पर हैं।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया गुरुवार को 26 अंकों की तेजी के साथ 94.47 पर बंद हुआ। रुपया आज सुबह शुरुआती कारोबार में 47 पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.26 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा अनिवासी (बैंक) यानी एफसीएनआर (बी) जमा में उम्मीद से काफी अधिक राशि जुटने से रुपये को समर्थन मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि रुपये की चाल मजबूत पूंजी प्रवाह और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के आक्रामक हस्तक्षेप को दर्शाती है, जिसने कच्चे तेल की ऊंची कीमतों तथा वैश्विक बॉन्ड प्रतिफल में वृद्धि के नकारात्मक असर को बेअसर किया है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 94.30 प्रति डॉलर पर खुला। फिर बढ़त हासिल करते हुए 94.26 प्रति डॉलर के स्तर तक पहुंच गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 47 पैसे की बढ़त है। रुपया बुधवार को 22 पैसे की तेजी के साथ 94.73 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।इस बीच, दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को मापने वाला डॉलर सूचकांक 0.16 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 99.43 पर रहा।

एसबीआई यूपीआई सेवा 4 सितंबर रात 45 मिनट के लिए बंद रहेगी

बैंक ने बताया मेंटेनेंस के कारण, रात 12:15 बजे से 1:00 बजे तक नहीं होगा भुगतान

नई दिल्ली
अगर आप भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के यूपीआई यूजर हैं तो यह खबर आपके लिए महत्वपूर्ण है। बैंक ने घोषणा की है कि 4 सितंबर की रात को उसकी यूपीआई सेवाएं 45 मिनट के लिए अस्थायी रूप से उपलब्ध नहीं रहेंगी। यह रुकावट सिस्टम के निर्धारित मेंटेनेंस के कारण होगी, जिससे ग्राहकों को इस अवधि में ऑनलाइन भुगतान में असुविधा का सामना करना पड़ सकता है। एसबीआई के अनुसार सेवाएं 4 सितंबर की रात 12:15 बजे से 1:00 बजे तक बंद रहेंगी।

इस दौरान, ग्राहक यूपीआई के माध्यम से पैसे भेजने, बिल भरने या ऑनलाइन खरीदारी जैसे कोई भी भुगतान नहीं कर पाएंगे। बैंक ने ग्राहकों को सलाह दी है कि यदि उन्हें इस अवधि के आसपास कोई जरूरी भुगतान करना है, तो उसे पहले ही निपटा लें। अचानक परेशानी से बचने के लिए वैकल्पिक डिजिटल भुगतान विकल्पों को भी तैयार रखने की सलाह दी गई है।

एसबीआई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के माध्यम से ग्राहकों को सूचित करते हुए असुविधा के लिए खेद व्यक्त किया है। बैंक ने इस अवधि के दौरान छोटे भुगतानों के लिए यूपीआई लाइट का विकल्प भी सुझाया है।

बढ़ती यील्ड के बावजूद लार्जकैप आकर्षक, इक्विटी रिस्क प्रीमियम ऊंचे स्तर पर

खुदरा निवेश की लहर के बावजूद स्मॉलकैप पर महंगी पूंजी और कच्चे माल का बोझ

नई दिल्ली ।

बढ़ती बॉन्ड यील्ड और वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारतीय शेयर बाजार में निवेशकों के लिए एक दिलचस्प तस्वीर उभर रही है। जहां एक ओर बॉन्ड यील्ड में तेजी ने चिंता बढ़ाई है, वहीं लार्जकैप शेयर अपेक्षाकृत आकर्षक नजर आ रहे हैं। इसके विपरीत, मिडकैप और स्मॉलकैप सेगमेंट ऊंचे मूल्यांकन के चलते महंगे बने हुए हैं, जिससे बाजार अब टू-स्पीड मोड में प्रवेश करता दिख रहा है। वर्तमान में जब 10 साल के बॉन्ड की यील्ड 6.9 फीसदी तक पहुंच गई, तो भारतीय बाजार के निवेशक चिंतित हो गए। खासकर ऐसे समय में जब निफ्टी 50 इंडेक्स ने पिछले एक साल में 3 फीसदी का घाटा दिया है और तेल की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं।

हालांकि, इन चुनौतियों के बावजूद, आंकड़ों से पता चलता है कि निफ्टी 50 के लिए इक्विटी रिस्क प्रीमियम (यानी शेयर से होने वाली कमाई और 10 साल के सरकारी बॉन्ड से मिलने वाले रिटर्न के बीच का अंतर) दीर्घावधि के सबसे अच्छे स्तरों पर है।

2012 से अब तक के साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार, निफ्टी 50 का इक्विटी रिस्क प्रीमियम माइनस 2.41 फीसदी पर 66वें परसेंटाइल पर है। इसका सीधा मतलब है कि पिछले 10 सालों में 66 फीसदी हफ्तों में अर्निंग यील्ड और बॉन्ड यील्ड के बीच का अंतर अभी की तुलना में अधिक था, यानी लार्जकैप इस समय अपेक्षाकृत अधिक आकर्षक हैं। निफ्टी 50 इंडेक्स की अर्निंग्स यील्ड 4.61 फीसदी है, जो बढ़ती बॉन्ड यील्ड के बावजूद इसे निवेशकों के लिए लुभावना बनाती है। इसके विपरीत, मिडकैप और स्मॉलकैप सेगमेंट की तस्वीर अलग है। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स के लिए इक्विटी रिस्क प्रीमियम माइनस 3.85 फीसदी (26वां परसेंटाइल) है, और स्मॉलकैप इंडेक्स के लिए माइनस 3.61 फीसदी (32वां परसेंटाइल) है। यह दर्शाता है कि ऐतिहासिक रूप से मिडकैप और स्मॉलकैप कम आकर्षक स्तरों पर हैं। 31 गुना और 33 गुना के पीई मल्टीपल के साथ, ये सेगमेंट पिछले 14 वर्षों की तुलना में बहुत महंगे हैं। उनका रिस्क प्रीमियम पिछले 14 सालों के निचले क्वार्टाइल में है, जो 2023-24 की उस तेजी का परिणाम है जिसे नियामक ने खुद अत्यधिक तेजी वाला बताया था। यह स्थिति बाजार को दो स्पष्ट दिशाओं में बांटती है- एक तरफ वैल्यू के लिहाज से आकर्षक लार्जकैप सेगमेंट, जो भारत की ब्लूचिप कंपनियां हैं और पिछले दो सालों से विदेशी निवेश की निकासी झेल रही हैं।

हैकरों से एक कदम आगे रहना होगा ऑटो उद्योग को:मारुति सुजुकी

उद्योग को अपनी सुरक्षा प्रणालियों को लगातार मजबूत करना होगा

नई दिल्ली।

मारुति सुजुकी इंडिया के एक वरिष्ठ अधिकारी ने भारतीय वाहन उद्योग को साइबर हमलों से एक कदम आगे रहने का आह्वान किया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि हैकर लगातार अपनी तकनीक को उन्नत कर रहे हैं, जिसके मद्देनजर उद्योग को अपनी सुरक्षा प्रणालियों को लगातार मजबूत करना होगा। हाल के वर्षों में कई बड़े साइबर हमलों ने इस चुनौती को और बढ़ा दिया है, जिससे अरबों रुपये का आर्थिक नुकसान हुआ है।

ऑटोमोटिव कंपोनेंट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एक्मा) के 66वें सालाना सत्र में अपने भाषण के दौरान ताकेउची ने कहा कि जैसे-जैसे उद्योग अधिक डिजिटल होता जा रहा है, साइबर सुरक्षा उतनी ही महत्वपूर्ण होती जा रही है। उन्होंने स्वीकार किया कि संगठन आधुनिक तकनीक में निवेश कर अपने साइबर सुरक्षा सिस्टम को मजबूत कर रहे हैं, लेकिन साथ ही हैकर्स भी अपनी तकनीक को बेहतर और अधिक स्मार्ट बना रहे हैं।

ऐसे में यह सुनिश्चित करना होगा कि हम उनसे हमेशा एक कदम आगे रहें। उन्होंने सितंबर 2025 में टाटा मोटर्स की कंपनी जगुआर लैंड रोवर (जेएलआर) पर हुए बड़े साइबर हमले का उदाहरण दिया। इस हमले के कारण ब्रिटिश लग्जरी कार कंपनी को अपने आईटी सिस्टम बंद करने पड़े और ब्रिटेन के संयंत्र में उत्पादन लगभग छह सप्ताह तक रोकना पड़ा। इस रुकावट ने विनिर्माण, रिटेल और वितरण पर गंभीर असर डाला, जिससे जेएलआर को 19.6 करोड़ पौंड का भारी खर्च उठाना पड़ा। थोक बिक्री में 24 प्रतिशत और रिटेल बिक्री में 17 प्रतिशत की गिरावट आई। इस घटना ने यह स्पष्ट कर दिया कि कैसे एक कार निर्माता पर हुआ साइबर हमला उसकी पूरी आपूर्ति श्रृंखला को प्रभावित कर सकता है।

जेएलआर की घटना से पहले, मई 2023 में सुजुकी मोटरसाइकल इंडिया को भी साइबर हमले का शिकार होना पड़ा था। इस हमले के कारण कंपनी को लगभग एक सप्ताह के लिए अपने संयंत्रों में उत्पादन रोकना पड़ा, जिससे अनुमानित रूप से 20,000 से अधिक दोपहिया वाहनों का नुकसान हुआ था। ये घटनाएं भारतीय वाहन उद्योग के लिए साइबर सुरक्षा को एक अनिवार्य प्राथमिकता बनाती हैं।

ई-कॉमर्स सेक्टर में बंपर भर्तियां, त्योहारी सीजन ला रहा लाखों रोजगार

- मीशो 10 लाख, अमेजन 1.6 लाख से अधिक रोजगार के अवसर देगा

नई दिल्ली ।

त्योहारी सीजन शुरू होते ही ई-कॉमर्स और लॉजिस्टिक्स कंपनियों ने रोजगार के नए द्वार खोल दिए हैं। इस साल मांग में भारी उछाल की उम्मीद के चलते मीशो और अमेजन जैसी दिग्गज कंपनियां मिलकर लाखों नए रोजगार के अवसर पैदा कर रही हैं। यह हायरिंग प्रक्रिया अगस्त से शुरू होकर सर्दियों के शादी सीजन तक जारी रहने की संभावना है।

त्योहारी सीजन के नजदीक आते ही ई-कॉमर्स और लॉजिस्टिक्स कंपनियों ने उपभोक्ताओं की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए बड़े पैमाने पर भर्तियां शुरू कर दी हैं। इस साल त्योहारी बिक्री स्वतंत्रता दिवस और रक्षा बंधन के साथ अगस्त में ही अपेक्षाकृत जल्दी शुरू हो चुकी है, जिसके दीवाली और उसके बाद सर्दियों के शादी के सीजन तक जारी रहने की उम्मीद है।

ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म मीशो इस त्योहारी सीजन में 10 लाख से अधिक रोजगार के अवसर पैदा करने का लक्ष्य लेकर चल रहा है। इसमें लगभग 6.5 लाख लोग उसके विक्रेता नेटवर्क से जुड़ेंगे, जबकि करीब 3.75 लाख लोग लॉजिस्टिक्स विभाग में काम करेंगे। मीशो का लॉजिस्टिक्स प्लेटफॉर्म वाल्मो अन्य भागीदारों के साथ मिलकर डिलीवरी, सॉर्टेशन और सेंटर संचालन जैसी भूमिकाओं के लिए लोगों को नियुक्त करेगा।

कंपनी के प्रवक्ता के अनुसार, त्योहारी सीजन ऑनलाइन खरीदारी के लिए बेहद महत्वपूर्ण अवसर होता है। इसी क्रम में, ई-कॉमर्स दिग्गज अमेजन ने भी देशभर में अपने नेटवर्क में 1,60,000 से अधिक रोजगार अवसर पैदा किए हैं। इसमें क्यूकॉम वर्टिकल अमेजन नाउ भी शामिल है। कंपनी देश के करीब 400 शहरों में पिकिंग, पैकिंग, शिपिंग और डिलीवरी जैसी प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष भूमिकाओं के लिए कर्मचारियों की भर्ती कर रही है। ये भर्तियां त्योहारी मांग को कुशलतापूर्वक संभालने में सहायक होंगी।

ज्वेरेव ने टाला उलटफेर

यूएस ओपनः लोरेंजो सोनेगो को 5 सेट चले मुकाबले में हराया

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। टॉप सीडेड अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने आर्थर ऐश स्टेडियम में यूएस ओपन 2026 के पहले राउंड में बिना सीड वाले इटैलियन लोरेंजो सोनेगो को 6-4, 3-6, 6-7(7), 7-5, 6-4 से शिकस्त दी। जीत के साथ ज्वेरेव ने अगले दौर में जगह बना ली है। अलेक्जेंडर ज्वेरेव चौथे सेट में 4-5 से हार से दो पॉइंट दूर थे, फिर भी उन्होंने बाद के नियंत्रण हासिल किया और 4 घंटे, 53 मिनट तक चले मुकाबले में जीत हासिल की।

जर्मन खिलाड़ी ने सोनेगो के खिलाफ 6-0 के परफेक्ट एटीपी हेड-टू-हेड रिकॉर्ड के साथ मैच में एंट्री की। यह रिकॉर्ड ज्यादा मायने नहीं रखता क्योंकि वर्ल्ड नंबर 89 ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए ज्वेरेव की राह मुश्किल कर दी थी। मैच के दौरान सोनेगो की जोरदार शॉट-मेकिंग और हिम्मत देखने को मिली, जिससे मुकाबला बेहद रोमांचक हो गया था।

इस सीजन में सबसे ज्यादा 47 टूर-लेवल मैच जीतने वाले अलेक्जेंडर ज्वेरेव का दूसरे राउंड में फ्रांस के क्वेंटिन हेलिस के साथ मुकाबला होगा।

इससे पहले, फ्लेवियो कोबोली ने यूएस ओपन में अपने करियर में पहली बार दो सेट हारने के बाद वापसी की, जहां उन्होंने अर्जेंटीना के फ्रांसिस्को कोमेसाना को 3-6, 2-6, 6-3, 6-4, 6-4 से हराकर 4 घंटे और 12 मिनट के रोमांचक खेल के बाद दूसरे राउंड में जगह बनाई। कोबोली की वापसी ने 25 साल के इटैलियन को साल के आखिरी मेजर में सिर्फ तीन दिन में, नंबर 4 नोवाक जोकोविच और नंबर 10 आर्थर फिल्स के साथ पुरुषों के ड्रॉ में शुरुआती हार से बचा लिया। इटैलियन को ग्रैंड स्लैम में कामयाबी तब मिली जब वह रोलैंड गैरोस के फाइनल में पहुंचे, जहां वह ज्वेरेव से पांच सेट में हार गए।

फ्रेंच ओपन वाली सफलता यूएस ओपन में दोहराना चाहता हूं: एलेक्जेंडर ज्वेरेव

यूएस ओपन 2026 की शुरुआत हो चुकी है। नोवाक जोकोविच का पहले राउंड से बाहर होना अब तक की सबसे बड़ी खबर है। जानिक सिनर के इंजरी की वजह से टूर्नामेंट के बाहर रहने और जोकोविच के बाहर होने से स्पेन के कार्लोस अल्काराज और जर्मनी के एलेक्जेंडर ज्वेरेव के बीच एकल का खिताबी मुकाबला होने की प्रबल संभावना बन गई है।

अल्काराज और ज्वेरेव दोनों ही दूसरे दौर में जगह बना चुके हैं। फ्रेंच ओपन 2026 का खिताब जीतने वाले एलेक्जेंडर ज्वेरेव की नजर अपने पहले यूएस ओपन और दूसरे ग्रैंड स्लैम खिताब पर है। एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने अपने पहले मैच में इटली के लोरेंजो सोनेगो को हराया। ज्वेरेव ने सोनेगो के खिलाफ जीत के बाद जियोहॉटस्टार से बात करते हुए यूएस ओपन 2026 जीतने की इच्छा जताई है। जर्मन खिलाड़ी ने कहा, 'मुझे लगता है कि जीत कड़ी मेहनत का नतीजा था जो मैंने इतने सालों में की है। कई बार, मैं थोड़ा पीछे रह गया। शायद इसी वजह से आखिर में पांचवें सेट में फ्लाविया के खिलाफ फर्क पड़ा। मैं जीतने के लिए सच में तैयार महसूस कर रहा था, जो दूसरे फाइनल की तुलना में एक अलग तरह की फीलिंग थी। बेशक, मैं खुश हूं कि ऐसा हुआ। अब हम न्यूयॉर्क में हैं, और मैं इसे फिर से करने की कोशिश करना चाहता हूं।' फ्रेंच ओपन 2026 ज्वेरेव का पहला ग्रैंड स्लैम था। उस अनुभव को याद करते हुए ज्वेरेव ने कहा, 'मेरे कंधों पर जरूर कुछ बोझ था, खासकर जिस उम्र में मैं हूं। आपको कभी नहीं पता होता कि यह कभी होगा भी या नहीं। इसलिए, मैं आखिरकार अपनी पहली ग्रैंड स्लैम ट्रॉफी उठाकर बहुत खुश था, लेकिन अब, एक बार जब आप ऐसा कर लेते हैं, तो आप और चाहते हैं।

कार्लोस अल्काराज पहला सेट हारने के बावजूद जीते, तीसरे राउंड में जगह बनाई

न्यूयॉर्क। कार्लोस अल्काराज ने यूएस ओपन 2026 के पुरुष एकल के तीसरे राउंड में जगह बना ली है। तीसरा यूएस ओपन जीतने की कोशिश कर रहे अल्काराज ने जैमे फारिया को हराकर तीसरे राउंड में जगह बनाई। अल्काराज की जीत इसलिए भी अहम है, क्योंकि उन्होंने पहला सेट गंवा दिया था। आर्थर ऐश स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में अल्काराज ने जैमे फारिया को 4-6, 6-0, 6-3, 6-2 से हराया। कलाई की चोट की वजह से चार महीने के ब्रेक के बाद लौटे नंबर 3 सीड वाले स्पेन के अल्काराज ने 72वीं रैंक वाले पुर्तगाली खिलाड़ी फारिया को हराकर टेनिस कोर्ट पर एक बार फिर अपने दबदबे को साबित किया। फारिया ने पहला सेट 6-4 से जीतकर सबका ध्यान खींचा। पहले सेट में उतार-चढ़ाव के बाद, अल्काराज ने दूसरे सेट के अपने शुरुआती सर्विस गेम में एक ब्रेक पॉइंट बचाया और फिर लगातार आठ गेम जीत, सेट 6-0 अपने नाम किया। तीसरे सेट में अल्काराज ने लगातार आठ गेम जीते और फारिया की सर्विस लगातार पांच बार तोड़कर 6-3 से अपने नाम किया। इसके बाद अल्काराज ने चौथा सेट भी 6-2 से अपने नाम किया। अल्काराज की यह जीत अमेरिकन स्लैम में उनकी 26वीं मेन-ड्रॉ जीत है, जो चार मेजर में उनका सबसे बड़ा रिकॉर्ड है। अल्काराज 2004 से 2008 तक रोजर फेडरर के लगातार पांच बार जीतने के बाद यूएस ओपन टाइटल बचाने वाले पहले खिलाड़ी बनने की कोशिश कर रहे हैं। एटीपी नंबर 1 क्लब के सदस्य न्यूयॉर्क में दो बार के चैंपियन हैं। अल्काराज ने 2022 और 2025 में यूएस ओपन का खिताब जीता था। अल्काराज सबसे कम उम्र में ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाले खिलाड़ी हैं। स्पेन के कार्लोस का अगला मुकाबला चीन के वू यिबिंग से होगा, जिन्होंने जेम्स डकवर्थ को 7-5, 6-3, और 6-1 से हराया।

सीपीएल 2026

क्विंटन डी कॉक का शतक बेकार, सेंट किट्स ने बारबाडोस को 6 विकेट से हराया

सेंट किट्स। वॉर्नर पार्क में कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) 2026 का 23वां मुकाबला बारबाडोस ट्राइडेंट्स और सेंट किट्स और नेविस पैट्रियट्स के बीच खेला गया। बारबाडोस ट्राइडेंट्स को क्विंटन डी कॉक की शतकीय पारी के बावजूद 6 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। सेंट किट्स और नेविस पैट्रियट्स ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी थी। पहले बल्लेबाजी करते हुए बारबाडोस ट्राइडेंट्स ने विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डी कॉक के शतक की बदौलत

4 विकेट पर 217 रन बनाए थे। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए डी कॉक ने 57 गेंदों पर 6 छक्कों और 11 चौकों की बदौलत 106 रन की पारी खेली। इसके अलावा, सलामी बल्लेबाज जैकरी कार्टर ने 36 गेंदों पर 57 रन बनाए। कार्टर ने अपनी पारी में 7 छक्के लगाए। शेफरन रदरफोर्ड ने 26 और कप्तान क्रिस ग्रीन ने 18 रन की पारी खेली।

सेंट किट्स और नेविस पैट्रियट्स के लिए नसीम शाह ने 2, कप्तान जेसन होल्डर और वानिंदु हसरंगा ने 1-1 विकेट लिए। 218 रन के लक्ष्य को हासिल करने उतरी बारबाडोस ट्राइडेंट्स ने विस्फोटक शुरुआत की। जॉनसन चार्ल्स और काइल मायर्स ने पहले विकेट के लिए 10.2 ओवर में 112 रन जोड़े। मायर्स के रन आउट होने से यह जोड़ी टूटी। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 27 गेंदों पर 29 रन बनाए।

चार्ल्स ज्यादा आक्रामक रहे। इस विस्फोटक बल्लेबाज ने 45 गेंदों पर 7 छक्कों और 6 चौकों की मदद से 78 रन की पारी खेली। तीसरे नंबर पर प्रमोट किए दासुन शनाका ने 22 गेंदों पर 2 छक्कों और 2 चौकों की मदद से 36 रन की पारी खेली। कप्तान जेसन होल्डर ने 11 गेंदों पर 18 रन बनाए। आंद्रे फ्लेचर ने 8 गेंदों पर 3 छक्कों की मदद से नाबाद 22 और वानिंदु हसरंगा ने 4 गेंदों पर 1 छक्का और 3 चौके की मदद से नाबाद 18 रन बनाकर टीम का स्कोर 19.1 ओवर में 4 विकेट पर 220 तक पहुंचाया और 5 गेंद पहले 6 विकेट से जीत दिला दी।

विमेंस एशिया कप

सादिया के नाम 3 विकेट, 'लो-स्कोरिंग मैच' में पाकिस्तान ने थाईलैंड को 35 रन से हराया

दुबई। पाकिस्तान ने जीत के साथ विमेंस एशिया कप 2026 में अपने अभियान की शुरुआत की है। इस टीम ने मंगलवार को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में थाईलैंड को 35 रन से मात दी। टॉस जीतकर बल्लेबाजी के लिए उतरी पाकिस्तानी टीम निर्धारित ओवरों में 9 विकेट खोकर 119 रन ही बना सकी।

इस टीम को दूसरे ओवर की दूसरी गेंद पर शवाल जुल्फिकार (1) के रूप में शुरुआती झटका लगा। इसी ओवर की अंतिम गेंद पर गुल फिरोजा (0) भी पवेलियन लौट गईं। यहां से

मुनीबा अली ने आयशा जफर के साथ तीसरे विकेट के लिए 17 रन जुटाए। आयशा टीम के खाते में सिर्फ 9 रन ही जुटा सकीं। इसके बाद मुनीबा अली ने सदाफ शमास के साथ चौथे विकेट के लिए 48 गेंदों में 54 रन जुटाकर टीम को 77 के स्कोर तक पहुंचाया, लेकिन 12वें ओवर की चौथी और छठी गेंद पर सदाफ (20) और कप्तान फातिमा सना (0) अपना विकेट खो बैठीं। इसके बाद टीम निरंतर अंतराल पर विकेट गंवाती रही और निर्धारित ओवरों में 9 विकेट खोकर 119 रन ही जुटा सकी।

विपक्षी खेमे से थिपाचा पुत्थावोंग ने 18 रन देकर 3 विकेट हासिल किए, जबकि सुलीपोर्न लाओमी ने 14 रन देकर 3 विकेट निकाले। इनके अलावा, फनिता माया ने 2 विकेट और सुनिदा चतुरोंगरात्तन ने 1 सफलता प्राप्त की। इसके जवाब में थाईलैंड 20 ओवरों के खेल में 8 विकेट खोकर 84 रन ही बना सकी।

दलीप ट्रॉफी

तिलक वर्मा ने खेली अर्धशतकीय पारी

बेंगलुरु। दलीप ट्रॉफी के दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में साउथ जोन ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए नॉर्थ जोन को 7 विकेट से हराया। नॉर्थ जोन से मिले 181 रनों के लक्ष्य को साउथ जोन ने आसानी से 3 विकेट खोकर हासिल कर लिया। कप्तान तिलक वर्मा का प्रदर्शन बल्ले से दमदार रहा। लक्ष्य का पीछा करने उतरी साउथ जोन की शुरुआत अच्छी रही। रिकी भुई और एन जगदीशन ने मिलकर पहले विकेट के लिए 64 रनों की अहम साझेदारी निभाई। जगदीशन 5 चौकों की मदद से 43 रन बनाकर आउट हुए, जबकि रिकी भुई 42 रन बनाने के बाद गुरनूर बरार का शिकार बने। शेख रशीद बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और सिर्फ एक रन बनाकर आउट हुए। हालांकि, इसके बाद कप्तान तिलक वर्मा और समरण रविचंद्रन ने साउथ जोन को कोई और झटका नहीं लगने दिया और चौथे विकेट के लिए 80 रनों की अटूट साझेदारी निभाते हुए टीम को जीत दिलाई। पहली पारी में शतक लगाने वाले तिलक ने दूसरी इनिंग में 79 गेंदों में 51 रनों की नाबाद पारी खेली। अपनी इस पारी के दौरान उन्होंने 8 चौके लगाए। वहीं, समरण 42 गेंदों में 4 चौके और एक छक्के की मदद से 32 रन बनाकर नॉटआउट रहे।

विमेंस एशिया कप

पाकिस्तान ने थाईलैंड को 35 रन से हराया

दुबई। पाकिस्तान ने जीत के साथ विमेंस एशिया कप 2026 में अपने अभियान की शुरुआत की है। इस टीम ने मंगलवार को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में थाईलैंड को 35 रन से मात दी। टॉस जीतकर बल्लेबाजी के लिए उतरी पाकिस्तानी टीम निर्धारित ओवरों में 9 विकेट खोकर 119 रन ही बना सकी।

इस टीम को दूसरे ओवर की दूसरी गेंद पर शवाल जुल्फिकार (1) के रूप में शुरुआती झटका लगा। इसी ओवर की अंतिम गेंद पर गुल फिरोजा (0) भी पवेलियन लौट गईं। यहां से मुनीबा अली ने आयशा जफर के साथ तीसरे विकेट के लिए 17 रन जुटाए। आयशा टीम के खाते में सिर्फ 9 रन ही जुटा सकीं। इसके बाद मुनीबा अली ने सदाफ शमास के साथ चौथे विकेट के लिए 48 गेंदों में 54 रन जुटाकर टीम को 77 के स्कोर तक पहुंचाया, लेकिन 12वें ओवर की चौथी और छठी गेंद पर सदाफ (20) और कप्तान फातिमा सना (0) अपना विकेट खो बैठीं। इसके बाद टीम निरंतर अंतराल पर विकेट गंवाती रही और निर्धारित ओवरों में 9 विकेट खोकर 119 रन ही जुटा सकी।

हुंडई वर्ल्ड आर्चरी पैरा सीरीजः अहमदाबाद में होगा आयोजन, 100 से ज्यादा एथलीट लेंगे हिस्सा

अहमदाबाद (एजेंसी)। भारत में इंटरनेशनल खेलों की मेजबानी बढ़ती जा रही है। क्रिकेट के अलावा भारत अब दूसरे खेल भी काफी सफल तरीके से आयोजित करा रहा है. जिससे उनको और ज्यादा खेलों की मेजबानी मिल रही है। हाल ही में भारत ने दिल्ली में वर्ल्ड बैडमिंटन चैंपियनशिप की सफल मेजबानी कीअब भारत पहली बार हुंडई वर्ल्ड आर्चरी (तीरंदाजी) पैरा सीरीज की मेजबानी करेगा। ये सीरीज 5 से 9 सितंबर तक अहमदाबाद के साबरमती रिवरफ्रंट पर आयोजित की जाएगी. जिसमें 20 देशों के 100 से ज्यादा एथलीट हिस्सा लेंगे। गुजरात के डिप्टी सीएम हर्ष संघवी ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में, गुजरात अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों की मेजबानी के लिए एक प्रमुख केंद्र के रूप में उभरा है. अहमदाबाद में अंतरराष्ट्रीय सीरीज की मेजबानी से बड़े खेल आयोजनों के लिए गुजरात की बढ़ती पहचान और मजबूत होगी और पैरा-आर्चरी को एक वैश्विक मंच मिलेगा।

एक कमरे में दो क्रिकेटरों को ठहराने के पक्ष में नहीं बीसीसीआई

आईओए से लगाई गुहार, खुद उठाएगा हवाई खर्च

नईदिल्ली (एजेंसी)। एशियाई खेलों के दौरान होटल के एक कमरे में दो क्रिकेटरों को ठहराए जाने की व्यवस्था से बीसीसीआई खुश नहीं है। बीसीसीआई ने भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) से गुहार लगाई है कि आयोजकों से बात कर एक क्रिकेटर को एक कमरे में ठहराने की व्यवस्था की जाए। आईओए ने इसे आयोजकों तक पहुंचा दिया है, लेकिन अब तक कोई जवाब नहीं मिला है। सूत्र बताते हैं कि सितारे भारतीय क्रिकेटरों के रहने में कोई दिक्कत नहीं आए, इसके लिए बीसीसीआई की एक टीम जल्द ऐची-नागोया का दौरा करेगी। इसके बाद ही बीसीसीआई फैसला लेगी कि क्रिकेटरों को आयोजकों की ओर से उपलब्ध कराए जा रहे होटल में ठहरना है या फिर उन्हें अपने खर्च पर होटल की व्यवस्था करनी है। बोर्ड ने यह भी फैसला लिया है कि एशियाड में भाग लेने के लिए हवाई यात्रा का खर्च वह खेल मंत्रालय से नहीं लेगा और अपने खर्च पर बिजनेस क्लास में क्रिकेटरों को जापान भेजेगा।

इकोनॉमी क्लास से जाते हैं खिलाड़ी

इस बार खेलों में श्रेयस अय्यर की कप्तानी में मुख्य टीम भेजी जा रही है, जिसमें बुमराह, अभिषेक शर्मा जैसे क्रिकेटर हैं। बीसीसीआई क्रिकेटरों को अमूमन बिजनेस क्लास में या फिर चार्टर्ड फ्लाइट में यात्रा कराता है। खेल मंत्रालय खेलों के लिए भारतीय दल का खर्च उठाते हुए खिलाड़ियों को इकोनॉमी क्लास में यात्रा कराता है। सूत्र बताते हैं कि बीसीसीआई ने आईओए से कहा है, वह क्रिकेटरों की यात्रा का खुद खर्च उठाएगा। आईओए ने 50 क्रिकेटरों और सपोर्ट स्टाफ पर दो करोड़ 34 लाख का खर्च तय किया था। इनमें यात्रा, दैनिक भत्ता, सेरिमोनियल-प्लेइंग किट का खर्च शामिल है।

महिला टीम को अलग होटल में ठहराया जाएगा

हरमनप्रीत कौर की अगुआई वाली महिला टीम को 14 सितंबर को नगोया पहुंचना है, जबकि उनकी वापसी 23 सितंबर की है। पुरुष टीम 21 को पहुंच रही है और चार अक्तूबर को वापसी कर रही है। पुरुष टीम को नगोया के एपीए होटल और महिला टीम को मेइतेत्सु ग्रांड होटल में ठहराया जा रहा है। आयोजकों ने एक कमरे में दो क्रिकेटरों को ठहराने की व्यवस्था की है। सूत्र बताते हैं कि आयोजकों ने कुछ दिन पूर्व एशियाड में आने वाले सभी देशों को बताया है कि उनकी ओर से 15 हजार खिलाड़ियों को ठहराने की व्यवस्था की गई थी, लेकिन यह 17 हजार पहुंच चुकी है। ऐसे में यह माना जा रहा है कि बीसीसीआई की मांग पूरी नहीं हो पाएगी।

सितारे भी रुकते हैं गेम्स विलेज में

एशियाड में इस बार गेम्स विलेज जैसो कोई व्यवस्था नहीं है। क्रूज शिप, कंटेनरों के अलावा होटलों में खिलाडियों को ठहराने की व्यवस्था की गई है। हालांकि, ओलंपिक जैसे आयोजनों में नोवाक जोकोविच, राफेल नडाल, मैजिक जान्सन जैसे अंतरराष्ट्रीय सितारे सबके साथ गेम्स विलेज में ठहरने को वरीयता देते आए हैं। अब यह देखना होगा कि बीसीसीआई आयोजकों की और से दिए गए होटल में क्रिकेटरों को उहराती है या अपनी ओर से इंतजाम करती है।

इंग्लैंड के खिलाफ वनडे और टी20 सीरीज के लिए श्रीलंकाई टीम का ऐलान

कोलंबो। श्रीलंका ने इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले वनडे और टी20 सीरीज के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज कुसल मेंडिस की कप्तानी में टीम का ऐलान कर दिया है। सीरीज 15 सितंबर से शुरू हो रही है। श्रीलंका को इस दौरे पर 3 टी20 और 3 वनडे मैच खेलना है। चरिथ असलांका दोनों सीरीज में उपकप्तान होंगे। पथुम निसांका, जिन्होंने हाल के महीनों में वनडे में शानदार फॉर्म दिखाया है, उनसे एक बार फिर टॉप ऑर्डर में मजबूती की उम्मीद की जाएगी। उनके साथ कामिल मिशारा, कामिंडू मेंडिस, जेनिथ लियानागे और पवन रथनायके हैं। ये बल्लेबाजी को मजबूती देंगे। इसके अलावा, टीम में अनुभवी ऑलराउंडर पूर्व कप्तान दासुन शनाका, ऑलराउंडर वानिंदू हसरंगा और दुनिथ वेलालागे भी हैं। ये

खिलाड़ी श्रीलंकाई टीम को गेंदबाजी और बल्लेबाजी दोनों विभाग में मजबूती देंगे।

शनाका ने वनडे टीम में वापसी की है, जबकि टी20 टीम में अपनी जगह बरकरार रखी है। वनडे वर्ल्ड कप 2027 की तैयारी के लिए श्रीलंका की टीम में उनकी वापसी अहम है। वनडे सीरीज के लिए बतौर गेंदबाज महेश तीक्षाणा, सचिंदू कोलंबेज, दुष्मंथा चमीरा, ईशान मलिंगा, असिथा फर्नांडो और दिलशान मदुशंका टीम में शामिल हैं। टी20 सीरीज के लिए लाहिरू उदारा और थारिंडू रथनायके को टीम में शामिल किया गया है, जबकि तेज गेंदबाज नुवान तुषारा और बिनुरा फर्नांडो चमीरा और ईशान मलिंगा भी टीम का हिस्सा हैं। टीम में निसांका, कामिंडू मेंडिस, असलांका, जनिथ लियानागे, शनाका, हसरंगा, वेलालागे और तिक्षाणा भी शामिल हैं। पहले टी20 सीरीज खेली जानी है। पहला टी20 15 सितंबर को साउथैम्प्टन में, दूसरा 17 सितंबर को कार्डिफ में और तीसरा 19 सितंबर को मैनचेस्टर में होगा। इसके बाद तीन वनडे मैचों की सीरीज खेली जाएगी। पहला वनडे 22 सितंबर को चेस्टर-ले-स्ट्रीट, दूसरा 24 सितंबर को लीड्स और तीसरा 27 सितंबर को 'द ओवल' खेला जाएगा। श्रीलंका की टीम 5 सितंबर को इंग्लैंड के लिए रवाना होगी।

शतकीय पारी के बाद भी डी कॉक की टीम को करना पड़ा हार का सामना

सेंट किट्स। वॉर्नर पार्क में कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) 2026 का 23वां मुकाबला बारबाडोस ट्राइडेंट्स और सेंट किट्स और नेविस पैट्रियट्स के बीच खेला गया। बारबाडोस ट्राइडेंट्स को क्विंटन डी कॉक की शतकीय पारी के बावजूद 6 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। सेंट किट्स और नेविस पैट्रियट्स ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी थी। पहले बल्लेबाजी करते हुए बारबाडोस ट्राइडेंट्स ने विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डी कॉक के शतक की बदौलत 4 विकेट पर 217 रन बनाए थे। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए डी कॉक ने 57 गेंदों पर 6 छक्कों और 11 चौकों की बदौलत 106 रन की पारी खेली। इसके अलावा, सलामी बल्लेबाज जैकरी कार्टर ने 36 गेंदों पर 57 रन बनाए। कार्टर ने अपनी पारी में 7 छक्के लगाए। शेफरन रदरफोर्ड ने 26 और कप्तान क्रिस ग्रीन ने 18 रन की पारी खेली। सेंट किट्स और नेविस पैट्रियट्स के लिए नसीम शाह ने 2, कप्तान जेसन होल्डर और वानिंदु हसरंगा ने 1-1 विकेट लिए। 218 रन के लक्ष्य को हासिल करने उतरी बारबाडोस ट्राइडेंट्स ने विस्फोटक शुरुआत की। जॉनसन चार्ल्स और काइल मायर्स ने पहले विकेट के लिए 10.2 ओवर में 112 रन जोड़े। मायर्स के रन आउट होने से यह जोड़ी टूटी। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 27 गेंदों पर 29 रन बनाए। चार्ल्स ज्यादा आक्रामक रहे। इस विस्फोटक बल्लेबाज ने 45 गेंदों पर 7 छक्कों और 6 चौकों की मदद से 78 रन की पारी खेली। तीसरे नंबर पर प्रमोट किए दासुन शनाका ने 22 गेंदों पर 2 छक्कों और 2 चौकों की मदद से 36 रन की पारी खेली। कप्तान जेसन होल्डर ने 11 गेंदों पर 18 रन बनाए।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-2-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी व अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। शुभांक-5-6-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। शुभांक-5-6-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। बुद्धि और धन का दुरूपयोग न करें व्यर्थ के आडम्बरों से बचें। अपनी परिसंपत्ति को संभालकर रखें। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता हैं। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। शुभांक-1-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-2-5-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में कोई मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। शुभांक-3-8-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। रुपए पैसों की सुविधा मिल जाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। शुभांक-2-3-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। शुभांक-2-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग बना है। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। शुभांक-4-8-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। कार्यक्षेत्र में तनाव पैदा होगा। खान-पान में सावधानी रखें। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। शुभांक-5-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-6-8-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-3-6-8

काकुरो पहेली -3998

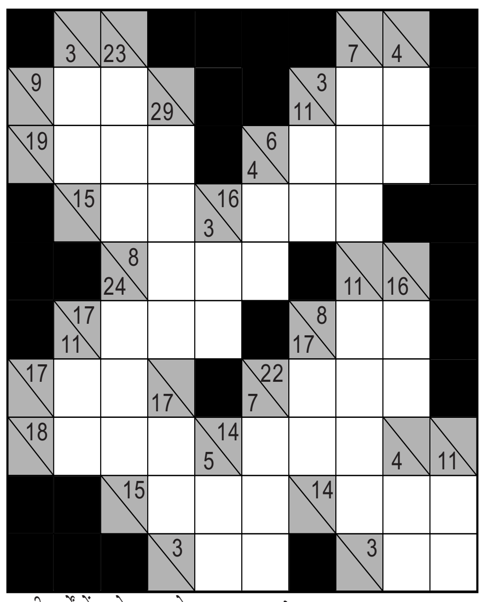

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 3997 का हल

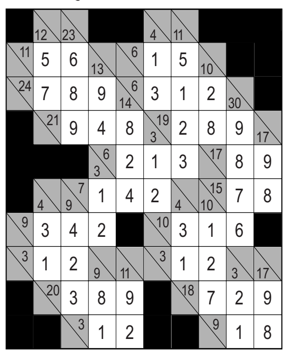

हंसी के फूव्वारें

ज्यादातर फिल्में शादी होने का दृश्य दिखाकर ही क्यों खत्म हो जाती हैं ?

ताकि शादी के बाद के दुखद दृश्य न देखने पड़ें.

नर्स, मैं तुमसे बेहद प्यार करता हूँ, मैं अब अच्छा नहीं होना चाहता.

नर्स बोली-तुम अब अच्छे हो भी नहीं सकते क्योंकि डॉक्टर भी मुझसे प्रेम करता है और उसने मुझे तुमसे प्यार करते हुए देख लिया है.

अविवाहिता-क्या तुम अपनी किसी सबसे बड़ी बेवकूफी का प्रमाण दे सकते हो?

अविवाहित-तुमने प्यार कर लिया, यह क्या छोटा प्रमाण है?

सुनीता-पता नहीं इस बार साड़ियों के कौन-कौन से नये डिजाइन निकलेंगे ?

मोहन-वही दो ! एक जो तुम्हें पसन्द नहीं आयेगा. दूसरा वह जिसे खरीदने के लिए मेरे पास रुपये नहीं होंगे.

एक पति ने अपनी घरवाली से पूछा- युधिष्ठिर भी जुआ खेले थे, फिर तू मुझे क्यों रोकती है ?

घरवाली ने कहा -नहीं रोकूंगी, लेकिन याद रखना कि द्रौपदी के भी पांच पति थे.

फिल्म वर्ग पहेली- 3998

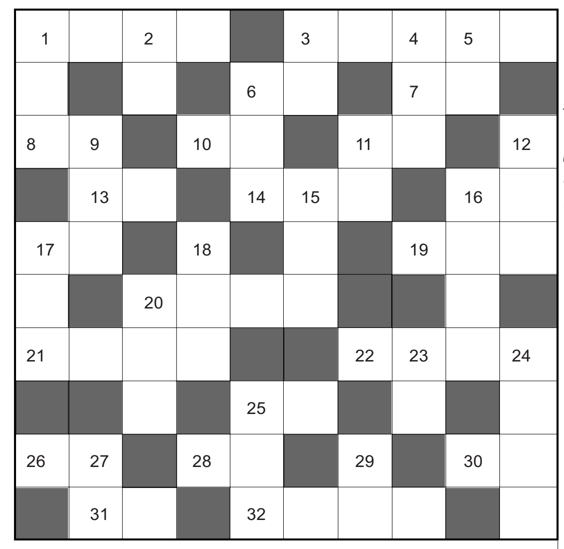

बायें से दायें:-

१. शाहरूख, जूही की 'चाँद तारे तोड़ लाऊँ' गीत वाली फिल्म-२,२
३. 'इस दीवाने लड़के' गीत वाली नसीर, आमिर, सोनाली की फिल्म-५
६. गोविंदा, नीलम की 'मैं तो हूँ सबका मेरा ना कोई' गीत वाली फिल्म-२
७. संजय कपूर, माधुरी की फिल्म-२
८. 'वाटर' के निर्देशिका कौन हैं-२
१०. अमिताभ, फरदीन खान, करीना कपूर की फिल्म-२
११. श्रेयस तलपदे, आयशा की 'ये हौसला कैसे झुके' गीत वाली फिल्म-२
१३. अनिल कपूर, श्रीदेवी की फिल्म-२
१४. प्रदीपकुमार, कल्पना की 'जिस दिल में बसा था प्यार' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'मुझे तेरे जैसी लड़की' गीत वाली डिनो मारिया, बिपाशा की फिल्म-२
१७. अमिताभ, अजय, ऐश्वर्या की 'दिल डूबा नीली' गीत वाली फिल्म-२
१९. फिल्म 'कुछ कुछ होता है' में काजोल के किरदार का नाम था-३
२०. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की फिल्म-४
२१. 'दुनिया ने सुन ली है चुपके से' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा की फिल्म-४
२२. जीतेंद्र, नीतूसिंह की 'कोई रोको ना दीवाने को' गीत वाली फिल्म-४
२५.अमिताभ, जया भादुड़ी की फिल्म-२
२६. राजेश खन्ना, मुमताज की 'गोरे रंग पे ना इतना गुमान' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'दिलवालों के दिल का' गीत वाली मनोज बाजपेयी, रवीना की फिल्म-२
३०. 'ऐ लो प्यार के दिन' गीत वाली सनी, सुनील, सेलिना की फिल्म-२
३१. संजय, कुमार गौरव, पूनम 'अमीरों की शाम गरीबों' गीतवाली फिल्म-२
३२. 'फिर से आये बदरा' गीत वाली संजीव, शर्मिला, वहीदा की फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. दिलीपकुमार, मीनाकुमारी की फिल्म-३
२. 'मैं शायर तो नही' गीत वाली फिल्म-२
३. 'तू मेरे पास भी' गीत वाली डी. चक्रवर्ती, मनोज बाजपेयी, उर्मिला की फिल्म-२
४. अमिताभ बच्चन, संजीव कुमार, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
५. अरविंद स्वामी, मधु की फिल्म-२
६. 'तेरी गलियों में ना' गीत वाली फिल्म-३
९. राजेंद्र कुमार, वहीदा रहमान की फिल्म-३
११. राजेश खन्ना, बबीता की 'दांतों तले दबा कर होंठ' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'अंबर हमारा रास्ता' गीत वाली अरूण, रघुवरन, बेबी शामली, श्रुति की फिल्म-३
१५. कमल हासन, शाहरूख, रानी की 'चाहे पंडित हो' गीत वाली फिल्म-१,२
१६. 'मेरे संग संग आया' गीत वाली धर्मेन्द्र, राजेश खन्ना, विनोद, हेमा की फिल्म-४
१७. शॉवरअली, ब्रजेश हीरजी, जूही, शिल्पा की 'मेरा मन भँवरा' गीत वाली फिल्म-३
१८. प्रेमनाथ, बीना राय की फिल्म-३
२०. राजेश, फिरोजखान, शार्मिला की 'जीवन से भरी तेरी आँखें' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'सुबह सुबह जब' गीत वाली फिल्म-२
२४. शशिकपूर, शर्मिला टैगोर की फिल्म-२,२
२५. 'सावन का महीना पवन करे' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'मुझ से दोस्ती करोगे' में करीना कपूर के किरदार का नाम क्या था-२
२९. 'तेरी याद बिछा के सोता हूँ' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3997

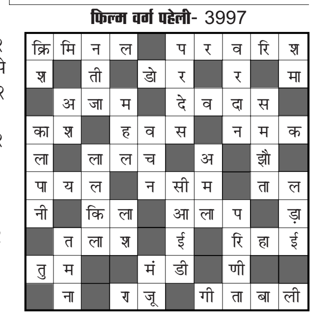

सूडोकु -3998

9		6		3		4		8
	2				9		7	
4			1	6				2
		8			2		3	
1		4				2		5
	3		5			8		
7				9	5			3
	8		6				4	
6		2		7		5		1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3997 का हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

शब्द पहेली - 3998

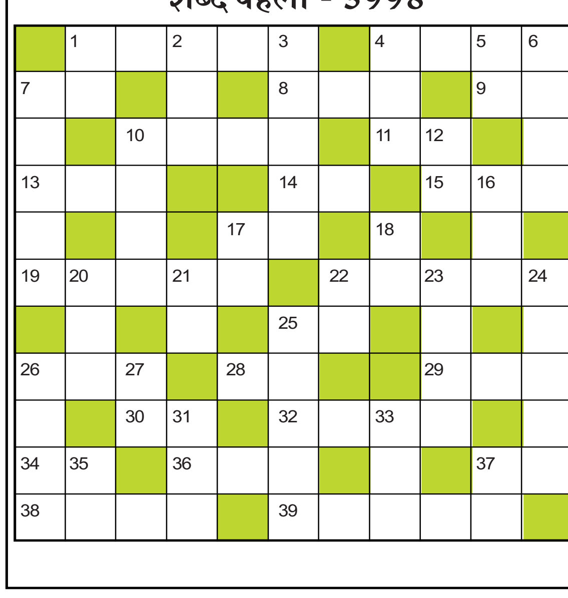

बाएँ से दाएँ

1.सहयोग की भावना-5
4.अकस्मात,एकाएक-4
7.पराजय-2
8.नाव चलाने वाला-3
9.भीगा हुआ-2
10.अनुवाद-4
11.बेल-2
13.योग्य,सही-3
14.घोड़ा गाड़ी-2
15.काव्य,गजल-3
17.अद्वैतभाव,कुर्बान-2
19.नामकरण-2,3
22.राजा का महल-5
25.प्रेम,ममता-2
26.कपड़े की दीवार-3
28.रास्ता,मार्ग-2
29.सिर,खोपड़ी-3
30.माप-2
32.गुस्सा करना-4
34.व्यंग,चुटीली बात-2
36.नायक,नेता-3
37.एक आंख वाला-2
38.रचनाकार-4
39.कृष्ण का एक नाम-3,2

ऊपर से नीचे

1.महोदय (अंग्रेजी-2)
2.डरपोक,भीरू-3
3.व्यंग कसना -5
4.बुद्धि-3
5.झुका हुआ-2
6.कर देने वाला-4
7.चोरी करना,छीनना (मु.-2,3)
10.तहखाना-4
12.एकटक देखना-2
16.वियोग,जुदाई-3
17.आमिर,काजोल की नई फिल्म-2
18.खुजली-2
20.घोटना,मंथन करना-3
21.पत्र,चिट्ठी-2
22.रास्ता-2
23.सुगंधित होना-4
24.बिजली का कौंधना-5
25.कुलीन स्त्री,देवी (उर्दू-5)
26.भगवान,ईश्वर-4
27.पेड़ का मध्य भाग-2
31.पटाखे की बाती,-3
33.अभिव्यक्ति-3
35.नृत्य,डांस-2
37.छोटी सवारी गाड़ी-2

शब्द पहेली -3940 का हल

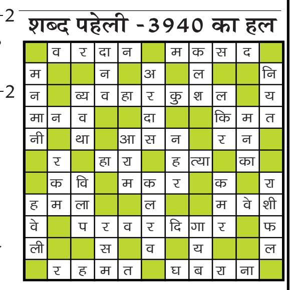

सिर और गर्दन के कैंसर का इलाज अब मिनिमली इनवेसिव सर्जरी से संभव

भारत में सिर और गर्दन का कैंसर एक आम समस्या बनती जा रही है। इन समस्याओं में ओरल यानी कि मुंह के कैंसर के मामलों में तेजी से वृद्धि हो रही है। अन्य देशों की तुलना में भारत में इस कैंसर का खतरा बहुत ज्यादा है। हालांकि, शुरुआती निदान के साथ इस कैंसर का इलाज संभव है, लेकिन दुर्भाग्य से वेस्टर्न दुनिया की तुलना में भारत में इस कैंसर का सरवाइवल रेट बहुत कम है।

ग्लोबोकैन 2018 की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, देश की 24 प्रतिशत आबादी सिर और गर्दन के कैंसर से पीड़ित है, और हर साल इस कैंसर के 2.75 लाख नए मामले रजिस्टर किए जाते हैं। आईसीएमआर की नेशनल कैंसर रेजिस्ट्री प्रोग्राम के डाटा के अनुसार, देश के तीन कैंसर मामलों में से एक बीआईएमएआरयू राज्यों (बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान और उत्तर प्रदेश) से संबंधित होता है। 2016 में, भारत में 14.5 लाख कैंसर के मामले दर्ज किए गए थे, जबकी 2017 में यह संख्या बढ़कर 15.17 लाख हो गई। इनमें से 5.75 लाख मामले बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के थे। चार बीआईएमएआरयू राज्यों में से एक यूपी में कैंसर के 2.5 लाख मामले देखे गए जो देश के किसी भी राज्य की तुलना में सबसे ज्यादा हैं। यूपी की बात करें तो इसका मुख्य कारण यह है कि, वहां के लोग पान मसाला और तंबाकू का सेवन बहुत ज्यादा करते हैं।

पहले का इलाज केवल कैंसर और बीमारी को ठीक करने के लिए किया जाता था, जिसके कारण मरीज को अन्य समस्याओं, जैसे टेढ़ा चेहरा, निशान, टेढ़-मेढ़े दांत, चेहरे के आकार में बदलाव, कंधों में झुकाव आदि से जूझना पड़ता था। टेक्नोलॉजी में प्रगति के साथ आज मिनमली इनवेसिव सर्जरी के जरिए सिर और कैंसर के चौथे चरण का इलाज भी संभव हो गया है, जिसके परिणाम भी अच्छे होते हैं। ऐसे कैंसरों के इलाज को बेहतर करने के लिए आज देश में ट्रांस-ओरल रोबोटिक सर्जरी (टीओआरएस) भी उपलब्ध है। इस सर्जरी के परिणाम बेहतर होने के साथ ही मरीज का चेहरा भी खराब नहीं होता है और न ही कोई निशान रह जाते हैं। टीओआरएस के साथ मरीजों के सरवाइवल रेट में भी सुधार आया है।

ट्रांस-ओरल रोबोटिक सर्जरी- इलाज के लिए एक मिनिमली इनवेसिव प्रक्रिया

ट्रांस-ओरल रोबोटिक सर्जरी एक नई तकनीक है, जो कैंसर की खतरनाक से खतरनाक सेल्स को भी हटा देता है। रोबोटिक हाथ, बिना कोई चीरा लगाए गर्दन की सभी कैंसर कोशिकाओं को हटा देता है। पहले जुबान के ज्यादा अंदर, यानी कि टॉन्सिल्स तक पहुंचना मुश्किल होता था, लेकिन आज टेक्नोलॉजी में प्रगति के साथ वहां तक पहुंचना भी संभव हो गया है। ये प्रक्रिया न सिर्फ कैंसर के मरीजों के लिए बल्कि सर्जनों के लिए भी एक वरदान साबित हुई है। सर्जरी के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले उपकरणों को रोबोटिक सिस्टम से कंट्रोल किया जाता है, जिसकी मदद से छोटी से छोटी जगह तक भी आसानी से पहुंच कर इलाज किया जा सकता है। चीरा लगाने की जरूरत न होने के कारण न्यूरोवस्कुलर टिशूज को कोई नुकसान नहीं पहुंचता है, जिससे मरीजों को निगलने में आसानी होती है और अस्पताल से डिस्चार्ज भी जल्दी कर दिया जाता है। सर्जरी के बाद मरीज की देखभाल का पूरा ख्याल रखा जाता है, जिससे उनमें ब्लीडिंग, इंफेक्शन या कोई और समस्या न हो सके।

टीओआरएस- एक एडवांस तकनीक

रोबोटिक सर्जरी होने के कारण कैंसर के इलाज में बदलाव हुए हैं। मिनिमली इनवेसिव प्रक्रिया की मदद से अब ओपन सर्जरी की जरूरत नहीं पड़ती है। पहले इस प्रकार के कैंसर के इलाज के लिए कीमोथेरेपी और रेडिएशन थेरेपी का इस्तेमाल किया जाता था, लेकिन देर से निदान के कारण इलाज के परिणाम कुछ खास नहीं होते थे। दुर्भाग्य से, टीओआरएस से पहले सर्जरी पूरी तरह से इनवेसिव (सर्जरी के लिए बड़ा चीरा लगाना पड़ता था) हुआ करती थी। चीरे और काट-पीट के कारण रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी के बाद भी मरीजों के चेहरों के आकार खराब हो जाते थे। लेकिन यह मिनिमली इनवेसिव प्रक्रिया 100 फीसदी सुरक्षित है।

भारत में टीओआरएस का भविष्य कैसा होगा?

ट्रांस-ओरल रोबोटिक सर्जरी का इस्तेमाल जुबान, मुंह, गला और सिर व गर्दन के कई अन्य स्थानों के कैंसर के इलाज के लिए किया जाता है। सर्जिकल उपकरणों में प्रगति के साथ, रोबोटिक टेक्नोलॉजी की मदद से सभी प्रकार के ट्यूमर तक पहुंचना संभव हो गया है।

टीओआरएस की मदद से सिर और गर्दन के कैंसर का इलाज करना बेहद आसान हो गया है, जिसमें न तो आवाज जाने का खतरा होता है और न ही निगलने में परेशानी होती है। इसके अलावा, इस एडवांस सर्जरी की मदद से मरीज जल्दी ठीक हो जाता है और उसके चेहरे पर कोई निशान भी नहीं रहते हैं। देश के कई डॉक्टर इस विकल्प को पसंद कर रहे हैं।

- डॉक्टर समीर कौल

RATE TARIFF

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

Covering Area
Delhi NCR
&
Western U.P.

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi) - 50%	Island Position - 50%	Strip Advt. - 15%
Front Page (Solus) - 75%	Right Hand Page - 10%	Political Advt. - 50%
Back Page - 25%	Top of AD Column - 15%	Pull Outs - 50%
Page Three - 20%	Any Other Spl. Position - 10%	Discount as per deal

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com

Follow us : @ RashtriyaShikhar/

शाहरुख खान के साथ 'किंग' में काम करना उनके लिए सपने के सच होने जैसा

'मुंज्या' की सफलता के बाद अभय वर्मा के लिए शोहरत के साथ जिम्मेदारी भी बढ़ी है। वह कहते हैं कि सफलता ने उनकी भूख कम नहीं की, बल्कि सपनों को और बड़ा कर दिया। शाहरुख खान के साथ 'किंग' में काम करना उनके लिए सपने के सच होने जैसा रहा।

ख'मुंज्या' की सफलता के बाद क्या अब दबाव महसूस होता है?

दबाव नहीं कहूंगा, लेकिन जिम्मेदारी जरूर बढ़ गई है। सफलता के बाद उम्मीदें बढ़ जाती हैं और आपको अगली बार और मेहनत करनी पड़ती है। मुझे याद नहीं कि पिछली बार आठ घंटे कब सोया था। लेकिन मेरे सपने मुझे सोने नहीं देते। मैंने एक खूबसूरत बात सुनी थी कि अगर आपको पता हो कि आप फेल नहीं होंगे तो आप कितना बड़ा सपना देखेंगे? इसलिए अब मैंने अपने सपनों की कोई लिमिट नहीं रखी है। आराम बाद में होता रहेगा। अभी मैं अपने दर्शकों का प्यार और बड़ा करना चाहता हूं।

आज की तारीख में आपको सबसे ज्यादा खुशी किस चीज से मिलती है?

लोगों का प्यार मेरी सबसे बड़ी खुशी है। मैं इसे एक अमानत मानता हूं। दर्शक जब चाहें यह अमानत दे सकते हैं और जब चाहें अपने खजाने से और प्यार दे सकते हैं। मेरा काम है कि मैं इतनी मेहनत करूं कि यह प्यार बार-बार मिलता रहे। अभी तक जितना प्यार मिला है, उसने मेरी भूख कम नहीं की, बल्कि और बढ़ा दी है।

शाहरुख खान के साथ 'किंग' में काम करने का अनुभव कैसा रहा?

मैंने सपने देखना ही शाहरुख सर को देखकर शुरू किया है। लोग उन्हें अपना हीरो मानते हैं और उनके जैसा बनने का सपना देखते हैं। मेरे लिए तो वह उससे भी आगे हैं।मैंने उनसे पूछा कि शुरुआती दौर में फिल्में कैसे चुनते थे? उन्होंने कहा- 'उन लोगों के साथ काम करो, जिनके साथ आपका मन लगे और जो आपको प्यार करते हों।' उनके अंदर 35 साल के अनुभव के बाद भी सीखने और सिखाने की वही ऊर्जा है। वह सेट पर सैंडबैग उठाकर बताते हैं कि यह आपका मार्क है, ऐसे डायलॉग बोलकर देख सकते हो। जब वह शूट नहीं कर रहे होते तो एक कुर्सी लेकर बैठ जाते और देखते कि सिनेमा कैसे बन रहा है। उनके अंदर का पैशन और जज्बा देखकर मुझे समझ आया कि वह शाहरुख खान क्यों बने हैं।

पहली बार शाहरुख खान के साथ काम करने का फोन आया तो आपका रिएक्शन क्या था?

मेरे लिए दो राय की कोई बात नहीं थी। मैंने कहा कि मुझे दीवार पर मक्खी भी बना देंगे तो मैं मक्खी बन जाऊंगा, बस उनके साथ काम करने का मौका मिलना चाहिए। जिस दिन मेरा शूट नहीं होता था, तब भी मैं सेट पर पहुंच जाता था। अगर मेरा शूट जल्दी खत्म हो जाता और उनका शूट चल रहा होता तो मैं पूरा दिन सेट पर रहता। जब फोन आया तो पैसे की बात भी हुई। मैंने कहा कि मेरे लिए इससे ऊपर कोई बात नहीं है। आप प्रोफेशनल तौर पर जो ठीक समझें, करिए। मेरे लिए उनके साथ काम करना ही सबसे बड़ा मौका था।

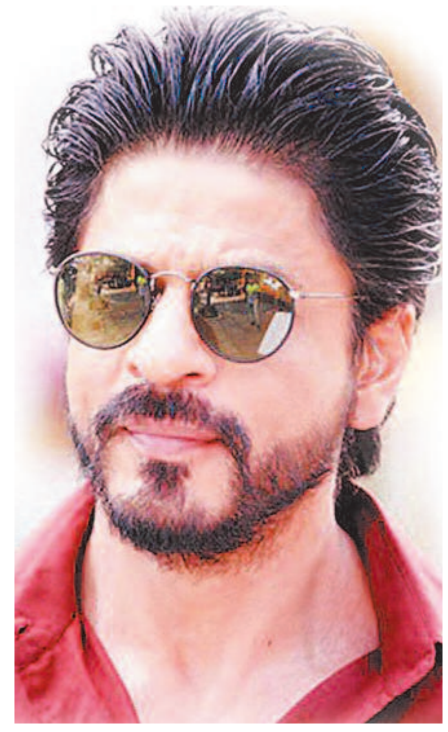

'मिर्जापुर' में 'डिंपी के किरदार में काफी ट्रांसफॉर्मेशन हुआ है

अभिनेत्री हर्षिता गौर आगामी फिल्म 'मिर्जापुर' में फिर से डिंपी पंडित के किरदार से वापसी कर रही हैं। अभिनेत्री का मानना है कि मिर्जापुर वेब सीरीज से लेकर अब तक उनके काम में काफी ग्रोथ देखने को मिली है। अभिनेत्री ने आगामी फिल्म 'मिर्जापुर' में फिर से डिंपी पंडित के किरदार के बारे में बताया कि वह अब पहले से बड़ी हो गई है। उन्होंने कहा, 'डिंपी के किरदार में काफी ट्रांसफॉर्मेशन हुआ है, उसने अपनी जिंदगी में बहुत तरक्की की है। मिर्जापुर के हालात कुछ ऐसे हैं कि एक समय के बाद आपको खुद को चुनना होता है और डिंपी ने भी कुछ ऐसा ही किया है। उन्होंने आगे कहा, 'वह इमोशनली समझदार और मेंटली मजबूत है, वह समझती है कि उसे अपनी ताकत दिखाने के लिए इस अफरा-तफरी का हिस्सा बनने की जरूरत नहीं है।'
अभिनेत्री ने आगे शो की पॉपुलैरिटी के बारे में बात की। उन्होंने कहा, 'अगर ये फिल्म सीधे आती तो हमें पता नहीं चलता कि दर्शक उसे कैसा रिस्पॉन्स देंगे, लेकिन लोग पहले से ही शो के इतने बड़े फैन हैं और इसे और ज्यादा देखना चाहते हैं। पहले सीजन वाला वही अंदाज वापस आ गया है, इसलिए मुझे लगता है कि ये सारी चीजें इस एक्सपीरियंस को और भी बेहतर बनाएंगी।'
अभिनेत्री ने बताया कि डिंपी से उन्हें सीखने को मिला, कि चाहे कुछ भी हो जाए, अपने डायनामिक्स में नहीं फंसना चाहिए। आपको अपनी बात रखनी होगी, और आप बिना लड़ाई-झगड़े के ऐसा कर सकते हैं। अभिनेत्री से सवाल किया, 'शो की पॉपुलैरिटी के साथ-साथ, वॉयलेंस और अब्यूसिव लैंग्वेज को लेकर भी क्रिटिसिज्म हुआ है। आपके अनुसार, क्या मिर्जापुर समाज की असलियत को दिखाता है, या यह कभी-कभी वायलेंस को सेंसेशनल बनाता है?'
इस सवाल के जवाब में अभिनेत्री हर्षिता गौर ने कहा, 'असल दुनिया फिक्शन को इंस्पायर करती है और कभी-कभी फिक्शन भी असल दुनिया को दिखाता है। इसलिए, मुझे नहीं लगता कि यह किसी चीज को सेंसेशनल बनाने के बारे में है।'

रुक्मिणी वसंत के लिए मुसीबत बनी टॉक्सिक

फैंस सुना रहे खरी-खोटी

यश की 'टॉक्सिक' ने पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर देश में 101.10 करोड़ का नेट कलेक्शन कर बंपर शुरुआत की है। गीतू मोहनदास की यह फिल्म अपने बोल्ड और बिंदास अंदाज को लेकर सुर्खियों में हैं। एक तरफ जहां यश के फैंस सिनेमाघरों में सीटियां बजा रहे हैं, वहीं 'कांतारा' फेम एक्ट्रेस रुक्मिणी वसंत के लिए यह सिर दर्द' साबित हो रहा है।

ऋषभ शेट्टी की 'कांतारा: चैप्टर 1' में लोगों ने रुक्मिणी को कनकवती के किरदार में देखा और खूब सराहा। लेकिन अब 'टॉक्सिक' में यश के साथ उनके बेडरूम सीन को देख लोग खफा हो गए हैं। सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस को आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। बेंगलुरु में पैदा हुई 29 साल की रुक्मिणी वसंत ने टॉक्सिक में मेलिसा का किरदार निभाया है। महज 7 साल पहले 2019 में कन्नड़ फिल्म 'बीरबल ट्रायोलॉजी' से करियर शुरू करने वाली रुक्मिणी के लिए यह नई फिल्म करियर में बड़ा महत्व रखता है। हालांकि, इस बार सोशल मीडिया पर उनके ट्रोलिंग का सामना करना पड़ रहा है। खासकर उस बेडरूम सीन को लेकर।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स इंस्टाग्राम और रेडिट पर वायरल हो क्लिप में रुक्मिणी बिस्तर पर सिर्फ एक कंबल ओढ़े दिख रही हैं। फिल्म में यह यश के किरदार राया के साथ इंटीमेट होने के बाद की सुबह का दृश्य है। यूजर्स ने इस सीन पर सवाल उठाते हुए लिखा है, 'रुक्मिणी, यह क्या बकवास है?' एक दूसरे यूजर ने लिखा, 'मैं ऐसे सीन को कैसे समझूं? रुक्मिणी, सच कहूं तो मुझे आपसे इसकी उम्मीद नहीं थी!'

यूजर्स ने पूछा- टॉक्सिक की स्क्रिप्ट नहीं पढ़ी थी आपने?

एक तीसरे यूजर ने लिखा है, 'क्या आपने फिल्म की स्क्रिप्ट नहीं पढ़ी थी? इतनी घटिया स्क्रिप्ट क्यों चुनी?' एक अन्य यूजर ने लिखा, 'इससे ठीक पहले के सीन में मेलिसा बिना कुछ कहे अपने कपड़े उतारने लगती है। यह क्या है, रुक्मिणी से ऐसे सीन की उम्मीद नहीं थी।'

डीपफेक बिकिनी वीडियो का शिकार बनी थीं रुक्मिणी वसंत

बहरहाल, रुक्मिणी वसंत की ओर से अभी तक इस ट्रोलिंग पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। न ही मेकर्स ने ही कोई जवाब दिया है। इससे पहले इसी साल मई 2026 में रुक्मिणी वसंत 'डीपफेक' का भी शिकार बनी थीं। तब ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर उनका एक स्विमिंग पूल वीडियो वायरल हो रहा था, जिसमें वह हरे रंग की बिकिनी में नजर आईं। दावा किया गया कि यह किसी शूटिंग का हिस्सा है।

'ललकार' के लिए बड़ा बॉडी ट्रांसफॉर्मेशन करेंगे आमिर

आमिर खान एक बार फिर अपने किरदार के लिए खुद को पूरी तरह बदलने की तैयारी में हैं। आमिर जल्द ही निर्देशक आशुतोष गोवारिकर की नई स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म 'ललकार' में नजर आएंगे। इस फिल्म को लेकर सामने आई नई जानकारी के मुताबिक... 'आमिर अपने किरदार के लिए बड़ा फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन करने वाले हैं। बताया जा रहा है कि फिल्म में वह करीब 25 साल के युवक का किरदार निभाएंगे। ऐसे में अपनी उम्र से काफी कम दिखने के लिए एक्टर वजन कम करने की खास तैयारी कर रहे हैं। आमिर ने फिल्म के लिए वजन कम करने की तैयारी शुरू कर दी है। इसके लिए वह एक बड़े वेट लॉस प्रोग्राम पर काम कर रहे हैं। आमिर के लिए यह बदलाव केवल वजन घटाने तक सीमित नहीं होगा। किरदार को विश्वसनीय बनाने के लिए उनके लुक, बॉडी शेप और स्क्रीन प्रेजेंस पर भी खास ध्यान दिया जाएगा।' आमिर पहले भी अपनी उम्र से अलग किरदार निभाकर दर्शकों को चौंका चुके हैं। '3 इडियट्स' में उन्होंने कॉलेज स्टूडेंट का किरदार निभाया था।

भावना पानी ने संजय लीला भंसाली के साथ काम करने की इच्छा जताई

अभिनेत्री भावना पानी फिल्मों और रंगमंच में खास पहचान रखती हैं। उन्होंने हालिया बातचीत में बताया कि वे अपने करियर में एक बार संजय लीला भंसाली की फिल्मों में काम करना चाहती हैं। उन्होंने बताया, 'संजय लीला भंसाली सर, चाहे मुझे कोई भी रोल दें, उसे आगे ले जाना मेरे ऊपर है। मैं उम्मीद करती हूं कि जब भी मुझे उनकी फिल्म में काम करने का मौका मिलेगा, तो वह शानदार, दमदार और चुनौतीपूर्ण रोल होगा। मैं यह भी उम्मीद करती हूं कि वह डांस वाला हो क्योंकि मैंने बचपन से ही भारतीय शास्त्रीय नृत्य सीखा है। मुझे लगता है कि संजय लीला भंसाली सर को शास्त्रीय संगीत और नृत्य की अच्छी समझ भी है। अभिनेत्री का मानना है कि हिंदी फिल्मों में अगर किसी निर्देशक ने भारतीय शास्त्रीय नृत्य और म्यूजिक को बड़े कैनवास पर उतारा है, तो वे संजय लीला भंसाली सर हैं। अभिनेत्री ने यह भी कहा है कि अगर आप एक्टर या डांसर नहीं होते, तो आप एस्ट्रोनॉट बनना चाहते। एक्टिंग कल्पना और इमोशन से चलती है, जबकि एस्ट्रोफिजिक्स लॉजिक और साइंस पर आधारित है। ये अलग-अलग दुनियाएं आपकी पर्सनैलिटी में एक साथ कैसे रहती हैं?'
अभिनेत्री ने जवाब देते हुए कहा, 'इमोशन कभी भी बिना तर्क के नहीं आते हैं। ये आते कहां से हैं, उसका मकसद और जरूरत क्या है? यह सब समझने के लिए बहुत सारे तर्क और विज्ञान की आवश्यकता होती है। इसके लिए आपको बिहेवियरल साइंस की भी जानकारी होनी चाहिए। कई ऐसी चीजें हैं जहां आपके दिमाग का तार्किक होना बहुत जरूरी है। मुझे लगता है कि तार्किक दिमाग के साथ-साथ कल्पना और भावना की भी जरूरत होती है।

करीना कपूर ने 'दायरा' को बताया ड्रीम प्रोजेक्ट

अभिनेत्री करीना कपूर खान इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'दायरा' की रिलीज की तैयारी में हैं। उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए इस प्रोजेक्ट पर काम करने के अपने अनुभव के बारे में बताया। अभिनेत्री करीना कपूर खान ने इंस्टाग्राम पर एक नोट शेयर कर बताया कि इस फिल्म ने उन्हें मुंबई के उन हिस्सों और ऐसी जगहों पर पहुंचाया, जहां वह पहले कभी नहीं गई थीं। करीना ने कहा कि भले ही वह पूरी जिंदगी इसी शहर में रही हैं और पूरे भारत में घूमी हैं, लेकिन 'दायरा' ने उन्हें मुंबई का एक अनदेखा पहलू दिखाया। अभिनेत्री ने लिखा, 'मुंबई में मेरा जन्म हुआ। सारी जिंदगी इस शहर में रहते हुए देशभर में काफी सफर करने के बाद, मुझे लगता था कि मैं इस शहर और देश को अच्छे से जानती हूं, लेकिन फिल्म दायरा की शूटिंग के दौरान मैं ऐसी-ऐसी जगहों पर गईं, जो मैंने पहले कभी ना देखी थी और ना जानती थी।'
अभिनेत्री ने बताया कि फिल्म दायरा ने उनकी सामाजिक समझ को भी कई नई हदों तक पहुंचाया। उन्होंने लिखा, 'दायरा का सफर मेरी रचनात्मकता को उन जगहों तक ले गया, जो मेरे लिए अब तक अनजान थे। दायरा ने मेरी सामाजिक समझ को भी कई नई हदों तक पहुंचाया। मैंने सीखा है कि हमारी जिंदगी और समाज सिर्फ दोहरा नहीं है, सब कुछ सिर्फ काला या सफेद नहीं होता। इनके बीच एक पूरा स्पेक्ट्रम है, ग्रे का एक पूरा संसार है, जिसमें हम जीते हैं। दायरा उस ग्रे को सिर्फ समझने की कोशिश नहीं करती बल्कि, ये उसके अंदर उतरती है, उसे कुरेदती है। यही दायरा का सार है। क्योंकि दायरा की दुनिया पूरी तरह ग्रे है, लेकिन इसके साथ-साथ, हमेशा दोहरी भी है।'
उन्होंने आगे लिखा, 'यह फिल्म हमेशा से ही दोहरी कहानी वाली रही है। अपने मूल में 'दायरा' सिर्फ दोहराव के बारे में है और यह दोहरापन फिल्म के दो मुख्य किरदारों के जरिए दिखाया गया है। कास्टिंग के लिहाज से, यह मेरे लिए सपने के सच होने जैसा था। हिंदी और मलयालम फिल्म इंडस्ट्री के दो बेहतरीन कलाकारों को एक-दूसरे के सामने लाना। क्योंकि 'दायरा' एक ऐसी कहानी है जो एक नहीं, बल्कि देश भर में हुई कई सच्ची घटनाओं से प्रेरित है। दायरा की कहानी भारत के किसी एक शहर या राज्य में नहीं घटती, बल्कि यह हमारे देश में लगभग हर जगह घटती है। दायरा की इस दुनिया को बेहतरीन कलाकारों और शानदार टीम ने जीवंत किया है।' उन्होंने बताया कि इस कहानी में दोनों कलाकार कानून के सफर में हैं, लेकिन फिर, दोंनो खुद को कानून की नाजुक लकीरों के आर-पार पाते हैं। फिल्म में मैंने अजूनी का किरदार निभाया है, जो अपने उसूलों को लेकर अटूट है और पृथ्वीराज के रमन के तेवर भी उनके उसूल जितने मजबूत हैं। जिंदगी की तरह, दायरा में भी, दोनों के फैसले न काले हैं, न सफेद। दोनों ग्रे के एक ऐसे इंद्रधनुष में घुले हैं, जहां कुछ भी साफ-साफ, सही या गलत नहीं है। कभी कानून उन्हें रास्ता दिखाता है, तो कभी वही कानून उनके रास्ते रोक देता है। कानून की लकीरों के दरम्यान का सफर, है दायरा।'
करीना ने बताया कि इस फिल्म में वे बिल्कुल नए अंदाज में नजर आने वाली हैं।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका में शटडाउन का संकट टला?: प्रतिनिधि सभा ने दिसंबर तक फंडिंग वाला बिल पास किया, अब ट्रंप की मंजूरी बाकी

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा (हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स) ने मंगलवार को एक अस्थायी विधेयक पारित किया। इसका मकसद संघीय सरकार के कामकाज के लिए दिसंबर की शुरुआत तक धन उपलब्ध कराना है। यह कदम इसलिए उठाया गया है, ताकि सांसदों के दोबारा चुनाव के लिए प्रचार के दौरान सरकार का कामकाज बंद (शटडाउन) न हो। सांसदों के लिए सितंबर के आखिर में खत्म हो रहे वित्त वर्ष से पहले यह कदम उठाना जरूरी था। ऐसा नहीं करने पर सरकारी कामकाज के लिए पैसा खत्म हो सकता था। सांसद नहीं चाहते थे कि चुनाव प्रचार के दौरान सरकार के कामकाज को लेकर कोई संकट खड़ा हो। पिछले साल भी सरकार के कामकाज के लंबे समय तक बंद रहने से बड़ा संकट पैदा हुआ था। प्रतिनिधि सभा ने 370–48 वोट से विधेयक पारित किया। सीनेट इसे पहले ही भारी बहुमत से मंजूर कर चुका है। अब यह विधेयक राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पास जाएगा। उनकी मंजूरी के बाद यह कानून बन जाएगा।

पश्चिम एशिया तनावः अमेरिका ने चाबहार समेत ईरान के कई ठिकानों पर किए हमले; ट्रंप ने क्या धमकी दी

वाशिंगटन/तेहरान, एजेंसी। अमेरिकी सेना ने मंगलवार को ईरान में चाबहार और केशम द्वीप समेत कई अहम ठिकानों पर मिसाइलों से हमला किया। भारतीय समयानुसार रात करीब साढ़े नौ बजे शुरू हुए हमलों में ईरान के इस्लामी रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के ठिकानों को भी निशाना बनाया गया। सेंटकॉम ने कहा कि अमेरिकी सेना ने एक सितंबर को ईरान के सैन्य ठिकानों पर हमलों की एक श्रृंखला सफलतापूर्वक पूरी की। अमेरिकी सेना ने आईआरजीसी के ठिकानों को निशाना बनाया। इनमें एयर डिफेंस साइट, रडार सिस्टम, समुद्री ठिकाने और सुविधाएं, बारूदी सुरंगें बिछाने की क्षमता से जुड़े ठिकाने और संचार केंद्र शामिल थे। कमान ने कहा कि ये हमले होर्मुज जलडमरूमध्य में वाणिज्यिक जहाजों और अमेरिकी सैनिकों पर आईआरजीसी के हालिया हमलों की कोशिशों के बाद किए गए। पश्चिम एशिया में इस समय 50 हजार से ज्यादा अमेरिकी सैनिक तैनात हैं। कमान ने कहा कि ये सैनिक सतर्क हैं और जरूरत पड़ने पर आगे की कार्रवाई के लिए तैयार हैं। यह कार्रवाई अमेरिकी राष्ट्रपति के निर्देश पर की जाएगी। ईरान की समाचार एजेंसियों के अनुसार, केशम द्वीप, बंदर अब्बास, चाबहार, जास्क और सिरिक में धमाकों की आवाजें सुनी गईं। एपी की रिपोर्ट के मुताबिक, दक्षिणी जॉर्डन के शहर अकाबा के ऊपर धमाके दिखाई दिए। ईरान के एक अधिकारी ने बताया कि अमेरिकी हमले में एक घर को निशाना बनाया गया। उस समय वहां शादी समारोह चल रहा था। हमले में दो लोगों की मौत हो गई। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने धमकी दी कि अगर ईरान ने इस हमले का जवाब दिया, तो उसे और भी सख्त परिणाम भुगतने होंगे। आईआरजीसी ने कहा कि अमेरिका को अपने इन नए हमलों पर पछतावा होगा।

आर्थिक नीतिः जी20 मंच से इतर रूस, कोरियाई दल से सीतारमण की मुलाकात; आईएमएफ एमडी ने भारत की तारीफ में क्या कहा

वाशिंगटन, एजेंसी। केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने अमेरिका के एशविल में आयोजित जी20 वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक गवर्नरों की बैठक से इतर कई अहम देशों और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के प्रतिनिधियों के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं। इन मुलाकातों में भारत के आर्थिक सहयोग, निवेश, वैश्विक अर्थव्यवस्था और वित्तीय साझेदारी से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई। सीतारमण ने रूस के वित्त मंत्री एंटोन सिलुआनोव के साथ बैठक में द्विपक्षीय सहयोग मजबूत करने और क्षेत्रीय व वैश्विक आर्थिक घटनाक्रम पर विचार साझा किए। दोनों पक्षों ने बहुपक्षीय मंचों पर साझा हितों से जुड़े विषयों पर भी चर्चा की। बैठक में न्यू डेवलपमेंट बैंक और एशियन इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट बैंक के साथ सहयोग बढ़ाने के मुद्दे पर विचार हुआ। दोनों नेताओं ने इन संस्थानों को प्रभावी बहुपक्षीय विकास बैंकों के रूप में मजबूत करने के लिए साझा हित वाले क्षेत्रों की संभावनाएं तलाशीं। इसके अलावा शंघाई सहयोग संगठन डेवलपमेंट बैंक की स्थापना पर भी चर्चा हुई। वित्त मंत्री ने दक्षिण कोरिया के उप प्रधानमंत्री एवं अर्थव्यवस्था और वित्त मंत्री कू यून–चोल से भी मुलाकात की। सीतारमण ने कहा कि भारत दक्षिण कोरिया को एक महत्वपूर्ण आर्थिक साझेदार मानता है और दोनों देशों के बीच संबंधों से कई क्षेत्रों में पारस्परिक लाभ हुआ है।

मृतकों का आंकड़ा 1127 पहुंचा, 4800 से अधिक लोग अभी भी लापता; भारत की पांचवीं मदद रवाना

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में बाढ़ के बाद हालात बदतर बने हुए हैं। हर दिन के साथ हताहतों की संख्या बढ़ती जा रही है, जबकि अभी भी हजारों लोग लापता हैं। वहीं, इस भीषण त्रासदी को झेलने वाले अब मानसिक रूप से पीड़ा झेल रहे हैं, जिसमें बच्चे से लेकर बड़े भी शामिल हैं। फिलहाल राहत और बचाव अभियान युद्धस्तर पर जारी है। बॉलीवुड अभिनेता सोनू सूद मंगलवार को नेपाल के बाढ़ प्रभावित त्रिशूली बाजार पहुंचे। उन्होंने मौके पर हालात का जायजा लिया और प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर उनकी परेशानियां सुनीं। बाढ़ से हुए भारी नुकसान को देखकर सोनू सूद ने चिंता जताई और कहा कि लोगों को सामान्य जिंदगी में लौटने में काफी समय लग सकता है।

एएनआई से बातचीत में उन्होंने नेपाल की मदद के लिए भारत सरकार के प्रयासों की सराहना की। सोनू सूद ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताते हुए कहा कि संकट की इस घड़ी में नेपाल को दी जा रही सहायता सराहनीय है। उन्होंने कहा कि राहत और सहयोग का सिलसिला लगातार जारी रखना जरूरी है, क्योंकि प्रभावित लोगों की मुश्किलें कुछ हफ्तों या महीनों में खत्म नहीं होंगी। उन्होंने सभी से नेपाल के बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए आगे आने की अपील की।

मौतों का आंकड़ा 1,127 पहुंचा : नेपाल में बाढ़ की तबाही से मरने वालों की संख्या बढ़कर 1,127 हो गई है। आपदा के एक सप्ताह बाद भी हजारों लोग लापता हैं और सुरक्षा बल प्रभावित इलाकों में लगातार तलाशी और राहत अभियान चला रहे हैं। नेपाल पुलिस के मुताबिक, सबसे ज्यादा शव चितवन से 348, नवलपरासी ईस्ट से 217, नवलपरासी वेस्ट से 190 और नुवाकोट से 155 बरामद किए गए हैं। इसके अलावा गोरखा से 66, धादिंग से 59, रसुवा से 45 और तनहूं से 38 शव मिले हैं। पुलिस ने बताया कि अब तक 1,113 शवों का पोस्टमार्टम और कानूनी पहचान की प्रक्रिया पूरी की जा चुकी है। इनमें से 95 शव उनके परिजनों को सौंपे जा चुके हैं। लापता लोगों के परिवारों की मदद के लिए नेपाल पुलिस ने 911 अज्ञात शवों की जानकारी अपनी वेबसाइट पर अपलोड की है, ताकि परिजन तस्वीरों और उपलब्ध विवरण के आधार पर अपने रिश्तेदारों की पहचान कर सकें। नेपाल पुलिस के अनुसार, सुरक्षा बलों ने अब तक बाढ़ प्रभावित इलाकों से 6,541 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला है। वहीं, 4,858 लोग अभी भी लापता बताए जा रहे हैं। उनकी तलाश के लिए प्रभावित क्षेत्रों में अभियान जारी है।

नेपाल के लिए भारत ने भेजी पांचवीं मदद : नेपाल में राहत और बचाव अभियान के लिए भारत ने मदद का सिलसिला जारी रखा है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बुधवार को बताया कि भारत का पांचवां विमान राहत सामग्री लेकर नेपाल के लिए रवाना हो गया है। जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी साझा करते हुए बताया कि इस विमान में 11 सदस्यीय विशेष रेस्क्यू टीम मौजूद है। टीम के साथ बचाव कार्य में इस्तेमाल होने वाले जरूरी उपकरण भी भेजे गए हैं। इसके अलावा विमान में करीब 5.5 टन आवश्यक दवाएं भी भेजी गई हैं। भारत की ओर से यह सहायता नेपाल में जारी राहत एवं बचाव प्रयासों को मजबूत करने के उद्देश्य से भेजी गई है। विदेश मंत्री ने कहा कि पांचवां भारतीय विमान नेपाल के लिए रवाना हो चुका है और इसमें विशेष उपकरणों से लैस बचाव दल के साथ बड़ी मात्रा में जरूरी दवाएं भी शामिल हैं।

सरकार की प्राथमिकता लोगों की जान बचाना : लोक बहादुर छेत्री ने कहा कि इस समय नेपाल सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकता लोगों की जान बचाना, लापता लोगों का पता लगाना, बचे हुए लोगों को सुरक्षित निकालना और प्रभावित लोगों तक तत्काल राहत पहुंचाना है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रही है कि बाढ़ से प्रभावित सभी लोगों, चाहे वे नेपाली नागरिक हों या विदेशी, को जरूरी सहायता और सहयोग मिले। नेपाल में आई इस विनाशकारी बाढ़ ने कई जिलों में भारी तबाही मचाई है। बढ़ती संख्या में लोगों की मौत के साथ-साथ कई लोग अब भी लापता हैं। ऐसे में राहत, शवों की पहचान और जोखिम वाले इलाकों में बचाव अभियान लगातार जारी है।

ब्रिक्स शिखर सम्मेलनः दिल्ली में जुटेंगे दुनिया के दिग्गज, गुटेरेस आएंगे; पुतिन-जिनपिंग भी कर सकते हैं शिरकत

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। भारत की मेजबानी में होने वाले 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुटेरेस भी हिस्सा लेंगे। यह सम्मेलन 12 और 13 सितंबर को नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आयोजित किया जाएगा। भारत इस साल ब्रिक्स की अध्यक्षता कर रहा है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने मंगलवार को प्रेस ब्रीफिंग में बताया कि गुटेरेस के सम्मेलन में शामिल होने की आधिकारिक घोषणा अभी बाकी है। हालांकि, उन्होंने संकेत दिया कि संयुक्त राष्ट्र प्रमुख करीब 10 दिन बाद नई दिल्ली में होने वाली ब्रिक्स बैठक में भाग लेंगे।

गुटेरेस का भारत से पुराना जुड़ाव : यूएन महासचिव एंतोनियो गुटेरेस का इस साल भारत का यह दूसरा महत्वपूर्ण दौरा होगा। फरवरी 2026 में वह नई दिल्ली में आयोजित इंडिया-एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में शामिल हुए थे। यह ग्लोबल साउथ में आयोजित पहला वैश्विक AI शिखर सम्मेलन था।

ईरान संघर्ष को लेकर भी जताई चिंता : इससे पहले बिश्केक में एससीओ समिट के दौरान गुटेरेस ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन से मुलाकात की थी। इस दौरान उन्होंने ईरान में जारी संघर्ष के मानवीय और आर्थिक प्रभावों पर चिंता जताई। गुटेरेस ने संघर्ष का समाधान बातचीत और वार्ता के जरिए करने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय कानून के पूर्ण सम्मान की बात कही, जिसमें स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के आसपास नौवहन अधिकारों और स्वतंत्रता का सम्मान भी शामिल है। संयुक्त राष्ट्र ने व्यापक और स्थायी समाधान के लिए कूटनीतिक प्रयासों को समर्थन देने की प्रतिबद्धता भी दोहराई। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन और ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन के शामिल होने की उम्मीद है। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के भी सम्मेलन में पहुंचने की संभावना जताई जा रही है। ऐसे में नई दिल्ली में होने वाली यह बैठक वैश्विक कूटनीति के लिहाज से बेहद अहम मानी जा रही है।

भारत की अध्यक्षता में क्या होगा खास : विदेश मंत्रालय के अनुसार, 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में सदस्य और साझेदार देशों के राष्ट्राध्यक्षों के साथ-साथ आउटरीच के तहत आमंत्रित देशों के प्रतिनिधि भी शामिल होंगे।

प. एशिया तनावः ईरान में शादी के जश्न पर बरसीं अमेरिकी मिसाइलें

तेहरान, एजेंसी। ईरान के सिरिक इलाके में एक शादी समारोह उस समय मातम में बदल गया, जब अमेरिकी हवाई हमले की चपेट में यह कार्यक्रम आ गया। ईरानी अधिकारियों और सरकारी मीडिया के मुताबिक, हमले में कम से कम पांच लोगों की मौत हुई है। मृतकों में चार साल का एक बच्चा भी शामिल है। वहीं, 50 से अधिक लोग घायल बताए जा रहे हैं। यह घटना स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के पास स्थित तटीय क्षेत्र में हुई। ईरानी अधिकारियों ने इसे युद्ध के दौरान नागरिकों के लिए सबसे गंभीर घटनाओं में से एक बताया है।

ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने इस घटना पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि इस तरह की कार्रवाई को इससे पहले हुई घटनाओं से अलग करके नहीं देखा जा सकता। प्रवक्ता ने विशेष रूप से मिनाब में एक स्कूल पर हुए हवाई हमले का उल्लेख किया, जिसमें ईरानी अधिकारियों के अनुसार युद्ध के पहले दिन एक बालिका विद्यालय में 160 लोगों की जान गई थी। मिनाब की घटना को लेकर अमेरिकी रक्षा विभाग की ओर से अभी तक आधिकारिक निष्कर्ष सामने नहीं आया है। हालांकि, एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से दावा किया गया है कि यह हमला पुराने लक्ष्य संबंधी आंकड़ों के इस्तेमाल का नतीजा हो सकता है।

सिरिक में शादी समारोह पर हमला ऐसे समय हुआ है जब अमेरिका और ईरान के बीच एक बार फिर सैन्य तनाव तेज हो गया है। बुधवार को दोनों देशों के बीच पिछले कई हफ्तों में सबसे बड़ा सैन्य टकराव देखने को मिला। अमेरिका की ओर से आगे और भी अधिक व्यापक हमले किए जाने की चेतावनी दी गई है। ऐसे में शादी समारोह में हुई नागरिक मौतों ने युद्ध के मानवीय प्रभाव को लेकर चिंता और बढ़ा दी है। अमेरिकी सेना ने मंगलवार को ईरान में चाबहार और केशम द्वीप समेत कई अहम ठिकानों पर मिसाइलों से हमला किया।

ऐसा गृह युद्ध होता, जिससे हम कभी उबर नहीं पाते': जेडी वेंस का बड़ा खुलासा, दुनिया के खात्मे पर भी बोले

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने एक पॉडकास्ट में चौंकाने वाला बयान देते हुए कहा कि अगर 2024 में डोनाल्ड ट्रंप पर हुए हमले में उनकी मौत हो जाती तो देश में ऐसा गृह युद्ध होता, जिससे अमेरिका कभी उबर नहीं पाता। पॉडकास्ट में वेंस ने दुनिया के अंत पर भी अपने विचार साझा किए। ईसाई पॉडकास्टर ब्राइस क्रॉफर्ड के साथ बातचीत में जेडी वेंस ने धर्म, अध्यात्म समेत कई मुद्दों पर अपने विचार रखे।

'ट्रंप की मौत से अमेरिका में छिड़ जाता गृह युद्ध' : साल 2024 में अमेरिका के पेंसिल्वेनिया में राष्ट्रपति चुनाव के प्रचार के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति पर जानलेवा हमला हुआ था। उस हमले में ट्रंप बाल-बाल बचे थे और एक गोली उनके कान को छूकर निकली थी और ट्रंप के एक समर्थक की मौत हो गई थी। उस घटना पर जेडी वेंस ने कहा, 'अगर 2024 में हुई हत्या की कोशिश में डोनाल्ड ट्रंप की मौत हो जाती, तो वे हमेशा सोचते रहते कि यह किसी साजिश का हिस्सा था और शायद वे किसी दूसरे रिपब्लिकन को भी अगला राष्ट्रपति मानने को तैयार नहीं होते। ट्रंप खुद 2024 के हमले में खुद की जान बचने को दैवीय कृपा मानते रहे हैं, और वेंस भी ऐसा ही मानते हैं। उपराष्ट्रपति ने कहा, 'अगर गोली से ट्रंप की मौत हो जाती, तो देश में ऐसा गृह-संघर्ष होता जिससे शायद देश कभी उबर नहीं पाता।' वेंस ने कहा, 'ट्रंप के कई समर्थकों को लगता कि किसी साजिश के तहत उनका चुना हुआ राष्ट्रपति छीन लिया गया, और उनके मन में भी कहीं न कहीं ऐसे ही विचार आते।

दुनिया के अंत पर भी बोले वेंस : क्रॉफर्ड ने वेंस से दुनिया के अंत में उनकी दिलचस्पी के बारे में भी पूछा। इस पर उपराष्ट्रपति ने हंसते हुए कहा कि 1990 के दशक के आखिर में जवानी के दिनों में उनकी भी इसमें दिलचस्पी थी, जब लोग नई सदी के आने के साथ दुनिया के खत्म होने की संभावनाओं पर चर्चा कर रहे थे। हंसते हुए वेंस ने एक दोस्त की कहानी सुनाई जिसे यह जुनून सवार था कि 2007 के आखिर में दुनिया खत्म हो जाएगी और उसने क्रेडिट कार्ड पर भारी कर्ज ले लिया था।

एआई को लेकर जताई चिंता : वेंस ने कहा, 'दुनिया में कुछ ऐसी चीजें हैं, जिन्हें देखकर मुझे हैरानी नहीं होगी अगर 'एंटिक्राइस्ट' (शैतान का रूप) हमारे बीच घूम रहा हो, लेकिन फिर भी, मैं इस पर बहुत ज्यादा ध्यान नहीं देने की कोशिश करता हूं।' उन्होंने IT कंपनियों और इंसानी बातचीत की जगह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के इस्तेमाल पर चिंता जताई। बीते दिनों ट्रंप ने ईसा मसीह के रूप में अपनी एक एआई तस्वीर सोशल मीडिया पर साझा की थी, जिस पर खासा विवाद हुआ था। हालांकि वेंस ने ट्रंप का बचाव किया। उन्होंने कहा, 'उनका मकसद भगवान का मजाक उड़ाना या उनकी नकल करना नहीं था, वे ऐसे इंसान नहीं हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'राष्ट्रपति अक्सर चीजों को हल्का-फुल्का रखने की कोशिश करते हैं और लगातार मजाक करते रहते हैं।'

ट्रंप ने अपने करीबी अधिकारी को दी बड़ी जिम्मेदारी, कौन हैं पूर्व सील फाइटर हंग काओ

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि वे कार्यकारी नौसेना सचिव हंग काओ को स्थायी नौकरी के लिए नामांकित कर रहे हैं। ट्रंप ने नौसेना के पूर्व अधिकारी को ऐसे समय नियुक्ति दी है, जब ऐसी चिंताएं सामने आई हैं कि ईरान युद्ध के दौरान कुछ नाविकों पर बहुत ज्यादा दबाव पड़ा है। दरअसल ईरान युद्ध के दौरान अमेरिका के युद्धपोत यूएसएस अब्राहम लिंकन को करीब नौ महीने समुद्र में बिना रुके तैनात रहना पड़ा, जिससे कई अमेरिकी नौसैनिकों की मानसिक स्थिति पर बुरा प्रभाव पड़ा।

जॉन फेलन के इस्तीफे से मिला मौका : अप्रैल के आखिर में जॉन फेलन के अचानक और बिना किसी कारण के नौकरी छोड़ने के बाद हंग काओ को नौसेना का कार्यकारी सचिव नियुक्त किया गया था। जॉन फेलन ने कभी नौसेना में सेवाएं नहीं दी थीं या सर्विस में कोई सिविलियन लीडरशिप रोल भी नहीं निभाया था। वहीं काओ ने नेवी में स्पेशल ऑपरेशन्स ऑफिसर के तौर पर 25 साल बिताए और इराक और अफगानिस्तान में स्थिर टीमों और स्पेशल फोर्सेज के साथ काम किया।

ट्रंप ने सीनेट से जल्द नियुक्ति की पुष्टि करने को कहा : ट्रंप ने काओ की नियुक्ति का एलान करते हुए सोशल मीडिया पर लिखा, 'मुझे एक सच्चे योद्धा को नॉमिनेट करते हुए खुशी हो रही है।' उन्होंने सीनेट से अपील करते हुए कहा कि इस योद्धा को जल्द से जल्द कन्फर्म करें। काओ ने सोशल मीडिया पर इसे नेवी और मरीन कॉर्प्स टीम के महान योद्धाओं का नेतृत्व करना जीवन का सबसे बड़ा सम्मान बताया।

अमेरिकी सेना में उथल-पुथल का दौर : काओ का नामांकन ऐसे समय में हुआ है जब कुछ लोग, जिनमें कांग्रेस में डेमोक्रेट्स भी शामिल हैं, मानते हैं कि ट्रंप नेवी पर बहुत ज्यादा दबाव डाल रहे हैं। ईरान युद्ध में मदद के लिए यूएसएस अब्राहम लिंकन एयरक्राफ्ट कैरियर की नौ महीने की तैनाती के दौरान समुद्र में बिना रुके रहने का रिकॉर्ड बना है। साथ ही उनकी नियुक्ति ऐसे समय भी हुई है, जब अमेरिकी मिलिट्री के टॉप लेवल पर उथल-पुथल मची हुई है। हालिया उदाहरण में, आर्मी सेक्रेटरी डैन ड्रिस्कॉल ने इस हफ्ते अपना इस्तीफा सौंप दिया, जबकि उनके और डिफेंस सेक्रेटरी पीट हेगसेथ के बीच तनाव की खबरें बड़े पैमाने पर आ रही थीं। मौजूदा भूमिका से पहले काओ नेवी अंडरसेक्रेटरी के तौर पर काम कर चुके हैं। उन्होंने उन सर्विस मेंबर्स की ड्यूटी पर वापसी का समर्थन किया था, जिन्होंने बाइडेन के समय में वैक्सीन लेने के आदेश को मानने से इनकार कर दिया था। ट्रंप के करीबी माने जाने वाले काओ ने यह भी कहा कि उन्हें नेवी के डेमोंस्ट्रेशन स्क्वाड्रन, ब्लू एंजल्स के जुलाई में फ्लोरिडा के भीड़भाड़ वाले बीच पर इतनी कम ऊंचाई पर उड़ने से कोई दिक्कत नहीं थी।

पश्चिम एशिया में चीन बढ़ा रहा दखलः मिस्र पहुंचे शी जिनपिंग, अमेरिका के करीबी देश में बीजिंग की बढ़ रही पकड़

काहिरा, एजेंसी। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग इस सप्ताह मिस्र के तीन दिवसीय दौरे पर हैं। यह यात्रा चीन और मिस्र के बीच आर्थिक एवं राजनयिक संबंधों को मजबूत करने की सामान्य कवायद नजर आती है, लेकिन इसके पीछे पश्चिम एशिया में चीन के बढ़ते प्रभाव की बड़ी रणनीति भी देखी जा रही है।

अमेरिका के प्रमुख वैश्विक प्रतिद्वंद्वी चीन के लिए मिस्र पश्चिम एशिया में अपनी मौजूदगी मजबूत करने का अहम केंद्र बनता जा रहा है। वहीं, मिस्र अमेरिका का एक महत्वपूर्ण सहयोगी है। ऐसे में शी की काहिरा यात्रा को दोनों देशों के रिश्तों से आगे क्षेत्रीय भू-राजनीति के लिहाज से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

मिस्र पहुंचे शी जिनपिंग, हुआ भव्य स्वागत : शी जिनपिंग मंगलवार शाम काहिरा एयरपोर्ट पहुंचे। उनके स्वागत के लिए एयरपोर्ट को चीन और मिस्र के झंडों से सजाया गया था। मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी और सैन्य गार्डों ने रेड कार्पेट समारोह के साथ उनका स्वागत किया। दोनों नेताओं के बुधवार को बातचीत करने का कार्यक्रम है। शी जिनपिंग ग्रैंड इजिप्शियन म्यूजियम का भी दौरा करेंगे, जो गीजा के पिरामिडों के पास स्थित है। यह मिस्र की उनकी करीब एक दशक बाद पहली यात्रा है। वहीं, 2022 में सऊदी अरब दौरे के बाद यह पश्चिम एशिया की उनकी पहली यात्रा है।

चीन-मिस्र के रिश्तों में क्यों आई तेजी : चीन और मिस्र इस साल अपने राजनयिक संबंधों की स्थापना के 70 वर्ष पूरे कर रहे हैं। इसी मौके पर दोनों देशों के नेताओं ने मंगलवार को मिस्र के सरकारी अखबारों में दोस्ताना लेख भी प्रकाशित किए। शी जिनपिंग ने दोनों देशों से विकास के जरिए व्यावहारिक सहयोग का दायरा बढ़ाने की अपील की। वहीं, अल-सीसी ने मिस्र में चीन के निवेश की सराहना की और ताइवान को चीन का हिस्सा मानने वाले बीजिंग के दावे के समर्थन को दोहराया। मिस्र चीन के साथ बढ़ते रिश्तों को अपनी रणनीतिक साझेदारियों में विविधता लाने के अवसर के तौर पर देखता है।

ब्रिक्स से बेल्ट एंड रोड तक चीन की बढ़ती पकड़ : मिस्र को 2023 में ब्रिक्स में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया था। यह समूह उभरती अर्थव्यवस्थाओं का एक प्रमुख मंच है, जिसमें ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका जैसे देश शामिल हैं। इसके एक साल बाद मिस्र और चीन ने चीन की महत्वाकांक्षी बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव के तहत सहयोग के लिए समझौतों पर हस्ताक्षर किए। यह पहल दुनियाभर में बुनियादी ढांचे और परिवहन नेटवर्क के निर्माण के जरिए चीन की आर्थिक और रणनीतिक पहुंच बढ़ाने पर केंद्रित है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, चीन मिस्र में 10 अरब डॉलर से अधिक का निवेश कर चुका है। इनमें काहिरा के पूर्व में बिजनेस हब और नील डेल्टा में औद्योगिक क्षेत्र के लिए इलेक्ट्रिक रेल लाइन जैसी परियोजनाएं शामिल हैं। दोनों देशों के बीच सालाना व्यापार करीब 20 अरब डॉलर का बताया जाता है। इसके मुकाबले 2025 में अमेरिका और मिस्र के बीच व्यापार 15.7 अरब डॉलर रहा था। चीन लंबे समय से पश्चिम एशिया में अपनी कूटनीतिक और आर्थिक भूमिका बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। 2023 में बीजिंग ने ईरान और सऊदी अरब के बीच राजनयिक संबंध बहाल कराने में मध्यस्थ की भूमिका निभाई थी।

क्या है तहरीक-ए-लब्बैकः पाकिस्तान में मदरसे के लिए 125 साल पुराना मंदिर ढहाया, पंजाब में कैसे हिंदुओं को डराया

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों के हालात कैसे हैं, यह पूरी दुनिया में किसी से नहीं छिपा है। हालांकि, अब शहबाज शरीफ की सरकार के कार्यकाल में चरमपंथी तत्वों पर प्रतिबंधित होने के बावजूद खुलेआम न सिर्फ लोगों को डरा रहे हैं, बल्कि उनके पूजास्थलों को भी ढहाने और उसकी जमीन पर कब्जा करने में जुट गए हैं। ताजा मामला पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के नारोवाल जिले का है। यहां सिराज गांव में एक चरमपंथी संगठन- तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान (टीएलपी) ने कथित तौर पर एक 100-125 साल पुराने हिंदू पूजास्थल को ढहा दिया। कहा जा रहा है कि इस संगठन ने ऐसा मंदिर की जमीन पर कब्जा करने और पास ही मौजूद एक मदरसे का दायरा बढ़ाने के लिए किया।

आइये जानते हैं कि जिस मंदिर के ढहाए जाने को लेकर इस वक्त पाकिस्तान में बवाल मचा है, वह कहां है और कहां है? इसके साथ हाल ही में ऐसा क्या हुआ, जिसने पूरी दुनिया का ध्यान चरमपंथी संगठन और उसकी खुलेआम अल्पसंख्यकों के खिलाफ किए जा रहे जुर्मों की तरफ कर दिया है? यह तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान क्या है, जिससे न सिर्फ अल्पसंख्यक, बल्कि पाकिस्तान की सरकार तक घबराती है? क्यों शहबाज सरकार की ओर से लगाए गए प्रतिबंधों के बावजूद यह संगठन मजबूत बना हुआ है।

कब ढहाया गया यह पूजा स्थल, क्यों पैदा हुआ विवाद : इस ऐतिहासिक हिंदू मंदिर को 21 अगस्त 2026 को ढहाया गया था। हालांकि, इसे ढहाए जाने के मामले ने तूल अगस्त के अंत में पकड़ा। दरअसल, इस मंदिर के ढहने की वजहों और इसकी भूमि पर अवैध कब्जे को लेकर दो परस्पर विरोधी दावे सामने आ गए, जिससे यह विवाद और बढ़ा हो गया है।

अल्पसंख्यक संगठन बोले- मंदिर को सोची-समझी साजिश के तहत गिराया गया : स्थानीय हिंदू प्रतिनिधियों और अल्पसंख्यक संगठनों का आरोप है कि लगभग 100 से 125 साल पुराने इस मंदिर को जानबूझकर

और एक साजिश के तहत गिराया गया है, ताकि मंदिर की करीब 1,000 वर्ग मीटर जमीन पर पास के मदरसे का कब्जा कराया जा सके। पाकिस्तान मसीहा मिल्लत पार्टी के अध्यक्ष असलम परवेज सहोत्रा ने बताया कि मंदिर विध्वंस में चरमपंथी धार्मिक राजनीतिक दल तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान (टीएलपी) से जुड़े लोग शामिल थे। वे मंदिर को गिराने के बाद उसके शिखर से धातु के उपकरण और ईंटें भी उठाकर ले गए। सहोत्रा के मुताबिक, मंदिर से सटी जमीन को पहले इवैक्यूई ट्रस्ट प्रॉपर्टी बोर्ड (ईटीपीबी) ने मदरसे के लिए पट्टे पर दिया था। किराया न चुकाने और नियमों के उल्लंघन के कारण 29 जनवरी 2026 को इस पट्टे को रद्द कर दिया गया और अवैध कब्जा हटाने के आदेश दिए गए थे, लेकिन प्रशासन ने इस आदेश को लागू नहीं किया।

नारोवाल जिला शांति समिति और 'पाक धरम अस्थान हिंदू समिति' के सदस्य और हिंदू समुदाय के नेता रतन लाल ने घटना स्थल के आसपास के डरावने माहौल को बयां करते हुए कहा- 'मंदिर परिसर में जो मदरसा लगातार चल रहा है, उसकी उपस्थिति के कारण हम अब उस जगह पर जाने से भी डरते हैं।' उन्होंने आरोप लगाया कि जिला प्रशासन स्थानीय चेतावनियों के बावजूद मंदिर की रक्षा करने और वहां से अवैध कब्जे हटाने में पूरी तरह विफल रहा।

प्रशासन बोला- भारी बारिश की वजह से गिर गया मंदिर का ढांचा : अल्पसंख्यक संगठनों के उलट ईटीपीबी के वरिष्ठ अधिकारी राणा इफ्तिखार और जिला प्रशासन ने जानबूझकर ढांचा गिराए जाने के आरोपों को पूरी तरह खारिज किया है। उनका कहना है कि हाल ही में हुई मूसलाधार बारिश के कारण यह पुराना और जर्जर ढांचा अपने आप ढह गया। अधिकारी ने सफाई दी कि मंदिर की मूल भूमि को कभी किसी को पट्टे पर नहीं दिया गया। तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान (टीएलपी) पाकिस्तान का प्रतिबंधित चरमपंथी, कट्टरपंथी और अति-दक्षिणपंथी इस्लामी राजनीतिक संगठन है। इसी संगठन पर नारोवाल जिले में एक 100 साल से भी पुराने ऐतिहासिक हिंदू मंदिर को ढहाने का आरोप लगा है।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)